माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के लिए
(ए.एल.एम.- मॉडल-1)

लर्निंग आउटकम्स आधारित टीचर हैण्डबुक

Learning Outcomes Based
Teachers' Handbook

कक्षा 6 से 8

सामाजिक विज्ञान

SOCIAL SCIENCE

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

चाँद हैं, आफताब हैं बच्चे।
रोशनी की किताब हैं बच्चे।

अपने स्कूल जब ये जाते हैं,
ऐसा लगता गुलाब हैं बच्चे।

व्यास, सतलज सरीखे दरिया हैं,
रावी, झेलम, चिनाव हैं बच्चे।

अपनी मस्ती की राजधानी में,
अपने मन के नबाब हैं बच्चे।

जब कभी भी ये खिलखिलाते हैं,
ऐसा लगता रबाब हैं बच्चे।

जिनको संस्कार शुभ मिले हैं वे,
हर जगह कामयाब हैं बच्चे।

क्या फरिश्ते किसी ने देखे है?
कितना अच्छा जवाब हैं बच्चे।

–अजहर हाशमी

शिक्षकों के लिए

- मुझे शिक्षक होने पर गर्व है। शिक्षण को मैं एक आदर्श व्यवसाय मानता/मानती हूँ।
- शिक्षण से जुड़े होने के कारण मैं उसी कार्य को करूँगा/करूँगी जो इस व्यवसाय को आदर्श स्वरूप दे सकें।
- मैं सजग रहूँगा/रहूँगी कि मेरे प्रत्येक कार्य, व्यवहार को मेरे विद्यार्थी आलोचनात्मक दृष्टि से देखेंगे। उनकी समझ में सदैव आदर्श स्थापित करूँगा/करूँगी।
- विद्यार्थियों की सहायता तथा मार्गदर्शन देने में मेरी भूमिका एक मित्र, एक दार्शनिक तथा एक निर्देशक के रूप में रहेगी।
- मैं अपने विद्यार्थियों को पुस्तकालय का उपयोग करने के लिए प्रेरित करूँगा/करूँगी।
- यदि किसी कारण मैं कक्षा में नहीं जा पा रहा/रही हूँ तो विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय देकर क्षतिपूर्ति करूँगा/करूँगी।
- मैं अपने व्याख्यान पूर्ण सावधानी के साथ तैयार करूँगा/करूँगी ताकि विषय सामग्री विद्यार्थियों को स्पष्ट हो सके।
- मैं शिक्षण में नवाचार का प्रयोग करूँगा/करूँगी ताकि विषय सामग्री विद्यार्थियों को स्पष्ट हो सके।
- मैं केवल पाठ्यक्रम को ही पूर्ण नहीं करूँगा/करूँगी, बल्कि नवीन जानकारी विद्यार्थियों तक पहुँचाना भी मेरा कर्तव्य होगा।

यह मेरा स्वभाव है कि जब मैं कोई
उत्तरदायित्व स्वीकार करता हूँ तो मैं
अपनी सारी शक्ति से कर्त्तव्य पालन में
निमग्न हो जाता हूँ और अपने
उत्तरदायित्व से कभी अलग नहीं हटता।
एक बार सौभाग्य से मैं शिक्षक बन गया।
मैंने अपना कार्य पूरी लगन से किया
और यह कार्य करने में मैंने जो आनंद
पाया
उसने मुझे
गुरू से गुरूदेव
तक पहुँचा दिया।

– रवीन्द्र नाथ टैगोर

माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के लिए

लर्निंग आउटकम्स आधारित टीचर हैण्डबुक

Learning Outcomes Based

Teachers' Handbook

सामाजिक विज्ञान

कक्षा–6 से 8

ए.एल.एम.- मॉड्यल 1

(90 मिनिट कालखण्ड के अनुसार)

2017–18

म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़े सब बढ़े

मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

शिक्षकों के लिए ...

शिक्षक साथियों आपके द्वारा विद्यार्थियों की दक्षता विकास के सतत् प्रयास किए जा रहे हैं तथापि यह अनुभव किया गया है कि आपके पास एक ऐसा टूल्स हो जिससे आप विद्यार्थियों की दक्षता की परख कर सकें। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा आपके उपयोगार्थ एक ऐसी पुस्तिका तैयार की गई है, जिसके माध्यम से कक्षा कक्ष में होने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं को एक स्थान पर समेकित किया गया है। जिसमें आप यह जान सकेंगे कि आपके विद्यार्थियों ने क्या सीखा है।

आप सभी मित्रों की सहायता के लिए राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा एक 'लर्निंग आउटकम्स आधारित टीचर हैंड बुक सह प्रशिक्षण पुस्तिका' तैयार की है। यह पुस्तिका कक्षा 6 से 8 तक (प्रांरभिक शिक्षा) के लिए विषयवार तैयार की जाकर समेकित रूप से प्रदाय की जा रही है। लर्निंग आउटकम्स आधारित टीचर हैंड बुक में प्रमुख रूप से अवधारणा क्षेत्र, पेडॉगाजिकल प्रकिया/ गतिविधियाँ, आवश्यक शिक्षण सहायक सामग्री, सीखने के संकेतक, मूल्यांकन हेतु प्रश्न, आओ करके सीखे, अवधारणा के शिक्षण में लगने वाला समय एवं सीखने की सम्प्राप्तियों को शामिल किया गया है।

विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए आयाम जिनमें सीखने-सिखाने और उसके आकलन करने से संबंधित शिक्षण की कार्य योजना बनाना, सीखने का वातावरण निर्मित करना, सीखने-सिखाने की प्रक्रिया, कक्षा प्रबंधन, बच्चों को रोटेशन में बैठाना, सहायक शिक्षण सामग्री का उपयोग करना। कक्षा में घर में/घर पर एवं खेल-खेल में सीखना, बच्चों की क्षमता का आकलन करना शामिल है।

सामग्री में दिव्यांग बच्चों को सीखने के समान अवसर उपलब्ध कराना, शाला में दिव्यांग बच्चों की आवश्यकताओं की पूर्ति कराना भी शामिल है। टीचर हेंड बुक में डी एवं ई ग्रेड प्राप्त करने वाले बच्चों को ध्यान में रखकर योजना बनाना शामिल है। इस पुस्तिका के उपयोग से शिक्षक विद्यार्थियों की विषयगत समस्याओं का निदान कर सकेंगे। साथ ही विद्यार्थियों को स्वयं प्रश्न करने, उनका समाधान खोजने तथा निष्कर्ष तक पहुँचने के लिए प्रेरित कर सकेंगे।

इस पुस्तिका के निर्माण में प्रदेश के विभिन्न संस्थानों व विद्यालयों में कार्यरत अनुभवी विषय विशेषज्ञों, शिक्षकों व राज्य शिक्षा केन्द्र के अकादमिक समूह के सदस्यों ने अथक प्रयास किया है, फिर भी यह सामग्री तब तक पूर्ण नही मानी जा सकेगी जब तक उसका उपयोगकर्ता द्वारा उपयोग कर अपेक्षित परिणाम प्राप्त न हो जाएँ। अतः इस पुस्तिका के उपयोग पश्चात आप सभी के सकारात्मक सुझावों की प्रतीक्षा होगी।

- राज्य शिक्षा केन्द्र

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	पृष्ठ
1.	शिक्षक के परिचय हेतु स्थान	2
2.	समय-सारणी (ALM आधारित)	3
3.	सीखने के मुख्य घटकों का परिचय	4
4.	सक्रिय अधिगम प्रविधि परिचय, उद्देश्य एवं महत्व	7
5.	कक्षा-6 के लिए-	
	• सक्रिय अधिगम प्रविधि पाठ योजना	17
	• सीखने का मेट्रिक्स	23
	• सीखने की संप्राप्तियाँ (Learning Outcomes)	72
6.	स्व मूल्यांकन	74
7.	कक्षा-7 के लिए-	
	• सक्रिय अधिगम प्रविधि पाठ योजना	87
	• सीखने का मेट्रिक्स	91
	• सीखने की संप्राप्तियाँ (Learning Outcomes)	164
8.	स्व मूल्यांकन	166
9.	कक्षा-8 के लिए-	
	• सक्रिय अधिगम प्रविधि पाठ योजना	183
	• सीखने का मेट्रिक्स	187
	• सीखने की संप्राप्तियाँ (Learning Outcomes)	238
10.	स्व मूल्यांकन	240
11.	कक्षा अवलोकन हेतु मानिटरिंग प्रपत्र (ALM आधारित)	253

(1)

शिक्षक/शिक्षिका की सामान्य जानकारी

नाम :

पद तथा कार्यरत संस्था का नाम :

शाला का डाईस कोड :

कक्षा जिसमें अध्यापन करते है :

विषय जिसमें अध्यापन करते है :

शिक्षक का यूनिक आई डी :

मोबाईल नं. :

विशेष कार्यानुभव/कार्यक्षमता :

:

योग्यता/विशिष्ट योग्यता

(2)

सुझावात्मक समय-सारणी

कक्षा	दिन	10:30 से 10:45	10:45 से 12:15	12:15 से 12:20	12:20 से 1:50	1:50 से 2:20	2:20 से 2:45	2:45 से 3:00	3:00 से 4:30	4:30 से 4:40
VI	सोमवार	प्रार्थना सभा	हिन्दी	लघु अवकाश	गणित	मध्यान्ह भोजन	• खेल-कूद • पुस्तकालय • सृजनात्मक कार्य जैसे - खिलौने बनाना, मिट्टी का कार्य, चित्रकारी, हस्तशिल्प, स्क्रेप बुक बनाना आदि जीवन कौशल शिक्षा • परिसंवाद	मीना की दुनिया (आकाशवाणी से प्रसारित कार्यक्रम)	सामाजिक विज्ञान	प्रार्थना
	मंगलवार		अंग्रेजी		विज्ञान				संस्कृत	
	बुधवार		हिन्दी		गणित				सामाजिक विज्ञान	
	गुरुवार		अंग्रेजी		विज्ञान				संस्कृत	
	शुक्रवार		हिन्दी		गणित				सामाजिक विज्ञान	
	शनिवार		अंग्रेजी		विज्ञान				बाल सभा	
VII	सोमवार		अंग्रेजी		संस्कृत				विज्ञान	
	मंगलवार		हिन्दी		गणित				सामाजिक विज्ञान	
	बुधवार		अंग्रेजी		संस्कृत				विज्ञान	
	गुरुवार		हिन्दी		गणित				सामाजिक विज्ञान	
	शुक्रवार		अंग्रेजी		संस्कृत				विज्ञान	
	शनिवार		हिन्दी		गणित				बाल सभा	
VIII	सोमवार		गणित		सामाजिक विज्ञान				संस्कृत	
	मंगलवार		विज्ञान		अंग्रेजी				हिन्दी	
	बुधवार		गणित		सामाजिक विज्ञान				संस्कृत	
	गुरुवार		विज्ञान		अंग्रेजी				हिन्दी	
	शुक्रवार		गणित		सामाजिक विज्ञान				संस्कृत	
	शनिवार		विज्ञान		अंग्रेजी				बाल सभा	

नोट:- 1. शनिवार को सांस्कृतिक गतिविधियों के तहत बाल सभा का आयोजन किया जाएगा। 2. विद्यालय में पदस्थ शिक्षकों को संख्या अनुसार समय चक्र में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. बच्चों की बैठक व्यवस्था- i. ब्लैक बोर्ड के सम्मुख बैठने की व्यवस्था रखी जाए।

ii. विशेष आवश्यक्ता वाले बच्चों के बैठने के लिए सुविधाजनक स्थान दिया जाए। iii. बैठक व्यवस्था रोटेशन पद्धति से की जाए।

(3)

सीखने के मुख्य घटकों का परिचय

1. अवधारणा क्षेत्र

किसी भी कक्षा स्तर से संबंधित समस्त पाठ्य वस्तु को मुख्य रूप से कुछ चिह्नित क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है इन चिह्नित क्षेत्रों को ही अवधारणा क्षेत्र कहते हैं। शिक्षकों के लिए यह आवश्यक होता है कि प्रत्येक अवधारणा क्षेत्र से संबंधित विषय वस्तु को ध्यान में रखते हुए शिक्षण का कार्य करें व मूल्यांकन/आकलन के दौरान सभी अवधारणा क्षेत्रों पर एक समान अधिभार दें, जिससे बच्चों के उस कक्षा स्तर से संबंधित समस्त अवधारणा क्षेत्रों में दक्ष हो सकें।

2. पेडागॉजिकल प्रक्रिया/गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना

विषय से संबंधित किसी भी अवधारणा को विकसित करने से पूर्व उस अवधारणा से संबंधित विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान पर आधारित चर्चा करते हुए अवधारणा विकसित करने के लिए कहानी, कविता, पहेली, समाचार पत्र वाचन, प्रयोग प्रदर्शन आदि के माध्यम से प्रस्तावना प्रस्तुत की जाती है। किसी भी अवधारणा को स्पष्ट करने के लिए कक्षा कक्ष में विभिन्न प्रकार के तरीकों से अवधारणा को विकसित करने के अवसर दिए जाने के लिए सुझावात्मक रूप से पेडागॉजिकल प्रक्रिया/गतिविधियाँ के अन्तर्गत दिया गया है।

3. सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)

कक्षा कक्ष संचालन के दौरान शिक्षक द्वारा पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त जो-जो सामग्री उपयोग की जाती है सहायक शिक्षण सामग्री कहलाती है। इसमें यह आवश्यक होता है कि निर्धारित विषय वस्तु को विकसित करने में उस सहायक शिक्षण सामग्री का योगदान हो।

4. सीखने के संकेतक (Learning Indicator)

सीखने के संकेतक मुख्य रूप से शिक्षक को प्रत्येक विद्यार्थी के बारे में यह सोचने के अवसर देते है कि उसने सत्र के दौरान क्या सीखा और किस क्षेत्र में उसको और सीखने की आवश्यकता है। अर्थात् जरूरत है, इनको चिह्नित करने के लिए शिक्षक को प्रत्येक विद्यार्थी के बारे में जानना होता है तथा शिक्षक द्वारा की जाने वाली प्रत्येक गतिविधि में यह देखा जाता है कि विद्यार्थी ने किसी अवधारणा से संबंधित किन-किन

बिन्दुओं को जान लिया है और किनकी जरूरत है। दैनिक कक्षागत गतिविधियों/शिक्षण के दौरान उस पर अधिक ध्यान देना होगा। इसके लिए विशिष्ट परीक्षाओं की आवश्यकता नहीं होती है स्वयं सीखने वाली गतिविधियाँ बच्चों में निरंतर चलने वाले अवलोनात्मक एवं गुणात्मक आंकलन का आधार बनती है। अवलोकन के आधार पर रोज की दैनंदिनी रखने से निरंतर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) में मदद मिलती है। इस कारण सीखने के संकेतक को इसका हिस्सा बनाया गया है।

5. मूल्यांकन हेतु गतिविधियाँ एवं प्रश्न

मूल्यांकन के अंतर्गत जब तक बच्चों के पाठ्यपुस्तकीय ज्ञान को याद करने की क्षमताओं का परीक्षण किया जाता रहेगा। तब तक इसमें यह जानना जरूरी है कि बच्चों ने क्या सीखा है और उस ज्ञान को समस्या सुलझाने और व्यवहार में लाने की उनकी क्षमता को जाँच पाएँ साथ ही विद्यार्थियों की सोचने की प्रक्रिया कैसी हो यह पता लगा पाएँ की विद्यार्थी ने क्या सीखा है। आकलन/मूल्यांकन के लिए जो प्रश्न निर्धारित किए जाते हैं उन्हें किताब में दी गई जानकारी से आगे बढ़ाने की जरूरत है। ऐसे प्रश्नों को भी शामिल करना चाहिए जिसका कोई एक उत्तर नहीं होता है और जो बच्चों के सामने चुनौती पेश करते है। अच्छे प्रश्न और परीक्षा पत्र बनाना भी एक कला है और शिक्षकों को ऐसे प्रश्न बनाने पर बल देने की जरूरत है।

6. आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)

घर वह स्थल होता है जहाँ किसी भी बच्चे को ऐसी परिस्थितियाँ मिलती हैं जिसमें वह कुछ न कुछ सीखता है। दैनिक जीवन की स्थितियों से जुड़ी गतिविधियां विद्यार्थियों की रूचि को बांधे रखने का सार्थक माध्यम बन जाती है। उदाहरण के लिए वर्षा अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग ढंग से होती है उसकी विविधता के आँकड़े उपलब्ध होते हैं जिसको गणित में कई रोचक गतिविधियों को बढ़ावा देने में उपयोग में लाया जा सकता है। इसी प्रकार विज्ञान में इन पर आधारित अनेकों प्रयोग करवाए जा सकते हैं इन्हीं कारण से घर में व खेल-खेल में, आओ करके सीखें के अन्तर्गत सीखने के अवसर दिए गये हैं।

7. सीखने की संप्राप्ति (Learning Outcomes)

विभिन्न प्रकार के शैक्षिक सर्वे व उपलब्ध डाटा यह बताते हैं कि बच्चों में स्कूल स्तरीय विषयों में सीखने का उपलब्धि स्तर निर्धारित स्तर के अनुरूप नहीं है, इसमें जिस तरह के प्रयास होते रहे है इसमें शिक्षक अपना पाठ्यपुस्तक के आधार पर पाठ्यक्रम पूरा करा देते हैं परन्तु यह बात स्पष्ट नहीं हो पाती कि बच्चों को संबंधित विषय वस्तु में

किस प्रकार के अवसर देने की जरूरत है अर्थात् पूरे वर्ष के अंत में बच्चों को किस प्रकार की क्या-क्या विषय वस्तु आना चाहिए। यह शैक्षिक अपेक्षाओं के रूप में परिभाषित किया गया है। शैक्षिक अपेक्षाओं व पाठ्यक्रम से सभी शैक्षिक व्यवस्थागत हितग्राहियों यथा पालक, शाला विकास समिति के सदस्यों, समुदाय के लोगों, शिक्षक एवं बच्चे आदि कि समझ हेतु सीखने की संप्राप्ति को निर्धारित किया गया है। यह सीखने की संप्राप्ति आकलन के मानक या आकलन के बेंचमार्क के रूप में निर्धारित स्तर के लिए चिह्नित किये गए है। सीखना-सिखाना सतत् रूप से होने वाली प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया के पेडागॉजिकल प्रक्रिया में ही सीखने की संप्राप्ति को देखा जाता है। पाठ्यचर्या संबंधी अपेक्षाओं को पूरे देश के बच्चों को ध्यान में रखकर सीखने की संप्राप्ति को स्वीकार किया गया है।

8. कक्षा प्रबंधन

शिक्षक साथी कक्षा में जाकर पाठ्यक्रम को निर्धारित समय में पूरा करने के उद्देश्य से सीधे पढ़ाना प्रारंभ कर देते है परन्तु उनसे यह अपेक्षा है कि :-

- कक्षा में प्रवेश करते ही कक्षा का माहौल आनंददायी बनाया जाए।
- बच्चों को कहानी, कविता, पहेली, एकांकी, समाचार पत्र, प्रयोग, प्रदर्शन, पैटर्न आदि के माध्यम से बच्चों को कक्षा कक्ष में मानसिक रूप से सक्रिय करने का कार्य किया जाए।
- विषय वस्तु से संबंधित पाठ की एक दिन पूर्व तैयारी अवश्य करें।
- विषय वस्तु से संबंधित सहायक शिक्षण सामग्री पूर्व में ही एकत्रित करने के उपरांत कक्षा कक्ष में प्रवेश करें।
- कक्षा में ऐसे स्थान पर खड़े हों की सभी बच्चे आपकी नजरों के आस-पास हों।
- सभी बच्चों पर एक समान ध्यान दें।
- बच्चों के बैठने का स्थान साप्ताहिक रूप से परिवर्तित करते रहें।
- प्रत्येक बच्चे की व्यक्तिगत शैक्षिक समस्याओं को जानने का प्रयास करें एवं उन्हें दूर करने के उपयुक्त उपाय करें।

(4)

1. सक्रिय अधिगम प्रविधि (Active Learning Methodology)- परिचय, उद्देश्य एवं महत्व

सक्रिय अधिगम प्रविधि (ALM)

शोध निष्कर्षो एवं तथ्यात्मक प्रमाणों से यह बात परिलक्षित होती है कि विद्यार्थी सबसे अधिक तब सीखते हैं जब वे सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भागीदारी करते हैं। वर्तमान में प्रचलित शिक्षण पद्धति में कक्षा में विद्यार्थी निष्क्रिय श्रोता के रूप में होते हैं शिक्षक अवधारणाओं एवं सूचनाओं को उड़ेलता/व्यक्त करता जाता है, विद्यार्थी निष्क्रिय श्रोता मात्र रह जाता है। अतः एक ऐसी अधिगम प्रक्रिया की आवश्यकता अनुभव की गयी जहाँ विद्यार्थी कक्षागत प्रक्रियाओं में सक्रिय सहभागिता कर सकें।

सक्रिय अधिगम प्रविधि (ALM) मॉडल 1 के अंतर्गत ऐसी कक्षागत प्रक्रिया है। निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अध्याय – 5 धारा 29(2) (ङ) "बाल अनुकूल और बाल केन्द्रित रीति से क्रियाकलापों, प्रकटीकरण और खोज के द्वारा शिक्षण" का पूर्णतः पालन करने हेतु कक्षा शिक्षण की यह प्रविधि उपयुक्त है। इस प्रविधि द्वारा शिक्षण से कक्षा का वातावरण पूर्णतः मानसिक अभिघात और चिन्ता से मुक्त होता है।

इसमें विद्यार्थियों में समझने की शक्ति का विकास होता है एवं उन्हें स्वतन्त्र रूप से विचार व्यक्त करने के अवसर भी प्राप्त होते है। इस प्रविधि द्वारा शिक्षण से विद्यार्थियों में प्रस्तुतीकरण एवं नेतृत्व का गुण भी विकसित होता है। इस प्रकार सक्रिय अधिगम प्रविधि द्वारा शिक्षण से विद्यार्थियों का बहुमुखी विकास होता है। सर्वप्रथम तमिलनाडु में इस प्रविधि द्वारा सत्र 2007-08 से शिक्षण कार्य प्रारंभ किया गया जिसके सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं।

सक्रिय अधिगम प्रविधि की मूलभूत मान्यताएँ –

सक्रिय अधिगम दो मूलभूत मान्यताओं पर आधारित है–

(1) सीखना प्राकृतिक रूप से एक सक्रिय प्रयास है।

(2) अलग-अलग व्यक्ति अलग-अलग तरीके से सीखते हैं।

शोध यह सिद्ध करते हैं कि विद्यार्थियों को सीखने की प्रक्रिया के अन्तर्गत सुनने के अलावा भी कुछ करना चाहिए। उनको पढ़ना, लिखना, चर्चा करना एवं समस्या निदान की भी कोशिश करनी चाहिए। इसके द्वारा विद्यार्थियों को कुछ उच्च स्तरीय बौद्धिक कार्यों जैसे- विश्लेषण, संश्लेषण एवं मूल्यांकन आदि में सक्रिय रूप से शामिल किया जाना चाहिए। कक्षा अध्यापन के दौरान सीखने की प्रक्रिया में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने में ALM एक प्रभावी प्रविधि है।

ALM क्या है -

ALM एक ऐसी शिक्षण प्रविधि है जो बच्चों को अवसर देती है -

- स्वयं करके सीखने का।
- विषयवस्तु पर आपस में बातचीत करने एवं सुनने का।
- व्यक्तिगत या छोटे समूहों में सीखने, पढ़ने एवं चिन्तन करने का।
- कक्षागत प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता करने का।
- क्रियाकलाप आधारित अध्ययन के लिए उत्प्रेरित होने का।
- विषय वस्तु को अभिव्यक्त करने का।

ALM क्यों -

विभिन्न शोध एवं अनुभव यह बताते हैं कि विद्यार्थी सबसे बेहतर तब सीखते हैं जब वे स्वयं विषयवस्तु के साथ जुड़ते हैं और सीखने में सक्रिय रूप से सहभागी होते हैं। यही सिद्धान्त ALM का केन्द्र बिन्दु है। इस प्रविधि में -

- अधिगम प्रक्रिया बाल केन्द्रित है।
- सीखने की प्रक्रिया में समस्त विद्यार्थियों की सहज, सक्रिय सहभागिता होती है।
- विद्यार्थियों को परस्पर सहयोग के साथ कार्य करने के साथ-साथ स्वतन्त्र अभिव्यक्ति के अवसर भी प्राप्त होते हैं।
- विद्यार्थियों को उच्चस्तरीय अधिगम प्रक्रियाओं से गुजरना होता है जैसे:- विवेचन, विश्लेषण, संश्लेषण, निष्कर्ष निकालना एवं सम्प्रेषण, जो अवधारणाओं का विकास करती हैं। अत: यह कहा जा सकता है कि अवधारणाओं की समझ बनाने के लिए ALM एक प्रभावी प्रविधि है

अन्ततः यह कहा जा सकता है कि प्रचलित कक्षागत प्रक्रिया को अधिक सरल सहज एवं बाल केन्द्रित बनाने, प्रत्येक बच्चे को अपनी स्वाभाविक गति से सीखने

एवं व्यक्त करने के अवसर देने तथा शाला में बच्चे के प्रत्येक दिन को उपयोगी, मनोरंजक एवं सार्थक बनाने हेतु ALM आवश्यक है।

ALM में प्रचलित पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकें ही पठन-पाठन प्रक्रिया में उपयोग की जाती है अतएव इसके लिए पृथक से किसी पुस्तक की आवश्यकता नहीं है।

ALM के उद्देश्य-

- बच्चों को स्वयं करने के लिए प्रेरित करना तथा इस प्रक्रिया में उनका सक्रिय योगदान सुनिश्चित करना।
- सीखने की प्रक्रिया को शिक्षक केन्द्रित के स्थान पर बाल केन्द्रित बनाना।
- प्रत्येक बच्चे को अपनी गति एवं सहज भाव से सीखने के अवसर उपलब्ध कराना।
- सीखने की प्रक्रिया में समस्त विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना।
- सक्रिय अधिगम हेतु उपयुक्त वातावरण का निर्माण करना।
- विद्यार्थियों में पढ़ने व सीखने की मूलभूत दक्षताओं का विकास करना।
- बच्चों के मध्य परस्पर सहयोग की भावना का विकास करना।
- समूह में कार्य करने के प्रचुर अवसर देते हुए भी बच्चे के स्व-विकास हेतु सतत् अवसर प्रदान करना।
- बच्चों में सृजनात्मक अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास करना।
- बच्चों में प्रभावी प्रस्तुतीकरण की दक्षता का विकास करना।
- बच्चों में उच्च स्तरीय अधिगम प्रक्रियाओं - विश्लेषण, संश्लेषण एवं मूल्यांकन के गुणों का विकास करना।
- विषयवस्तु को परिवेश के साथ जोड़कर सीखने के अवसर देना।

2. कक्षा शिक्षण एवं पाठयोजना

सक्रिय अधिगम प्रविधि में कक्षा शिक्षण हेतु विषयवार एक कालखण्ड/सत्र की अवधि 90 मिनिट होती है तथा एक दिन में केवल तीन कालखण्ड होते हैं। सक्रिय अधिगम प्रविधि में विद्यार्थी सक्रिय सहभागिता करता है तथा विषयवस्तु अनुसार गतिविधि/प्रयोग आदि कार्य स्वयं करता है तथा शिक्षक सुविधादाता के रूप में होता है। ALM सक्रिय भागीदारी के साथ सीखने की प्रविधि है। इसमें सबसे अधिक महत्व इस बात को दिया जाता है कि विद्यार्थी किस तरह से अधिक से अधिक सीख सकता है।

3. सक्रिय अधिगम प्रविधि पर आधारित पाठयोजना के प्रमुख आयाम

सक्रिय भागीदारी के साथ सीखने की विधि अर्थात ए.एल.एम. में सबसे अधिक महत्व इस बात को दिया जाता है कि बच्चा किस प्रकार से अधिक से अधिक सीख

सकता है। इसीलिये इस विधि के अन्तर्गत कक्षा शिक्षण के निम्नांकित प्रमुख आयाम निर्धारित किये गए है –

1. पाठ्यवस्तु का परिचय/प्रस्तावना/आरंभिक गतिविधियॉ
2. पढ़ना/मौनवाचन
3. मानस चित्रांकन
4. सारांशीकरण
5. समूह चर्चा एवं प्रस्तुतीकरण
6. सुदढ़ीकरण एवं पुनर्बलन
7. आकलन
8. विशेष शिक्षण
9. लेखन/गृहकार्य।

1. पाठ्यवस्तु का परिचय/प्रस्तावना/आरंभिक गतिविधियाँ (Introduction)

इस आयाम का उद्देश्य बच्चों को सीखने के लिये रोचक तरीके से तत्पर करना है। अत: शिक्षण के प्रारंभ में शिक्षक द्वारा विषयवस्तु से संबंधित रोचक गतिविधि कराई जाती है जैसे कहानी कथन, रोल प्ले, प्रयोग, प्रदर्शन, नाटक, कविता व गीत आदि। आवश्यकतानुसार विषयवस्तु से संबंधित घटनाक्रम को समाचार पत्र की कटिंग, संदर्भित चित्रों, चार्ट इत्यादि व विषयवस्तु पर बच्चों से प्रश्न पूछकर भी उन्हें विषयवस्तु से जोड़ा जा सकता है।

2. पढ़ना/मौन वाचन (Reading)

इसके अर्न्तगत शिक्षक पाठ से संबंधित विषयवस्तु अर्थात् निर्धारित इकाई के दो या तीन पृष्ठ की सामग्री बच्चों को स्वयं समझ कर पढ़ने के लिए कहता है। पढ़ने के साथ-साथ नवीन शब्दों को चिन्हांकित करने एवं अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखने के लिए निर्देशित करेंगे। उक्त शब्दों का अर्थ बच्चे आपस में पूछकर, शब्दकोश में खोजते हैं। शब्द का अर्थ न मिलने पर शिक्षक से पूछकर ज्ञात करते हैं तथा अभ्यास पुस्तिका में उसे लिखते हैं। आवश्यकतानुसार बच्चे सरसरी तौर पर पाठ्यवस्तु को पढ़ते हुए पढ़ी गई विषयवस्तु पर अपनी समझ अनुसार प्रश्न बनाने का कार्य भी करते हैं।

3. मानस चित्रांकन (Mind Map)

जब हम किसी विषय के बारे में पढ़ते/सुनते/देखते हैं तो मस्तिष्क में एक परिदृश्य

उभरता है। इसे चित्र/रेखाचित्र के माध्यम से प्रस्तुत करना ही माइंड मैप बनाना कहा जाता है। सक्रिय अधिगम प्रविधि में विद्यार्थी निर्धारित विषयवस्तु पर स्वयं का माइंड मैप बनाते है। यह माइंड मैप कक्षागत प्रक्रियाओं का एक महत्वपूर्ण आयाम है। मानस चित्रांकन (माइंड मैप) बनाने में इन बातों को ध्यान में रखना चाहिए–

1. विषयवस्तु Main theme मानस चित्रांकन का केन्द्र बिन्दु होना चाहिए।
2. मानस चित्रांकन में Sub-Theme क्रमिक रूप से रखी जानी चाहिए। Mind Map किसी भी पाठ की विषयवस्तु को ग्रहण करने का एक प्रभावी माध्यम है। इसके अवलोकन से हम जान सकते हैं कि बच्चे ने कितना समझा/सीखा है। यह बात ध्यान में रखी जानी चाहिए कि मानस चित्रांकन न तो कभी पूरी तरह सही होता है और ना ही पूरी तरह गलत होता है। इसी प्रकार किन्ही दो विद्यार्थियों के मानस चित्रांकन सामान्यतः एक जैसे नहीं होंगे, यह बच्चे की सृजनात्मकता पर निर्भर करता है। सामान्यतः मानस चित्रांकन तैयार करने के कई तरीके हो सकते है जैसेः– पेड़– पौधे की शाखाएँ, पुष्पों के रूप में, बुलबुलों (बबल्स) के रूप में, श्रृंखला द्वारा, जालनुमा रचना द्वारा, पदानुक्रम द्वारा, संकेतों द्वारा, समय रेखा द्वारा इनके अतिरिक्त अन्य तरीके भी प्रयोग किए जा सकते है।
3. प्रत्येक Sub-Theme शिक्षण बिन्दुओं से जुड़ी होनी चाहिए।
4. प्रत्येक Sub-Theme के लिए गतिविधियाँ सुनिश्चित की जानी चाहिए।
4. सारांशीकरण (Summarization)

किसी पढ़ी गई या समझी गई विषयवस्तु को संक्षेप में क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करना सारांशीकरण कहलाता है।

इसके दो मुख्य सिद्धांत हैं–

1. संक्षिप्त रूप में व्यक्त करना
2. सुव्यवस्थित रूप देना

सारांशीकरण के तरीके

कुछ तकनीक या विधियाँ जो जानकारियों को सुव्यवस्थित करने व संक्षिप्त में लिखने अथवा प्रस्तुत करने में सहायक होती हैं जैसे – अनुच्छेद, तालिका, आरेख, समय–रेखा, पदानुक्रम, अवधारणाओं तथा तथ्यों को सूचीबद्ध करना, आदि। इनमें से किसी भी तकनीक को विषयवस्तु की आवश्यकता व स्वरूप के आधार पर अपनाया जा सकता है। (व्यक्तिगत मानस चित्रांकन एवं सारांशीकरण के बाद छोटे समूहों द्वारा चर्चा कर मानस चित्राकंन एवं सारांशीकरण किया जाता है।)

5. समूह चर्चा व प्रस्तुतीकरण (Group Discussion and Presentation)

समूह चर्चा एवं प्रस्तुतीकरण से बच्चों में विषयवस्तु को सीखने व जानने की जिज्ञासा व उत्साहवर्धन परिलक्षित होता है। अतः प्रत्येक बच्चे की सहभागिता हेतु समूह चर्चा अत्यन्त महत्वपूर्ण गतिविधि है। यह आपस में छोटे समूह व बड़े समूह में की जा सकती है। इससे बच्चों को आपस में समझने, सुनने, स्वीकार करने व दूसरे के विचारों को सराहने के अवसर प्राप्त होते हैं। शिक्षक समूह से दो छात्र प्रतिनिधियों को समूह द्वारा रफ कापी पर बनाए गए मानस चित्रांकन एवं सारांशीकरण को प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित करते हैं। विद्यार्थियों का चयन इस प्रकार करें कि एक विद्यार्थी माइन्डमैप का व दूसरा विद्यार्थी सारांशीकरण का प्रस्तुतीकरण करेगा साथ ही यह देखे की समूह के प्रत्येक विद्यार्थी किसी न किसी दिन प्रस्तुतीकरण का अवसर प्राप्त कर सके। समूह प्रतिनिधि द्वारा प्रस्तुतीकरण किया जाकर सभी समूहों के प्रतिनिधियों को प्रस्तुतीकरण के अवसर दिए जाते हैं। ऐसी व्यवस्था हो कि बारी-बारी से कक्षा के सभी विद्यार्थियों को प्रस्तुतीकरण का अवसर प्राप्त हो सके। कक्षा में छात्र संख्या अधिक होने पर कुछ समूहों द्वारा प्रस्तुतीकरण तथा अन्य समूहों द्वारा समीक्षात्मक सुझाव प्राप्त किए जा सकते हैं। विद्यार्थियों द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण के समय शिक्षक द्वारा सराहना एवं प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। इससे उनके आत्मविश्वास में एवं कार्य करने की क्षमता में वृद्धि होती है।

6. सुदृढ़ीकरण और पुनर्बलन (Consolidation and Reinforcement)

अक्सर विद्यार्थी के प्रस्तुतीकरण में कुछ बिन्दु छूट जाते हैं या जानकारी में क्रमबद्धता नहीं होती है। शिक्षक स्वयं के मानस चित्रांकन व सारांश से इसे स्पष्ट करता है। इसके लिए आवश्यकतानुसार वह चार्ट, मॉडल अथवा प्रयोग-प्रदर्शन का उपयोग भी कर सकता है। सभी विद्यार्थी नवीन जानकारी अभ्यास-पुस्तिका में लिखते हैं। पठित विषयवस्तु के कठिन एवं महत्वपूर्ण अंशों को शिक्षक द्वारा पुनः अन्य सरल गतिविधि, प्रयोग, उदाहरण अथवा चर्चा द्वारा स्पष्ट करता है। इस प्रक्रिया में शिक्षक बच्चों को विषयवस्तु से संबंधित प्रश्न करने हेतु प्रेरित करता है। बड़े समूह में चर्चा द्वारा इन प्रश्नों व जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए बच्चों के ज्ञान को सुदृढ़ और पुष्ट किया जाता है।

7. आकलन (Assessment)

इस प्रविधि में विद्यार्थी के सतत् एवं सक्रिय सीखने के साधन को ही 'आकलन'

माना गया है। शिक्षक द्वारा किए गए शिक्षण कार्य की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि विद्यार्थी कितना सीख पाये हैं। आकलन इस प्रकार किया जाना चाहिए कि जो विद्यार्थी सीख नही पाए उनकी पहचान हो सके। सक्रिय अधिगम प्रविधि में आकलन करने के महत्वपूर्ण बिन्दु निम्नानुसार है :-

- बच्चों को सीखने में क्या कठिनाई हो रही है?
- पाठ के हर चरण में बच्चों ने क्या और कितना सीखा है?
- बच्चों की गतिविधियों में सहभागिता कैसी है?
- बच्चों को कहाँ और कितनी मदद की आवश्यकता है?
- कक्षा शिक्षण उपरांत बच्चों के ज्ञान का, समझ व सहभागिता का स्तर कितना है?
- सीखने में मदद के लिए क्या क्या साधन एवं गतिविधियाँ हो सकती है।

आकलन के कुछ सुझावात्मक तरीके :-

- मौखिक प्रश्नों के द्वारा
- चित्रों द्वारा
- वर्कशीट द्वारा
- पुस्तक के बीच एवं अंत में दिए गए प्रश्नों के द्वारा
- प्रायोजना, क्विज एवं अन्य गतिविधियों द्वारा

8. विशेष शिक्षण (Special Teaching)

प्रत्येक कक्षा में कई स्तर के विद्यार्थी होते हैं जिनके सीखने की गति अलग-अलग होती है। शिक्षक आकलन के समय ऐसे विद्यार्थियों जो निर्धारित दक्षता प्राप्त नही कर सके हैं एवं कठिन बिदुंओं को चिन्हित कर लेता है। साथ ही वह यह भी नोट करता है किन बिन्दुओं पर इन्हें कठिनाई है। इसके बाद आवश्यकतानुसार व्यक्तिगत अथवा छोटे समूह में विशेष शिक्षण किया जाता है। आवश्यकता होने पर विशेष शिक्षण हेतु अतिरिक्त समय भी दिया जाना चाहिए।

विशेष शिक्षण के तरीके :-

- विषयवस्तु या गतिविधि को दोहराना
- टी.एल.एम का प्रयोग
- अतिरिक्त अभ्यास कार्य

- पुस्तकालय एवं अतिरिक्त पठन सामग्री का उपयोग
- गतिविधि में बदलाव
- साथी समर्थित शिक्षण विधि का प्रयोग

9. लेखन एवं गृहकार्य–

सक्रिय अधिगम प्रविधि में विद्यार्थियों को लेखन के पर्याप्त अवसर प्राप्त होते हैं। इनमें कठिन एवं नवीन शब्द तथा उनके अर्थ लिखना, सारांशीकरण, प्रश्नोत्तर तथा गृहकार्य प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षक आवश्यकतानुसार श्रुत–लेखन (डिक्टेशन), प्रतिलेख (Copying) एवं स्वतंत्र लेखन के माध्यम से लेखन कौशल विकसित करने के अवसर दिए जाते हैं।

सामान्यतः अभ्यास कार्य 90 मिनिट के कालखण्ड में किया जाता है किन्तु अभ्यास अधिक होने या समयाभाव के कारण पाठ के अंत में दिए गए अभ्यास कार्यों को गृहकार्य के रूप में दिया जा सकता है। गृहकार्य हेतु प्रोजेक्ट कार्य संकलन, खोज आदि कार्य आवश्यकतानुसार दिए जाने चाहिए। प्रत्येक पाठयोजना के बाद पठित विषयवस्तु से संबंधित अभ्यास, गृहकार्य हेतु दिए जाने चाहिए। शिक्षक द्वारा शैक्षणिक समय के अतिरिक्त उपलब्ध समय में गृह कार्य की जाँच नियमित रूप से की जाना चाहिए।

4. ALM पाठयोजना

ALM विधि से कक्षा शिक्षण कराये जाने से बच्चों में पढ़ने, समझने, विचार करने, विचारों को प्रस्तुत करने, जानकारी का वर्गीकरण करने, समूह में कार्य करने, सारांशीकरण करने, प्रश्न करने व लेखन कौशल के विकास के अवसर प्राप्त हो सके, इन बातों को ध्यान में रखकर पाठयोजना को विकसित किया गया है। सक्रिय अधिगम प्रविधि में एक कालखण्ड सत्र हेतु 90 मिनिट का समय आवंटित किया जाता है। पाठयोजना के विभिन्न आयाम के लिए सुझावात्मक समय आंवटित किया गया है। किसी भी विषय के लिए विषयवस्तु की पाठयोजना को समय की उपलब्धता या कालखण्ड के आधार पर कई भागों में बाँटा जा सकता है। जबकि कुछ पाठ ऐसे भी हो सकते हैं जिनके लिए एक पाठयोजना ही पर्याप्त होगी।

पाठ्योजना

आयाम	स्वरूप	कैसे/ गतिविधि	सुझावात्मक समय
1. परिचय/प्रारंभिक गतिविधि	बड़े समूह में	• शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों के पूर्वज्ञान से जोडकर, समाचार पत्र की कटिंग, घटना का वर्णन, चित्र बनाकर, प्रयोग एवं प्रदर्शन कर, प्रश्न पूछकर, श्लोक पूछकर, कविता गाकर, कहानी सुनाकर आदि रोचक तरीकों से प्रस्तावना की जा सकती है।	10 मिनिट संभावित
2. पढ़ना/मौनवाचन समूह	व्यक्तिगत/	मौन वाचन करते समय नए शब्दों को अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखे एवं उनके शब्दार्थ को परस्पर चर्चा, शब्दकोश एवं शिक्षक की सहायता से पता करना एवं लिखना।	15 मिनिट संभावित
3. मानस चित्रांकन	व्यक्तिगत/ समूह	विद्यार्थियों द्वारा स्वयं (व्यक्तिगत) मानस चित्रांकन कर छोटे समूह में परस्पर चर्चा कर अपने समूह का मानस चित्रांकन बनाना	10 मिनिट संभावित
4. सारांशीकरण समूह	व्यक्तिगत/	विद्यार्थियों द्वारा स्वयं (व्यक्तिगत) सारांशीकरण करना एवं अपने समूह का सारांशीकरण तैयार करना	5 मिनिट संभावित
5.समूह चर्चा एवं प्रस्तुतीकरण	बड़े समूह	प्रत्येक समूह से दो विद्यार्थी एक विद्यार्थी मानस चित्राकंन का एवं दूसरा विद्यार्थी सारांशीकरण का प्रस्तुत करेगा इसी प्रकार अन्य समूह के विद्यार्थियों द्वारा भी प्रस्तुतीकरण किया जायेगा।	15 मिनिट संभावित
6. सुदृढ़ीकरण व पुनर्बलन	बड़े समूह में	• शिक्षक, विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मानस चित्रांकन व सरांशीकरण में छूटे हुए बिन्दुओं तथ्यो को जोड़ते हुए आवश्यकतानुसार स्वयं द्वारा तैयार मानस चित्रांकन और सारांशीकरण प्रस्तुत करेगे।	20 मिनिट संभावित

आयाम	स्वरूप	कैसे/ गतिविधि	सुझावात्मक समय
		• शिक्षक कठिन एवं महत्वपूर्ण अंशों को पुन: उदाहरण, चार्ट, मॉडल, प्रयोग- प्रदर्शन, गतिविधि एवं चर्चा द्वारा स्पष्ट करते हुए विषयवस्तु की पुष्टि करेगा • यहाँ शिक्षक आवश्यक रूप से TLM का शिक्षण मे उपयोग तथा ICT का आवश्यकतानुसार उपयोग करेगें।	
7. आकलन	व्यक्तिगत/ छोटा समूह/ बडा समूह	पूरी कक्षागत प्रक्रिया के अवलोकन को ध्यान में रखते हुए शिक्षक द्वारा, छोटे प्रश्नों, वर्कशीट, मौखिक प्रश्नों, क्विज आदि के द्वारा विद्यार्थियों के ज्ञान, समझ का आकलन करना।	5 मिनिट संभावित
8. विशेष शिक्षण	व्यक्तिगत/ छोटा समूह/ बड़ा समूह	विषयवस्तु में निहित दक्षता कौशल को प्राप्त नही कर पाए विद्यार्थियों एवं संबंधित कठिन बिदुओं की पहचान कर व्यक्तिगत अथवा छोटे समूह में शिक्षक द्वारा कठिनाई निवारण करना।	5 मिनिट संभावित
9. अभ्यास कार्य	व्यक्तिगत	• प्रत्येक पाठयोजना में विभिन्न आयामों में यथा स्थान लेखन कार्य करवाना। • कक्षा उपरान्त सम्बन्धित विषय अभ्यास कार्य गृहकार्य के रूप में देना • आवश्कतानुसार श्रुतलेख, प्रतिलेख, स्वतंत्र लेखन करवाना। • प्रोजेक्ट कार्य संकलन कार्य, खोज कार्य, आदि गृहकार्य हेतु देना।	5 मिनिट संभावित

(5)

कक्षा – 6 के लिए

(अ) सक्रिय अधिगम प्रविधि पाठ योजना

संदर्भित पाठ :	सौरमंडल में हमारी पृथ्वी
विषयांश :	सौरमंडल
समयावधि :	90 मिनट
शिक्षण विधि :	स्व–अध्ययन
सहायक स्त्रोत सामग्री :	सौरमंडल का चार्ट, शब्दकोश।

प्रारंभिक गतिविधि (Introduction) -

शिक्षक छात्रों से कुछ प्रश्न पूछें–

1. दिन में आपको आकाश कैसा दिखता है
2. दिन में आपको आकाश में क्या–क्या दिखाई देता हैं
3. रात को स्वच्छ आकाश में आपको क्या–क्या दिखाई देता है
4. कुछ तारे आपको चमकीले तथा कुछ कम चमकीले, कुछ छोटे तथा कुछ बड़े क्यों दिखाई देते हैं।

मौनवाचन (Reading)

छात्रों के उत्तर न देने पर शिक्षक छात्रों को सौरमंडल का चार्ट दिखायेंगे तथा बतायेंगे कि इसमें दर्शाये गये सभी आकाशीय पिंडों के समूह को सौरमंडल

कहते हैं आज हम इस विषय में और अधिक जानेंगे –

- शिक्षक छात्रों को पाठ का मौनवाचन ध्यानपूर्वक करने को कहेगें।
- मौनवाचन करते समय पाठ में आये कठिन शब्दों को रेखांकित करेंगे। जैसे – सौरमंडल, ग्रह, उपग्रह, क्षुद्रग्रह, धूमकेतु, उल्काएं, कृत्रिम ग्रह आदि।
- छात्र आपस में चर्चा करके कठिन शब्दों का अर्थ पता करेंगे।
- आवश्यकतानुसार शिक्षक छात्रों को कठिन शब्दों का अर्थ बड़े समूह में बतायेंगे।

कठिन शब्द		अर्थ
सौरमंडल	–	सूर्य सहित सभी आकाशीय पिंडों का समूह।
ग्रह	–	निश्चित कक्षा में सूर्य की परिक्रमा करने वाले आकाशीय पिंड।
उपग्रह	–	ग्रहों की परिक्रमा करने वाले आकाशीय पिंड।
क्षुद्रग्रह	–	मंगल व बृहस्पति के मध्य असंख्य पिंडों की पट्टी।
धूमकेतु	–	प्रकाशमान सिर व लंबी पूंछ वाला पिंड।
उल्काएं	–	रात में अचानक तेज चमकदार लकीर से दिखने वाले पिंड।
कृत्रिम ग्रह	–	मानव निर्मित।

- पाठ को पढ़कर छात्र उसे समझेंगे तथा मुख्य बातों को नोट कर अपनी कापी में मानस चित्रांकन करेंगे।
- शिक्षक देखें कि सभी छात्र इस गतिविधि में संलग्न रहे।

मानस चित्रांकन (Mind Map)

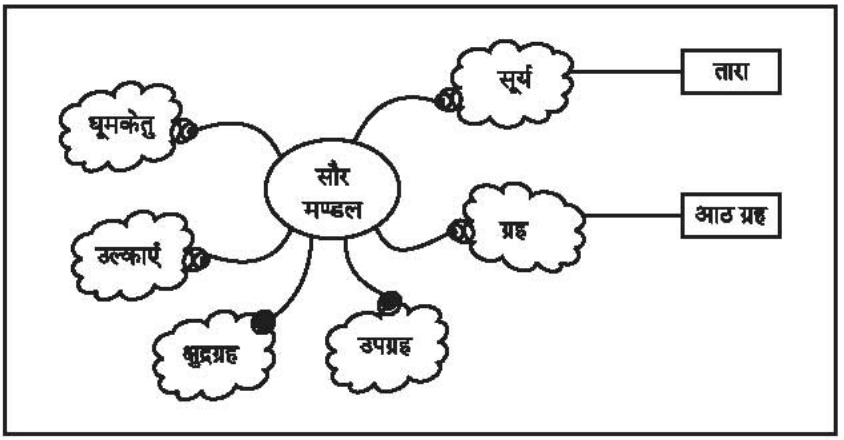

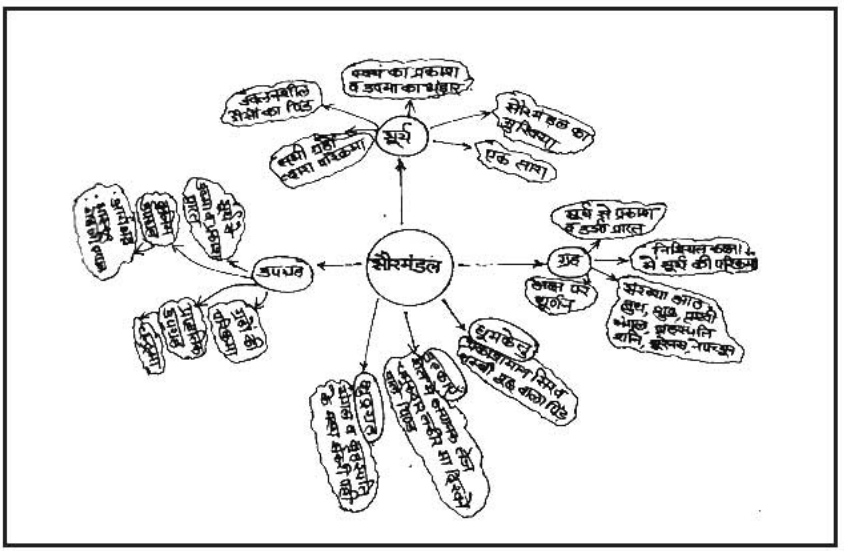

सारांशीकरण (Summarization)

मानस चित्रांकन का छोटे समूह में सारांशीकरण व चर्चा –

- **शिक्षक कक्षा को छोटे समूहों में विभाजित करेंगे व निर्देश देंगे कि वे अपने**

मानस चित्रण को समूह में दर्शाएं, समझाएं व उस पर चर्चा करें व मानस चित्रांकन का सारांशीकरण करें।

समूह चर्चा व प्रस्तुतिकरण (Group Discussion and Presentation)

- चर्चा व सारांशीकरण के पश्चात प्रस्तुतिकरण छात्रों व शिक्षक द्वारा।
- प्रत्येक छोटे समूह से एक छात्र प्रतिनिधि शिक्षक द्वारा निर्देशित बिंदु पर मानस चित्रांकन बड़े समूह के समक्ष प्रस्तुत करेगा। (सभी समूह)
- मानस चित्रांकन के प्रस्तुतिकरण में छूट गये बिंदु शिक्षक तथा छात्र नोट करेंगे अन्य समूह प्रस्तुति में उन बिंदुओं को शामिल करेंगे।
- अंत में शिक्षक संपूर्ण विषय वस्तु पर आधारित मानस चित्रांकन प्रस्तुत कर उसका सारांशीकरण करेंगे।

सुदृढ़ीकरण व पुनर्बलन (Consolidation and Reinforcement)

- शिक्षक सुदृढ़ीकरण हेतु विषयवस्तु को चार्ट, तालिका, गतिविधि चित्र आदि के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं।
- शिक्षक मानस चित्राकंन के द्वारा भी विषयवस्तु का सुदृढ़ीकरण का कार्य करवा सकते हैं।
- सुदृढ़ीकरण के समय शिक्षक संपूर्ण विषयवस्तु को बताएं।

सुदृढ़ीकरण हेतु मुख्य विषय वस्तु

- सूर्य सहित उसके समस्त आकाशीय पिंडों के समूह को सौरमंडल कहते हैं।
- सूर्य सौरमंडल का मुखिया है। समस्त आकाशीय पिंड सदस्य उसकी परिक्रमा करते हैं, प्रकाश से प्रकाशित होते हैं, उर्जा प्राप्त करते हैं। सूर्य एक तारा है, सूर्य कई ज्वलनशील गैसों का जलता हुआ पिंड है।
- ग्रह वे आकाशीय पिंड हैं जो अपनी – अपनी कक्षाओं में सूर्य की परिक्रमा करते हैं। अपने अक्ष पर भी घूमते हैं। सभी ग्रह सूर्य से उर्जा एवं प्रकाश प्राप्त करते हैं। सौरमंडल में ग्रहों की संख्या आठ हैं। क्रमशः बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, अरुण व वरुण हैं।
- ऐसे आकाशीय पिंड जो ग्रहों की परिक्रमा करते हैं, उपग्रह कहलाते हैं। उपग्रह भी सूर्य से उष्मा व प्रकाश प्राप्त करते हैं। चंद्रमा हमारी पृथ्वी का एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह है। मानव द्वारा बनाये गये उपग्रह कृत्रिम उपग्रह है। जो आर्यभट्ट, भास्कर, रोहणी, एप्पल आदि है। कृत्रिम उपग्रह का उपयोग मौसम की भविष्यवाणी, दूरदर्शन प्रसारण, रेडियो प्रसारण, संचार व्यवस्था आदि हेतु किया जाता है।
- क्षुद्रग्रह– मंगल तथा बृहस्पति के बीच छोटे–छोटे असंख्य पिंडों को क्षुद्रग्रह कहते हैं।
- उल्काएं व उल्का पिंड, कभी–कभी रात में तारों के बीच अचानक तेज चमकदार लकीर–सी दिखाई देती हैं, ये उल्का पिंड हैं, जो पृथ्वी के गुरूत्वाकर्षण में आकर वायुमंडल के घर्षण से जल उठते हैं।
- ऐसे आकाशीय पिंड जिनके सिर पर लंबी पूंछ होती है, सूर्य की परिक्रमा करते हैं। इनके दिखने का समय व दिशा अनिश्चित होती है, इन्हें पुच्छल तारा कहते हैं।

आकलन (Assessment)

शिक्षक निम्न प्रकार से पूछ सकते हैं–

1. सौरमंडल किसे कहते हैं?
2. सौरमंडल का मुखिया कौन है?
3. सौरमंडल के ग्रहों के नाम क्रमानुसार बताइये?
4. पृथ्वी के प्राकृतिक उपग्रह का नाम बताइये?
5. क्षुद्रग्रह किसे कहते हैं?
6. कृत्रिम उपग्रह का उपयोग किन–किन क्षेत्रों में किया जा रहा है?
7. धूमकेतु से क्या तात्पर्य है?

विशेष शिक्षण (Special Teaching)

- शिक्षक छात्रों को व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से आवश्यकतानुसार विशेष शिक्षण प्रदान करें।
- सही उत्तर देने वाले छात्रों का सहयोग भी विशेष शिक्षण के दौरान व्यक्तिगत रूप से कर सकते हैं।

लेखन/गृहकार्य (Writing Work)

1. सौरमंडल से क्या तात्पर्य है? सौरमंडल का नामांकित चित्र बनाइए।
2. उपग्रह से क्या तात्पर्य है? प्राकृतिक तथा कृत्रिम उपग्रह को समझाएं।

सीखने का मेट्रिक्स
कक्षा- छठवीं
(सामाजिक विज्ञान)

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• इतिहास क्या है? •प्राचीनकालीन भारत के इतिहास जानने के स्त्रोत। •ऐतिहासिक धरोहरों की सुरक्षा में हमारा दायित्व।	पाठ – 1 इतिहास जानने के स्रोत	•प्रस्तावना – भूतकाल में घटित घटनाओं या उससे संबंधित व्यक्तियों का विवरण इतिहास है। बच्चों आप अपने निवास स्थल के समीप निर्मित भवनों, दुर्गों, मंदिरो, तालाबों एवं बावड़ियों आदि के अवशेषों से अपनी प्राचीनता का अनुमान लगाते है। इतिहास के अध्ययन से हमें प्राचीनकाल की स्थिति की जानकारी मिलती है। •हमारे गाँव अथवा शहर के किसी स्थल का भ्रमण कराएँ व अवलोकन उपरान्त जानकारी एकत्रित कर उस पर प्रस्तुतिकरण करवाएँ। • अपने परिवार का वंश वृक्ष तैयार करवाना। • इतिहास जानने के विभिन्न स्त्रोतों से सम्बन्धित चित्र, सिक्के, मोहरें आदि कक्षा में दिखाकर उनकी पहचान कराना। • आस – पास की खोज नाम से विद्यार्थियों को गांव के प्राचीन स्थलों का भ्रमण करायें। • ऐतिहासिक चित्रों का संकलन कराकर एलबम तैयार करवाए व कक्षा में प्रस्तुतीकरण करवाए। • अपने जिले व ब्लाक के ऐतिहासिक स्थलों के चित्र एस.डी. कार्ड में संधारित कर विद्यार्थियों को दिखाएँ। • पुरातत्व संग्रहालय की सैर करवाना।	•प्राचीनकाल के औजारों के चित्र (पाठ्यपुस्तक क्र. 2 पर अंकित चित्रों को बड़ी सीट पर बनाकर कक्षा शिक्षण में उपयोग करें।) •उपलब्ध प्राचीनकाल के सिक्के। •परिवार का वंश वृक्ष।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	•अवलोकन के आधार पर जानकारी एकत्रित कर प्रस्तुत करना। •आसपास के ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण की समझ विकसित करना। •विभिन्न चित्रकलाओं के प्रति समझ विकसित करना। •ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति रूचि उत्पन्न करना।	• इतिहास का अध्ययन क्यों आवश्यक है? • आपके ग्राम व शहर के इतिहास जानने के स्त्रोत कौन - कौन से हो सकते है। • ऐतिहासिक धरोहर की सुरक्षा हमें क्यों करनी चाहिए? • ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण में आप क्या भूमिका निभा सकते है।	• अपने परिवार के बुजुर्गों से चर्चा कर अपने गांव के इतिहास की जानकारी एकत्र करें। • अपने परिवार का वंश वृक्ष तैयार करें। • निवास क्षेत्र के धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों की निर्माण की अवधि तथा निर्माता के बारे में जानकारी प्राप्त करें।	• प्राचीन भारतीय इतिहास के विविध स्त्रोतों (पाण्डुलिपि, शिलालेख, धार्मिक ग्रंथ पुरातात्विक सामग्री आदि) को वर्णित करते हुए समसामयिक इतिहास की रचना में उसका उपयोग बताते है। • विभिन्न ऐतिहासिक विकास के बारे में सूचनाओं को तैयार करते है।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• प्राचीनकाल से लेकर वर्तमान समय तक मानव का विकास क्रम। • पाषाणकाल में मानव के निवास, रहन – सहन, वस्त्र, औज़ार, भोजन, नवीन खोजों	पाठ – 2 आदिमानव	प्रस्तावना – बच्चों, आधुनिक खोजों से ज्ञात हुआ है कि लाखों वर्ष पूर्व मनुष्य हाथ व पैरों पर चलता था, जंगलों में रहता था, पेड़ों की जड़ें, पत्तियों, फल, फूल कच्चा मांस इत्यादि खाता था। धीरे – धीरे मनुष्य में शारीरिक परिवर्तन हुए और वह अपनी मूलभूत आवश्यकताओं भोजन, आवास व सुरक्षा के बारे में सोचने लगा। • आदि मानव एवं आधुनिक मानव पर बच्चों को समूह चर्चा करवाएँ एवं अन्तर स्पष्ट करने को कहें। • पशुपालन व कृषि से मानव जीवन में आए परिवर्तन पर समूह में परिचर्चा कराना। • आग व पहिए की खोज से प्राचीनकाल में मानव जीवन में आए परिवर्तन पर रोल प्ले कराना। • मध्यप्रदेश के मानचित्र में भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, होशंगाबाद, जबलपुर, मंदसौर, कटनी, सागर, गुना की स्थिति को दर्शाने की गतिविधि करावें।	• मानव के क्रमिक विकास का चित्र। •पहिये के उपयोग संबंधी चित्र। •पत्थर के औजार के चित्र। •मध्यप्रदेश का रेखा मानचित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• मानव के विकास की क्रमिक प्रक्रिया से परिचित कराना और उसकी सराहना कर पाना। •पहिए व आग के आविष्कार के बारे में जानना। •पहिए व आग से मानव के जीवन में आए बदलाव को समझना। • आदि मानव के जीवन कौशल (ज्ञान व कौशल) की सराहना कर पाना।	• आदिमानव अपने औजार किससे बनाता था? • आदिमानव जानवरों से अपनी रक्षा किस तरह करता था? • आग की खोज कैसे हुई? इससे मानव को क्या लाभ हुये? • पहिए के आविष्कार से मानव जीवन में क्या परिवर्तन हुए।	• मिट्टी से पहिए बनाना। • कृषि के आधुनिक औजारों के चित्र संकलित कर एलबम बनाना व उनके उपयोग पर चर्चा करना।	• प्राचीन काल के विकास व विस्तार का वर्णन कर सकता है। जैसे- शिकार करना एवं संग्रह करना, कृषि का आरंभ आदि और एक स्थान के विकास का दूसरे स्थानों के साथ जोड़ते है । • आदि मानव सभ्यता/संस्कृति के विशिष्ट लक्षणों को पहचान सकता है और उनके विकास का वर्णन करते है।

<table>
<tr><th>अवधारणा क्षेत्र</th><th>पाठ का नाम और क्रमांक</th><th>पेडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना</th><th>सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)</th></tr>
<tr>
<td>• प्राचीन सभ्यताएं नदियों के किनारे विकसित होने के कारण।
• सिन्धु घाटी सभ्यता की खोज, नगरीय जीवन, कृषि व पशुपालन।
• हड़प्पा संस्कृति के जनजीवन से परिचित होना।
• हड़प्पा सभ्यता के पतन के कारण।</td>
<td>पाठ – 9
हड़प्पा सभ्यता</td>
<td>• प्रस्तावना – मनुष्य हमेशा से वही निवास करता था, जहां उसे पीने का पानी, खाने के लिये भोजन एवं रहने के लिये सुरक्षित स्थान मिल जाते थे। चूंकि नदी किनारे ये तीनों आवश्यकताओं की पूर्ति आसानी से हो जाती है अतः विश्व की सभी प्राचीन सभ्यताएं नदियों के किनारे ही विकसित हुई है।
• प्राचीन सभ्यताओं के नदियों के किनारे विकसित होने के कारणों पर समूह चर्चा उपरान्त विद्यार्थियों से व्यक्तिगत चार्ट बनवाए –
<table>
<tr><th>सभ्यता का नाम</th><th>नदी का नाम</th></tr>
<tr><td></td><td></td></tr>
</table>
• सिन्धु सभ्यता के समाज, रीति–रिवाज, पशु, सिक्के, धार्मिक व आर्थिक स्थिति पर तालिका बनाकर चर्चा करना।
• सिन्धु सभ्यता की नगरीय व्यवस्था के प्रमुख बिन्दुओं को तालिका के माध्यम से दर्शाना।
• हडप्पा सभ्यता के पतन के कारणों का चार्ट बनाना।
• हडप्पा जीवन पर आधारित रोल प्ले करवाना।
• हडप्पा सभ्यता से जुडे वीडियों/ फिल्म दिखाना।</td>
<td>• प्रारंभिक सभ्यताओं का मानचित्र।
• खुदाई में प्राप्त हड़प्पा सभ्यता से संबंधित चित्र।
• हड़प्पा सभ्यता के पतन के कारणों का चार्ट।</td>
</tr>
</table>

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• अपने गांव व आस-पास के गांवों के बसने के लिए अनुकूल स्थिति के बारे में जानना। • हड़प्पा संस्कृति व वर्तमान में अपने गांव की संस्कृति से तुलना करना। • प्राचीन सभ्यता एवं वर्तमान के जनजीवन में आए परिवर्तनों को जानना। • गांव में स्थित नदी कुआं तालाब आदि की उपयोगिता को समझना।	• नदी घाटी सभ्यता नदियों के किनारे ही क्यों विकसित हुई? •सिंधु घाटी सभ्यता की प्रमुख विशेषताएं क्या है। • हड़प्पा सभ्यता के पतन के कारणों को बताईये? • हड़प्पा सभ्यता को नगरीय सभ्यता भी कहा जाता है क्यों?	• एशिया महाद्वीप के रेखा मानचित्र में हड़प्पा, कालीबंगा, लोथल, मोहनजोदडो, रोपड़ आदि स्थानों को दर्शाने की गतिविधि कराएँ।	• हड़प्पा सभ्यता के विकास की स्थिति व जनजीवन का वर्णन करता है।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
•आर्यो का भारत में आगमन एवं सिन्धु क्षेत्र में इनका बसना। •वैदिक एवं उत्तरवैदिक काल में सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक परिवर्तन।	पाठ – 10 वैदिक संस्कृति	प्रस्तावना – वेद भारत के प्राचीन ग्रंथ है। वेद उपनिषद, ब्राह्मण आरण्यक आदि को वैदिक साहित्य कहते है। वेद का अर्थ है ज्ञान अथवा पवित्र आध्यात्मिक ज्ञान। वैदिक साहित्य से हमें वैदिककाल के लोगों के निवास क्षेत्र, खान–पान, रहन – सहन के विषय में जानकारी मिलती है। इस काल की संस्कृति को वैदिक संस्कृति कहते है। • आर्यों के आगमन के प्रमुख मार्गो व क्षेत्रों को मानचित्र में दर्शाना। • वैदिककाल में कर्म के आधार पर विभाजित वर्ण व्यवस्था तथा वर्तमान जाति व्यवस्था पर समूह चर्चा करना। • वैदिक काल में विकसित ज्ञान यथा – गणित, बीजगणित, खगोल विद्या व ज्योतिष आदि के लेखकों के योगदान पर चार्ट बनाकर चर्चा करना। • वैदिककालीन एवं वर्तमान संस्कृति में रहन–सहन, खान–पान, संस्कार आदि पर तालिका बनाकर समूह में चर्चा करना।	•वैदिककाल की वर्ण व्यवस्था का चार्ट। •वैदिककाल में विकसित ज्ञान यथा – गणित, बीजगणित, खगोल विद्या व ज्योतिष आदि लेखकों के योगदान का चार्ट।
•जनपद एवं महाजनपद से आशय, •मगध साम्राज्य की स्थापना, मगध साम्राज्य	पाठ – 11 जनपदों एवं महाजनपदों का युग	प्रस्तावना – जनपद अर्थात मनुष्य के बसने का एक क्षेत्र। इन जनपदों का नाम उनके स्थापना करने वाले जन या कुल पर आधारित थे। बड़े जनपदों को महाजनपद कहा जाता था।	•प्राचीन भारत का मानचित्र (महाजनपद काल का)। •मगध साम्राज्य की स्थापना व

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	•आर्यो के आगमन के कारणों को जानना। •वैदिक संस्कृति की प्रमुख बातों को जानना। •वैदिककाल में विकसित ज्ञान यथा- गणित, बीजगणित, खगोल विद्या व ज्योतिष आदि के योगदान के बारे में जानना है।	•आर्यो के काल को वैदिककाल क्यों कहा जाता है। •वैदिककाल में समाज कितने वर्णो में बटा था? •वैदिक काल में आर्थिक स्थिति किस प्रकार थी ?	• वैदिककाल की सामाजिक आर्थिक व धार्मिक स्थिति की प्रमुख विशेषताओं का चार्ट बनाइए व परिवार के बडे बुजुर्ग से चर्चा कर भिन्नता के कारण पता कीजिए।	•विज्ञान और संस्कृति के क्षेत्र में भारत द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करते है।
2 कालखण्ड (90 मिनिट प्रति कालखण्ड)	•जनपद व महाजनपद का आशय जानना और दोनों में भेद बता पाना।	•जनपद, महाजनपद व गणसंघ का आशय बताइए। •मगध साम्राज्य की स्थापना व विस्तार के कारणों को बताइए।	•भारत के रेखा मानचित्र में जनपदों व महाजनपदों को दर्शाना।	•किसी अवधि के साहित्य, अभिलेखों में उल्लेखित प्रकरणों, घटनाओं

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
की आर्थिक, राजनैतिक, सामाजिक एवं धार्मिक परिस्थितियाँ। • महावीर स्वामी और गौतम बुद्ध की शिक्षाएं।		• जनपद, महाजनपद व गणसंघ के अर्थ बताना। • प्राचीन भारत के मानचित्र में महाजनपदों को दर्शाना। • मगध साम्राज्य की स्थापना व विस्तार के कारणों की प्रत्येक बच्चे से तालिका बनवाकर समूह में चर्चा करना। • विद्यार्थियों को दो समूहों में बांटकर महावीर स्वामी एवं गौतम बुद्ध की शिक्षाओं का चार्ट बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना। • मगध प्रशासन में आमात्य, पुरोहित, संगहत्री, बलिसाधक, शौल्किक व सेनापति के कार्यो के आधार पर "रोल प्ले" कराना।	विस्तार की तालिका । • महावीर स्वामी एवं गौतम बुद्ध की शिक्षाओं का चार्ट।
• मौर्य साम्राज्य का उदय । • मौर्यकाल के राजनैतिक आर्थिक व सामाजिक जीवन की विशेषताएं।कला संस्कृति साहित्य। • राज्य और	पाठ – 12 मौर्य साम्राज्य	प्रस्तावना – मगध पर नन्द वंश के शासक महापद्म नन्द का शासन था। वह भारत का शक्तिशाली राज्य माना जाता था। नंद राजा क्रूर शासक होने के कारण जनता में लोकप्रिय नहीं था। नन्द राजा से सत्ता छीनने का कार्य चन्द्रगुप्त मौर्य ने चाणक्य के सहयोग से किया एवं 322 ई पू. मौर्य साम्राज्य की स्थापना की। • मौर्य साम्राज्य के उदय के लिए उत्तरदायी परिस्थितियों के बारे में कक्षा में चर्चा करना। • भारत के रेखा मानचित्र में मौर्य	• भारत का रेखा मानचित्र • मौर्यकाल के राजाओं के नाम व कार्यों के चार्ट • म.प्र. में सम्राट अशोक द्वारा निर्मित स्तूपों के चित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	• गणसंघ के आशय को जानना। • मगध साम्राज्य की मुख्य बातों को जानना। • अहिंसा, ब्रम्हचर्य, व्याभिचार के भाव को समझना।	• जैन धर्म एवं बौद्व धर्म की प्रमुख शिक्षाओं को लिखिए। • आज के संदर्भ में जैन धर्म एवं बौद्व धर्म की शिक्षा के महत्व को बताइए।		व्यक्तित्वों का वर्णन करता है। • भारत के रेखा मानचित्र पर महत्वपूर्ण स्थानों ऐतिहासिक स्थलों को पता लगाते है।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• सम्राट अशोक के हृदय परिवर्तन की घटना के बारे में जानना। • स्तूप, शिलालेख व संग्रहालयों के संबंध में जानना।	• मौर्य साम्राज्य के उदय के कारण बताइए। • किस घटना के कारण सम्राट अशोक का हृदय परिवर्तन हुआ? • सम्राट अशोक द्वारा निर्मित प्रमुख स्तूप, शिलालेखों के नाम लिखिए। • आज के संदर्भ में अशोक का धर्म किस	• नोटों एवं सिक्कों पर अशोक चिन्ह को देखिए और लिखिए कि उसमें आपको क्या-क्या दिखाई देता है।	• मौर्य साम्राज्य का उदय किन कारणों से हुआ बताते है। • सम्राट अशोक के हृदय परिवर्तन की घटना को बताते है।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
साम्राज्य में भेद • युद्ध की विभाषिकाओं के प्रति जागरूक करना।		साम्राज्य की सीमाओं को रंग भर कर दर्शाने की गतिविधि बच्चों से छोटे–छोटे समूह बनाकर करवाना। • साम्राज्य विस्तार हेतु किए जाने वाले युद्धों के दुष्परिणामों पर चर्चा करना। •मौर्य काल के राजाओं के नाम व कार्यों के चार्ट बनाना तथा छोटे–छोटे समूह बनाकर कक्षा में प्रस्तुतीकरण कराना। • म.प्र. में सम्राट अशोक द्वारा निर्मित स्तूपों, शिलालेखों, संग्रहालयों आदि की सूची बनवाकर उन पर चर्चा करना। • अशोक का धर्म तात्कालिक समाज में प्रसांगिक है– विषय पर वाद विवाद कराना। • युद्ध विजेता एवं पराजित दोनों व्यक्तियों के लिए विनाशकारी है इस पर परिचर्चा करना।	
• 200 ई. पू. से 300 ई. तक भारत की स्थिति • उत्तर भारत के राजवंश दक्षिण भारत के राजवंश	पाठ – 18 शुंग, सातवाहन एवं कुषाण काल	प्रस्तावना – मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद भारत में कई छोटे–छोटे राज्यों का उदय हुओ जैसे शुंग, सातवाहन, कण्व, नाग, कुषाण, चोल पाण्डय और चेर इत्यादि। • उत्तर भारत में यूनानियों व शकों तथा दक्षिण भारत में सातवाहनों के उदय के कारणों का चार्ट बनाकर उस पर चर्चा करना। • एशिया के रेखा मानचित्र में मध्य	• उत्तर भारत में यूनानियों व शकों तथा दक्षिण भारत में सातवाहनों के उदय के कारणों का चार्ट • एशिया का रेखा मानचित्र • गांधार शैली और

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	• आज के संदर्भ में अशोक के धर्म के महत्व को समझ पाना। • शांति के प्रयासों की सराहना करना।	तरह प्रासंगिक है।		• किसी अवधि के सहित्य, अभिलेखों में उल्लेखित प्रकरणों, घटनाओं, व्यक्तित्वों का वर्णन करते है।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• यूनानियों, शकों तथा सातवाहनों के साँस्कृतिक विकास में योगदान को जानना। • गांधार शैली और मथुरा	• यूनानियों, शकों तथा सातवाहनों के उदय के कारण बताइए। • इन वंशों का भारत की संस्कृति पर क्या प्रभाव पडा। • उत्तर व दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंशों के नाम बताइए। • गांधार शैली व मथुरा	• सांची के स्तूप का चित्र बनाकर उसमें मनपंसद रंग भरे।	• किसी अवधि के साहित्य अभिलेखों में उल्लेखित प्रकरणों, घटनाओं, व्यक्तित्वों का वर्णन करते है।

<table>
<tr><th>अवधारणा क्षेत्र</th><th>पाठ का नाम और क्रमांक</th><th>पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना</th><th>सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td>एशिया, ईरान तथा अफगानिस्तान व भारत को दर्शाना।
• निम्न बिन्दुओं पर विद्यार्थियों से तालिका बनवाए –
<table>
<tr><th>क्र.</th><th>वंश</th><th>संस्थापक</th><th>राज्य क्षेत्र</th><th>विशेष कार्य</th><th>भारत की संस्कृति पर इन वंशों का प्रभाव</th></tr>
<tr><td></td><td>सात वाहन</td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td>कुषाण</td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
</table></td><td>मथुरा शैली की मूर्तियों के चित्र</td></tr>
<tr><td>• गुप्तकाल – प्रमुख राजवंश, सामाजिक, राजनैतिक एवं धार्मिक स्थिति।
• हर्षवर्धन का शासन प्रबंध।</td><td>पाठ – 19
गुप्त काल एवं उत्तर गुप्त काल</td><td>प्रस्तावना– सातवाहन और कुषाण साम्राज्य के पतन के पश्चात् कई राजवंशों का उदय हुआ। इनमें वाकाटक और मौखरी वंश के अतिरिक्त गुप्त वंश महत्वपूर्ण था। गुप्त शासकों ने भारत की राजनैतिक एकता को पुनः अर्जित किया और भारत में आर्थिक, सामाजिक , साहित्यिक एवं कला के क्षेत्र में अपार उन्नति हुई।
• गुप्तकाल को स्वर्ण युग कहा जाता है, इस संबंध में समाज, व्यापार, कला एवं साहित्य के विकास के प्रमुख बिन्दुओं पर तालिका बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना।
• गुप्तकाल के प्रमुख मंदिरों, लौह स्तभ, अंजता की गुफा, मुद्राओं, मूर्तियों आदि के चित्र एकत्रित कर एलबम बनवाना।
• भारत के रेखा मानचित्र में हर्षवर्धन के शासन विस्तार को दर्शाना।</td><td>• समुद्रगुप्त एवं चन्द्रगुप्त द्वितीय के कार्यों की तालिका।
• गुप्तकाल के प्रमुख मंदिरों, लौह स्तभ, अंजता की गुफा, मुद्राओं, मूर्तियों आदि के चित्र।</td></tr>
</table>

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	शैली की मूर्तियों की विशेषता जानना।	शैली की मूर्तियों की विशेषताएँ बतलाएँ। • संगम साहित्य किसे कहा जाता है?		
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• गुप्तकाल को स्वर्ण युग कहा जाता है, इस भाव को जानना। • गुप्तकालीन स्थापत्य कला की विशेषताओं को जानना। • हर्षवर्धन के शासन की प्रमुख विशेषताओं को जानना।	• गुप्तकाल को स्वर्णयुग क्यों कहा जाता है? •समुद्रगुप्त एवं चन्द्रगुप्त द्वितीय के कार्यो को बताइए। • गुप्तकाल के प्रमुख साहित्यकार व उनकी रचनाओं के नाम बताइए। • हर्षवर्धन के शासन प्रबंध की विशेषताओं को बताइए। • भारतीय संस्कृति के विकास में गुप्तकाल का क्या योगदान है।	• गुप्तकाल के विभिन्न राजाओं के साम्राज्य को मानचित्र पर दर्शाना व रंग भरना।	• विभिन्न राज्यों व राजाओं के सकारात्मक योगदान को उदाहरण सहित सूचीबद्ध करते है। जैसे – अशोक काल के शिलालेख, गुप्तकाल के सिक्के, पल्लवों के रथ मंदिर आदि।

<table>
<tr>
<th>अवधारणा क्षेत्र</th>
<th>पाठ का नाम और क्रमांक</th>
<th>पेडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना</th>
<th>सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)</th>
</tr>
<tr>
<td>• भारत का विश्व से संपर्क ।
• भारत से दुनिया ने क्या सीखा।
• भारत का अन्य देशों से संबंध।
• भारतीय संस्कृति का दक्षिण पूर्वी एशिया में विस्तार
• विश्व के प्रमुख धर्मों का भारत से संबंध व प्रभाव।</td>
<td>पाठ – 20
एशियाई देशों के साथ भारत के संबंध</td>
<td>प्रस्तावना– शिक्षक विद्यार्थियों से उनके घर के आस–पास के परिवारों से ली व दी जाने वाली मदद के बारे में चर्चा प्रारंभ करते हुए बताएं कि जिस प्रकार से हमें अपने परिवार को आवश्यकता होने पर अन्य परिवारों की मदद लेनी होती है। हम अपनी सब आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं नहीं कर पाते, उसी प्रकार दूसरे देश भी अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं नहीं कर सकते। इसलिए प्रत्येक देश को अन्य देशों की मदद की आवश्यकता होती है। हम हमारे देश के अन्य देशों से संबंधों को जानेंगें:–
• एशिया के मानचित्र में भारत तथा उसके पडोसी देशों को चिन्हित कर दर्शाना।
• भारत के पड़ोसी देशों के वर्तमान नाम एवं प्राचीन नाम तथा दिशा चार्ट बनाकर चर्चा करना –
<table>
<tr><th>क्र.</th><th>देश का वर्तमान नाम</th><th>देश का प्राचीन नाम</th><th>दिशा</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
</table>
• यहूदी, ईसाई, इस्लाम व पारसी धर्म की विशेषताओं का चार्ट तैयार कर चर्चा करना।</td>
<td>• एशिया का रेखा मानचित्र
• भारत के पड़ोसी देशों के वर्तमान नाम एवं प्राचीन नामों का चार्ट</td>
</tr>
</table>

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• पड़ोसियों से संबंध व उसके महत्व को समझना। • दुनिया ने भारत से क्या सीखा को जानना। • राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर संबंध कैसे बनते है को जानना। • विभिन्न धर्मो व उनके संस्थापकों के नामों को जानना। •देशों के परस्पर संबंधों का	• चीन एवं श्रीलंका से भारत के संबंध को बताइए। • श्रीलंका में बौद्ध धर्म का प्रचार किसने किया? • अरबों ने भारत से क्या-क्या सीखा? • ईसाई धर्म के संस्थापक कौन थे?	• पारसी, यहूदी, ईसाई, इस्लाम धर्म के बारे में समझ विकसित करने हेतु विद्यार्थियों से निम्न बिन्दुओं पर तालिका तैयार कराकर प्रस्तुतिकरण कराना -	• भारत के बाहर के क्षेत्रों के साथ भारतीय धर्म कला एवं स्थापत्य का वर्णन करते है। • प्राचीनकाल के विभिन्न धर्मों और विचार-धाराओं की मुख्य भावनाओं एवं मूल्यों का विश्लेषण करते है।

क्र.	धर्म का नाम	संस्थापक	धार्मिक ग्रंथ	प्रभाव क्षेत्र	पूजा स्थल

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• व्यक्ति •परिवार • समाज • परिवार एवं समाज के आपसी संबंधी	पाठ – 3 परिवार एवं समाज	प्रस्तावना – बच्चों जब आप छोटे थे तब आपकी माता आपकी देखभाल न करती तो क्या होता। माता पिता अपने बच्चों की जिम्मेदारी सहज रूप से स्वीकारती है, यही भावना परिवार व समाज के सदस्यों में होती है। इसी से परिवार व समाज संगठित रहता है। चित्र दिखाकर परिवार के सदस्यों के नाम व उनके बीच आपसी संबंधो पर चर्चा करना। • चार्ट के माध्यम से एकल व संयुक्त परिवार के महत्व पर चर्चा करना। • एक से अधिक परिवारों के बीच आपसी संबंधों व उन पर परस्पर निर्भरता को चित्र कार्ड के माध्यम से/कठपुतली के माध्यम से बताना। • समाज का अर्थ बताते हुए परिवार व समाज के महत्व को बताना। • संयुक्त परिवार से एकल परिवार बेहतर है, पर वाद विवाद कराना। • परिवार के सदस्यों की भूमिका पर रोल प्ले कराना।	• संयुक्त व एकल परिवार के चित्र
•पारस्परिक निर्भरता से आशय। • पारस्परिक निर्भरता की आवश्यकता,	पाठ – 4 पारस्परिक निर्भरता	प्रस्तावना– प्राचीनकाल में व्यक्तियों की आवश्यकताएं सीमित थी, व्यक्ति अपनी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं ही कर लेता था। आज वर्तमान समय में उनकी आवश्यकताएं असीमित होने के	• गाँवों में उत्पादित व शहरों में उत्पादित वस्तुओं की तालिका

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• माता-पिता व परिवार के अन्य सदस्यों के दायित्वों को जानना। • परिवार के भीतर आपसी संबंधों के महत्व को समझना। • समाज के प्रमुख अंगों को जानना।	• एकल परिवार किसे कहते हैं? • संयुक्त परिवार किसे कहते हैं? • आपका परिवार एकल है या संयुक्त? • समाज कैसे बनता है? • समाज में व्यक्ति अपनी पहचान कैसे बनाता है। • छोटे परिवार के गुण व दोष बताइए।	• आपके पड़ोस में रहने वाले पाँच एकल एवं पाँच संयुक्त परिवारों की सूची तैयार करें।	• परिवार की संकल्पना के महत्व को समझते है। • एकल व संयुक्त परिवार की गुण-दोष के आधार पर समीक्षा करते है।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• विविध व्यक्तिगत आवश्यकताओं के आधार पर पारस्परिक	• पारस्परिक निर्भरता से आशय बताइए। इसका क्या महत्व है। •गांव एवं शहर एक दूसरे पर किस प्रकार निर्भर हैं उदाहरण देकर बताइए।	• फेन्सी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित कर हमारी निर्भरता वाले विभिन्न व्यवसायी,	• ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के व्यवसायों की

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
महत्व। • ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों के लोगों की एक – दूसरे पर निर्भरता।		कारण उसे अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है इसे ही पारस्परिक निर्भरता कहते हैं। आप सामान खरीदने के लिए दुकान पर जाते हैं, दुकानदार सामान कंपनी/किसान से खरीदता है। • बीमारी होने पर आप डाक्टर के पास जाते हैं। कपड़े सिलवाने के लिए आप दर्जी के पास जाते हैं। इसी प्रकार विविध आवश्यकताओं के लिए भी हमें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। • शिक्षक व विद्यार्थियों के बीच परस्पर निर्भरता की स्थिति को समझाना। • ग्रामीण क्षेत्रों के कच्चे माल व कारखानों से बनी सामग्री के आधार पर पारस्परिक निर्भरता के महत्व को बताना उदाहरण देकर बताना जैसे – कपास का उत्पादन व कपड़े का निर्माण। • गाँवों में उत्पादित व शहरों में उत्पादित वस्तुओं की तालिका बनाकर चर्चा करना। • नागरिक जीवन का उदाहरण जैसे– परिवार, पड़ोस, विद्यालय व समाज की पारस्परिक निर्भरता बताना।	

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	निर्भरता को जानना। • ग्रामीण क्षेत्र के कच्चे माल व कारखानों में उत्पादित वस्तुओं के आधार पर पारस्परिक निर्भरता को समझना। • ग्रामीण व नगरीय क्षेत्र की पारस्परिक निर्भरता को जानना।	• अगर आप बीमार होते हैं तो आपको किन-किन के सहयोग की आवश्यकता होगी।	सेवक, अधिकारियों की वेशभूषा में विद्यार्थियों को आमंत्रित करें।	उपलब्धता के लिए उत्तरदायी कारकों का वर्णन करते है।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• समुदाय से आशय। • ग्रामीण व नगरीय स्तर की विभिन्न समितियाँ एवं कार्य । • सामाजिक समरसता के विकास में समुदाय का महत्व।	पाठ – 13 समुदाय एवं सामुदायिक विकास।	प्रस्तावना– कोई भी गांव, प्रान्त व देश अपने आप में समुदाय है, इस समुदाय में विभिन्न जाति व धर्म के लोग एक साथ रहते है। ये अपनी–अपनी प्रथाओं, परम्पराओं, रीति–रिवाजों के अनुसार तीज–त्यौहार मनाते है। समुदाय ऐसा सामाजिक समूह है जिसमें हम की भावना पायी जाती है। शिक्षक विद्यार्थियों से उनके समुदाय के त्यौहारों, विवाह के रीति–रिवाजों के बारे में चर्चा भी करें। • समुदाय एवं सामाजिक समरसता की अवधारणा को तालिका के माध्यम से स्पष्ट करना। • सामुदायिक आवश्यकता की पूर्ति को समझने के लिए रोल प्ले कराना। • ग्राम/नगर स्तर पर विभिन्न विकास समिति को बाल समिति के माध्यम से स्पष्ट करना। • अभिनय के माध्यम से सामाजिक समरसता व एकजुटता की भावना को स्पष्ट करना। उदा.– किसान, कारपेंटर, दुकानदार, डॉक्टर, शिक्षक की सेवाएँ।	• समुदाय एवं सामाजिक समरसता की अवधारणा की तालिका • किसान, कारपेंटर दुकानदार, डॉक्टर, शिक्षक के चित्र।
• जनजातियों से क्या आशय है • जनजातीय समाज में संगठन। • जनजातियों	पाठ – 14 जन– जातीय समाज	प्रस्तावना– हमारे देश में विभिन्न जातियों तथा धर्मो को मानने वाले लोग निवास करते है। इनमें से कुछ व्यक्ति गांव, कुछ शहर में तथा कुछ वनांचलों में निवास करते है । इन लोगों की अपनी जीवन शैली, भाषा, संस्कृति तथा	• जनजातियों के वस्त्र, व आभूषणों के चित्र • जनजातियों के त्यौहारों की

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• समुदाय के महत्व को समझना। • हमारी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति में सामाजिक समरसता के महत्व व आवश्यकता को जानना।	• समुदाय से आशय बताइये। •समुदाय के विकास में स्थानीय लोगों की भागीदारी का क्या महत्व है। • सामाजिक समरसता से क्या आशय है? इसका क्या महत्व है। • ग्राम व नगर स्तर पर गठित समितियों के नाम, कार्य व महत्व बताइये।	• आपके मोहल्ले अथवा ग्राम में कि स - कि स समुदाय के लोग निवास करते है उनकी सूची बनाए। वे कौनसे पर्व सामूहिक रूप से मनाते है, उनके कारण भी पता करें।	• अपने आस-पास की मानवीय विविधताओं का वर्णन करते हैं। • अपने आस-पास की विविधताओं के प्रति एक स्वस्थ दृष्टिकोण विकसित करते है।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• जनजातियों के भोजन, गहने, आभूषण व उद्यमों के बारे में	• जनजाति से आशय बताइए। • जनजातियों के प्रमुख उद्यमों को बताइए। • जनजातियों के कल्याण हेतु किए गए	•स्थानीय जनजातीय समुदाय के लोक गीतों व लोक नृत्य तथा बोलियों पर रोल	• अपने आस-पास की मानवीय विविधताओं का वर्णन करते है।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
का आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन। • संविधान में जनजातियों के लिए क्या व्यवस्थाएँ है।		परम्पराएं होती है। सुदूर जंगलों में निवास होने से तथा विशिष्ट जीवन शैली होने के कारण इन्हें आदिवासी, वनवासी , जनजाति आदि नामों से जाना जाता है। इनके बारे में और अधिक जानने के लिए कुछ गतिविधि करते है :- • जनजातियाँ क्या है व उनके सामाजिक संगठन पर चर्चा करना। • जनजातियों के वस्त्र, आभूषणों व उद्यमों के चित्र एकत्रित कराकर बच्चों से प्रस्तुतिकरण कराना। • जनजातियों के त्यौहारों की तालिका बनवाकर उनकी प्रमुख विशेषताओं पर रोल प्ले कराना। • जनजातियों द्वारा संग्रहित की जाने वाली वन उपज की तालिका बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना। • फ्रेन्सी ड्रेस प्रतियोगिता के माध्यम से जनजातियों की वेशभूषा व आभूषण की पहचान कराना। • जनजातियों के कल्याण हेतु संविधान में किए गए प्रावधानों का चार्ट बनवाकर चर्चा करना।	तालिका •जनजातियों द्वारा संग्रहित की जाने वाली वन उपज के चित्र • जनजातियों के कल्याण हेतु संविधान में किए गए प्रावधानों का चार्ट
• राष्ट्रीय मुद्रा, • राष्ट्र ध्वज, राष्ट्र गान, राष्ट्र गीत, • राष्ट्रीय पुष्प, राष्ट्रीय पक्षी	पाठ – 15 हमारे राष्ट्रीय प्रतीक और पहचान	प्रस्तावना– शिक्षक कक्षा में राष्ट्रीय मुद्रा, राष्ट्र ध्वज, राष्ट्रीय पुष्प, पक्षी तथा पशु के चित्रों को दिखाकर छात्रों के उनके संबंध में ज्ञान की जांच करें तथा आवश्यकतानुसार विषयवस्तु की जानकारी का विस्तार कर उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करें। राष्ट्रीय प्रतीकों के	• राष्ट्रीय मुद्रा, राष्ट्र ध्वज, राष्ट्रीय चिन्ह, राष्ट्रीय पुष्प एवं राष्ट्रीय पशु के चित्र। • मध्यप्रदेश के

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	जानना। •जनजातियों के सामाजिक व साँस्कृतिक जीवन को समझना। •जनजातियों के कल्याण हेतु किए गए संवैधानिक प्रावधानों को जानना।	संवैधानिक प्रावधानों को बताइए। • जनजातियों का भारतीय सांस्कृतिक धरोहर में क्या योगदान है।	प्ले करना। • जनजातीय समुदाय द्वारा संकलित की जाने वाली वनोपज के चित्र एकत्रित कर एलबम बनाना।	• जनजातीय संस्कृति कि विशेषताओं की व्याख्या करते है।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• राष्ट्रीय मुद्रा, राष्ट्र ध्वज, राष्ट्र गान, राष्ट्र गीत, राष्ट्रीय पुष्प, पक्षी के बारे में जानना है।	• हमारे राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह कौन कौनसे हैं? • राष्ट्रीय ध्वज फहराने व राष्ट्र गान गायन के नियमों को बताइए। • मध्यप्रदेश के प्रतीक चिन्हों के नाम बताइए।	• राष्ट्रीय मुद्रा, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय पुष्प व पक्षी के चित्र बनवाकर उनमें रंग भरवाना। • हमारे राष्ट्रीय	• राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह के माध्यम से राष्ट्रीय एकता के भाव को समझते है।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		प्रति सम्मान दर्शाकर राष्ट्रीय गौरव व गरिमा को अपनी पहचान बनाकर इसे व्यक्त किया जाता है। राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। इस संबंध में कुछ गतिविधि इस प्रकार की जा सकती है – • राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय चिन्ह, राष्ट्र गान, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रीय पुष्प एवं राष्ट्रीय पशु के चित्र दिखाकर चर्चा करना। • राष्ट्र गान व राष्ट्रीय गीत का सस्वर गायन कराना व राष्ट्र गान के गायन के नियमों पर चर्चा करना। • राष्ट्रध्वज को चार्ट पर बनवाकर उसमें रंग भरवाना। • मध्यप्रदेश के प्रतीक चिन्हों के चित्रों को एकत्रित कर एलबम बनाना।	प्रतीक चिन्हों के चित्र।
• स्थानीय स्वशासन का आशय व महत्व • त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में ग्राम, जनपद व जिला पंचायतें – इनका गठन और कार्य।	पाठ – 21 हमारा स्थानीय स्व–शासन	प्रस्तावना– स्थानीय ग्राम पंचायत/ जनपद पंचायत का भ्रमण करावें तथा छात्रों से भ्रमण के उपरांत उनकी कार्य प्रणाली पर कक्षा में चर्चा करावें। इसके पश्चात शिक्षक बताएं कि सामुदायिक विकास में स्थानीय नागरिकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। यह ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लिये आवश्यक है। जब किसी क्षेत्र के लोग किसी समिति या संस्था के माध्यम से दिन – प्रतिदिन की अपनी समस्यायें सुलझाते हैं, उचित वैधानिक उपाय करते हैं तो उसे स्थानीय	• ग्राम पचायत के कार्यों का चार्ट। • त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का चार्ट।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	• राष्ट्र गान व राष्ट्रीय गीत गायन के नियमों को जानना। • मध्यप्रदेश के प्रतीक चिन्हों को जानना।	• राष्ट्रीय चिन्हों से राष्ट्रीयता की भावना का विकास कैसे होता है।	प्रतीक चिन्हों के चित्र एकत्र कर एलबम बनाना।	
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• स्थानीय स्वशासन के आशय को जानना। • पंचायती राज संस्थाओं के गठन की प्रक्रिया को जानना। • पंचायती राज संस्थाओं के आय के	•स्थानीय स्वशासन का अर्थ बताइए। • ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत व जिला पंचायत के गठन की प्रक्रिया बताइए। • पंचायती राज संस्थाओं के आय के साधनों के बारे में बताइए। • ग्राम पंचायत के कार्यों की सूची बनाइए।	• बाल केबिनेट के माध्यम से तीन समूह बनाकर ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत व जिला पंचायत के गठन की प्रक्रिया व कार्यों पर रोल प्ले कराना।	• सरकार/ प्रशासन की भूमिका का वर्णन विशेष रुप से 'स्थानीय स्तर' करते है। • सरकार/ प्रशासन के विभिन्न स्तरों - स्थानीय,

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		स्वशासन कहते हैं। • स्थानीय स्वशासन से आशय पर चर्चा करना। • त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के संवैधानिक व्यवस्था पर चार्ट तैयार कर चर्चा करना। • ग्राम सभा की बैठक का अवलोकन कराना व अवलोकन के प्रमुख बिन्दुओं पर रिर्पोट तैयार कर प्रस्तुतिकरण कराना।	
• नगरीय संस्थाएँ – नगर पंचायत, नगरपालिका, नगर निगम का गठन व उनके कार्य	पाठ – 22 नगरीय संस्थाएँ	प्रस्तावना– नगरों में निवास करने वाले लोगों की समस्याओं को सुलझाने के लिये नगर पंचायत, नगरपालिका तथा नगर निगम संस्थाएं होती हैं। ये संस्थाएं स्वशासित होती हैं। इन्हें शहरी क्षेत्र की स्थानीय संस्था भी कहते है। इस संबंध में कुछ गतिविधि इस प्रकार है – • नगरीय निकाय के प्रशासन हेतु संवैधानिक व्यवस्था पर चार्ट तैयार कर चर्चा करना। • बाल केबिनेट के माध्यम से तीन समूह बनाकर नगरपालिका, नगर पंचायत व नगर निगम के गठन की प्रक्रिया व कार्यों पर रोल प्ले कराना। •नगर निकाय की बैठक का अवलोकन कराना व अवलोकन के प्रमुख बिन्दुओं पर रिर्पोट तैयार कर प्रस्तुतिकरण कराना। • नगरपालिका, नगर पंचायत, व नगर निगम के कार्यो की तालिका बनवाकर चर्चा करना।	• नगरीय निकाय के प्रशासन हेतु संवैधानिक व्यवस्था पर चार्ट • नगरपालिका, नगर पंचायत व नगर निगम के कार्यो की तालिका

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	साधन व कार्यों को जानना। • पंचायती राज व्यवस्था के महत्व को जानना।			राज्य एवं केन्द्रीय स्तर को पहचानते है।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• नगरीय प्रशासन के आशय को जानना। • नगरीय निकाय के संवैधानिक प्रावधानों को जानना।	•नगरपालिका का गठन कैसे होता है? • नगरीय संस्थाओं के अनिवार्य कार्य एवं आय के साधन बताइए। • जिन नगरों की जनसंख्या 5000 से 20000 तक होती है वहाँ किस पंचायत का गठन होगा। • सीमा ऐसे शहर में रहती है जहाँ कि जनसंख्या 1 लाख से अधिक है। तो वहाँ कौन सी नगरीय स्वशासी संस्था होगी और उसके अध्यक्ष को क्या कहेंगे?	• आपके निवास क्षेत्र में गठित स्थानीय नगरीय संस्था के निर्वाचित सदस्यों की संख्या, उसके अध्यक्ष, प्रशासनिक अधिकारी कौन है की जानकारी संकलित करें।	• स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में ग्रामीण और शहरी स्तर पर स्थानीय प्रशासन की कार्य प्रणाली का वर्णन करते है।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• जिला प्रशासन • जिला प्रशासन का अर्थ •जिला प्रशासन के अन्य विभाग	पाठ – 23 जिला प्रशासन	प्रस्तावना– जिला प्रशासन व्यवस्था की एक अत्यन्त महत्वपूर्ण इकाई है। जिला प्रशासन का मुखिया कलेक्टर या जिलाधीश कहलाता है। वह भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी होता है। जिला प्रशासन को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रभावी रूप से समझा जा सकता है – • जिला प्रशासन क्या है व उसके सहयोगी विभागों की जानकारी पर तालिका बनाकर चर्चा करना। • जिला प्रशासन का चार्ट सभी बच्चों से बनवाकर उस पर प्रस्तुतिकरण कराना • जिले की न्याय व्यवस्था का चार्ट बनवाकर प्रस्तुतिकरण करना। • जले के प्रमुख विभागों को सूचीबद्ध कराकर चर्चा कराना।	• जिला प्रशासन के विभागों की तालिका। • जिले की न्याय व्यवस्था का चार्ट।
• सौरमण्डल से आशय • सौरमण्डल के विभिन्न सदस्य एवं उनकी स्थिति • ग्रहों एवं उपग्रहों में अन्तर • सौरमण्डल में हमारी पृथ्वी	पाठ – 5 सौर मण्डल में हमारी पृथ्वी	प्रस्तावना – सूर्य सहित उसके समस्त आकाशीय पिण्डों के समूह को सौरमण्डल कहते है। इस प्रकार सूर्य का अपना बहुत बड़ा परिवार है। • बच्चों को सौर परिवार के ग्रहों की स्थिति के अनुसार ग्रहों के नाम एवं विशेषताओं की पर्ची के साथ खड़ा करेगें। प्रत्येक बच्चे से उसके क्रम के ग्रह के बारे में बोलने को कहेगें। जिससे बच्चे सूर्य से अन्य ग्रहों की स्थिति को समझेगा।	• ग्रह तथा उपग्रह का चित्र । • ग्रहों की स्थिति के अनुसार ग्रहों के नाम एवं विशेषताओं की पर्ची।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• जिले की प्रशासनिक व्यवस्था को जानना। • जिले के प्रमुख विभागों को जानना। • जिले की न्याय व्यवस्था को जानना।	• जिले का प्रमुख अधिकारी कौन होता है? • जिला प्रशासन के कार्य बताइये। • आपने अपने दूध वाले को 5000 रूपये उधार दिये। वह आपके पैसे नहीं लौटा रहा तो आप किस न्यायालय में मामले के निपटारे हेतु आवेदन करेंगे।	• बाल सभा में न्यायालयीन प्रक्रिया पर रोल प्ले कराना।	• जिला प्रशासन की आवश्यकता व कार्यों की समीक्षा करते है।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• सौरमंडल के बारे में जानना। • सूर्य तथा अन्य ग्रहों की स्थिति व उनकी विशेषताओं को समझना। • प्राकृतिक एवं कृत्रिम	• सौरमंडल के ग्रहों के नाम क्रमानुसार बताइए। • ग्रह तथा उपग्रह में क्या अन्तर है। • प्राकृतिक एवं कृत्रिम ग्रह में अन्तर बताइए। • पृथ्वी पर जीवन होने के कारणों को बताइए।	• रात्रि के समय अपने घर के ऑगन में खडे होकर देखें कि आकाश में उन्हें विभिन्न तारे किस रूप में दिखाई देते है उनके बारे में परिवार के सदस्यों के साथ	• तारे, ग्रह,उपग्रह, जैसे- सूर्य, पृथ्वी, चन्द्रमा के मध्य अंतर करते है। • यह पहचान कर सकता है कि पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व होने

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		• चित्रों के द्वारा ग्रह तथा उपग्रह में अन्तर स्पष्ट करना। • समूह चर्चा द्वारा पृथ्वी पर जीवन क्यों है, अन्य ग्रहों पर नही पर चर्चा करना। • चन्द्रमा के घटने व बढ़ने की स्थिति को चित्र के माध्यम से बताना। • सौर मण्डल का नामांकित चित्र बनाइए।	
• पृथ्वी के प्रतिरूप के रूप में ग्लोब, ग्लोब की उपयोगिता। • मानचित्र एवं संकेत, मानचित्र में मापक को पढ़ना।	पाठ – 6 ग्लोब व मानचित्र	प्रस्तावना – ब्रह्माण्ड में हमारी पृथ्वी ही एक मात्र ऐसा ग्रह है जिस पर जीवन है क्योंकि पृथ्वी पर जल और वायु दोनों विद्यमान है। ग्लोब पृथ्वी का एक नमूना अर्थात पृथ्वी जैसी आकृति का एक मॉडल है जो पृथ्वी की आकृति का प्रतिनिधित्व करता है। • ग्लोब पृथ्वी का प्रतिरूप है इसका मॉडल कक्षा में दिखाकर इसके महत्व पर चर्चा करना। • मानचित्र दिखाते हुए रंगों एवं रूढ़ चिन्हों की सहायता से मानचित्र पठन एवं उसका महत्व बताना। • रूढ चिन्ह एवं संकेतो के माध्यम से अपने विद्यालय के आस-पास का मानचित्र तैयार कराना। • रंगों के आधार पर मानचित्र में महासागर, मैदान, पर्वत, पठार को दर्शाना।	• ग्लोब • भारत का मानचित्र • रंग

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	ग्रह में अन्तर जानना। • चन्द्रमा के घटने व बढ़ने की स्थिति को जानना। • पृथ्वी पर		चर्चा करे। • सप्तऋषि तारों का अवलोकन कर उनका चित्र बनाइए।	के कारण यह एक अद्वितीय (विशिष्ट) आकाशीय पिण्ड है । पृथ्वी के विभिन्न क्षेत्रों को जीव मंडल के विशेष संदर्भ के क्रम में पहचाते है।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• ग्लोब व मानचित्र की आवश्यकता व महत्व को जानना। • रूढ़ चिन्ह एवं संकेतो के प्रयोग से स्थानीय मानचित्र बनाने की प्रक्रिया को जानना।	• ग्लोब क्या है । • मानचित्र बनाते समय किन किन बातों का ध्यान रखा जाता है। • मापक किसे कहते है। •मानचित्रों में महासागर, मैदान, पर्वत, पठार किस रंग से दर्शाए जाते है। • ग्लोब का मॉडल बनाइए।	• अपनी शाला अथवा ग्राम का मानचित्र बनाइए – जिसमें दिशा, मापक, संकेत चिन्ह व रंग का प्रयोग भी करे।	• पैमाने, दिशाओं और मुख्य विशेषता को दर्शाते हुए रुढ़ परम्परागत चिन्हों का प्रयोग करके पड़ोस का मानचित्र बनाते है।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• अक्षांश व देशान्तर रेखाओं की विशेषताएं व उपयोगिता। •अक्षांश व देशान्तर रेखाओं की सहायता से पृथ्वी पर किसी स्थान की स्थिति ज्ञात करना।	पाठ – 7 अक्षांश व देशान्तर रेखाएं	प्रस्तावना– पृथ्वी पर किसी स्थान की सही –सही स्थिति बताने के लिये कुछ आड़ी और खड़ी काल्पनिक रेखाओं की मदद ली गई है इन रेखाओं में खड़ी रेखाएं जो उत्तर से दक्षिण की ओर हैं उन्हें देशान्तर रेखा एवं आड़ी रेखाएं जो पूर्व से पश्चिम की ओर हैं उन्हें अक्षांश रेखा कहा जाता है। • गेंद पर वृत्ताकार एवं अर्द्धवृत्ताकार रेखाएं खींचकर विद्यार्थियों को दिखाते हुए अक्षांश एवं देशान्तर रेखाओं के बारे में बताना। • ग्लोब एवं मानचित्र में अक्षांश व देशान्तर रेखाओं को समझाते हुए उनके महत्व पर चर्चा करना। • ग्लोब/मानचित्र पर एक बिंदु अंकित कर उस स्थान की ग्लोब या मानचित्र पर स्थिति जानना, जिससे बच्चे उत्तरी गोलार्द्ध व दक्षिणी गोलार्द्ध को समझ सकेगें।	• गेंद • ग्लोब
• पृथ्वी के परिमण्डल • परिमण्डल की विशेषताएँ • परिमण्डलों की परस्पर निर्भरता	पाठ – 8 पृथ्वी के परि–मण्डल	•प्रस्तावना – पृथ्वी सौरमण्डल का एकमात्र ग्रह है जहाँ पर स्थल, जल और वायु होने के कारण जीवन संभव है। पृथ्वी के भूमि वाले भाग को स्थलमण्डल, जल वाले भाग को जलमण्डल और वायु के आवरण को वायुमण्डल कहते हैं। जहाँ ये तीनों क्षेत्र मिलते हैं जैवमण्डल कहलाता है। हमारी पृथ्वी के 71 प्रतिशत भाग	• विश्व मानचित्र • जल एवं स्थल के विभिन्न रूपों के चित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	•अक्षांश व देशान्तर रेखाओं की विशेषताएँ जानना। • एक देश से दूसरे देश के समय के अन्तर को जानना। •पृथ्वी पर या ग्लोब पर किसी स्थान की स्थिति ज्ञात करने की प्रक्रिया को समझना।	• अक्षांश एवं देशान्तर रेखाओं की विशेषताएँ बताइए। • विषुवत रेखा व प्रधान मध्यान्ह रेखा किसे कहते हैं? • विषुवत रेखा पृथ्वी को कितने गोलार्द्धों में बांटती है। उनके नाम बताइए।	• काल्पनिक अक्षांश व देशांतर रेखाओं का जाल तैयार कर किसी स्थान की स्थिति पता करें। यथा म.प्र. , भोपाल आदि।	• अक्षांश व देशान्तर को चिन्हित करते है। उदाहरण के लिए ग्लोब एवं विश्व मानचित्र पर ध्रुवों, भूमध्य रेखा, कंटिबंधों, भारत के राज्य केन्द्र शासित प्रदेश और पड़ोसी देशों को पहचान करते है।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• स्थलीय एवं जलीय भागों की स्थिति को समझना। • स्थानीय मानचित्र के निर्माण में सही रंगों का प्रयोग	• पृथ्वी के परिमंडल से क्या आशय है? • स्थलीय व जलीय भागों के रूपों को लिखिए। • मैदान व पठार में अन्तर बताइए। • वायुमण्डल में गैसों का अनुपात बताइए।	• पर्यावरण को बचाने के लिए आप क्या क्या कर सकते उन कार्यो की सूची बनाइए।	• पृथ्वी के विभिन्न परिमंडल को पहचानते है एवं भू-रुपों में अंतर करते है।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		पर जल एवं 29 प्रतिशत भाग पर स्थल है। • एक वृत्त आरेख बनाकर, पृथ्वी पर स्थलीय भाग एवं जलीय भाग का वितरण रंगों द्वारा प्रदर्शित कर समझाना। • विश्व मानचित्र दिखाते हुए स्थल व जलमण्डल की विशेषताएँ व उनकी परस्पर निर्भरता से अवगत कराना। • विश्व मानचित्र में जलीय भागों को नीले रंग से, मैदानी भागों को हरे रंग से, पठारी भागों को पीले एवं पर्वतीय भागों को कत्थई रंग से भरने की गतिविधि कराना।	
• एशिया में भारत की स्थिति • भारत के राज्य तथा केन्द्र शासित प्रदेश व पड़ोसी देश भारत का भौतिक स्वरूप	पाठ – 16 हमारा देश भारत	प्रस्तावना– शिक्षक एशिया महाद्वीप का राजनैतिक मानचित्र कक्षा में प्रदर्शित करें, अलग-अलग विद्यार्थियों से भारत के पड़ोसी देशों के नाम पूछे व उनकी स्थिति को बतायें। शिक्षक भारत की सीमाओं संबंधी महत्वपूर्ण तथ्य बतायें। • एशिया का मानचित्र दिखाकर भारत एवं पड़ोसी देशों की स्थिति की पहचान कराना। • भारत के मानचित्र में विभिन्न राज्य व उनकी राजधानियाँ दर्शाने की गतिविधि कराना। • भारत के रेखा मानचित्र में प्रमुख पर्वत, नदियाँ, पठार एवं मैदान दर्शाने की गतिविधि कराना।	• एशिया का मानचित्र • भारत का राजनैतिक मानचित्र • भारत का प्राकृतिक मानचित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	जानना। • पृथ्वी के तीनों परिमण्डलों के अंतर्संबंधों को समझना।			
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• एशिया महाद्वीप में भारत के अंक्षाशीय व देशान्तरीय विस्तार को जानना । • मानचित्र में भारत के राज्यों को उनकी स्थिति अनुसार जानना। • भारत के प्रमुख भौतिक स्वरूपों को जानना।	• भारत एशिया के किस भाग में स्थित है? • भारत के राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों की संख्या बताइये। • उत्तर के विशाल मैदान की विशेषताएं बताइए। • मध्यप्रदेश राज्य है या केन्द्र शासित प्रदेश बताइए। • भारत की सबसे ऊँची चोटी की ऊँचाई बताइए।	• भारत के रेखा मानचित्र में भारत की प्रमुख नदियों एवं पर्वतों को अंकित करें। • मध्यप्रदेश के पडोसी राज्यों को मानचित्र में देखकर दिशा अनुसार सूचीबद्ध करें।	• भारत के मानचित्र और भौतिक विशेषताओं जैसे- पर्वत, पठार, मैदान, नदियों, मरुस्थल आदि को चिन्हित करते है।

<table>
<tr><th>अवधारणा क्षेत्र</th><th>पाठ का नाम और क्रमांक</th><th>पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना</th><th>सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td>• दो समूह बनाकर एक समूह मानचित्र देखकर राज्यों की सूची बनायेगा एवं दूसरा समूह राजधानियों की सूची बनायेगा, तत्पश्चात् प्रत्येक राज्य को उनकी राजधानी से मिलाकर जोड़ी बनवाना।
• भारत का मानचित्र देखते हुए भौतिक भू –भाग व उसमें सम्मिलित क्षेत्रों की तालिका बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना –
<table>
<tr><th>क्र.</th><th>भौतिक भू – भाग</th><th>सम्मिलित राज्य</th><th>विशेषताएँ</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
</table></td><td></td></tr>
<tr><td>• मानसून शब्द से आशय
• ग्रीष्मकालीन व शीतकालीन मानसून,
• जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक, प्रमुख ऋतुएँ, वर्षा का वितरण</td><td>पाठ – 17
भारत की जलवायु</td><td>प्रस्तावना – शिक्षक विद्यार्थियों से निम्नांकित प्रश्न करें –
1. दिन में हमें रोशनी कहाँ से प्राप्त होती है?
2. ठण्ड के दिनों में हमें धूप में बैठना क्यों अच्छा लगता है?
3. गर्मी के दिनों में हम धूप में क्यों नहीं निकलना चाहते?
4. गर्मी में दोपहर में हवा कैसी होती है?
5. क्या आपने हवा को देखा है?
6. हमें हवा के चलने की दिशा का पता कैसे चलता है?
• शिक्षक विद्यार्थियों से प्राप्त उत्तरों में आवश्यकतानुसार विस्तार/सुधार करते हुए पाठ का शिक्षण प्रारंभ करें।
• मानसून की उत्पत्ति के बारे में मानचित्र दिखाकर चर्चा करना।
• भारत के मानचित्र में ग्रीष्मकालीन</td><td>• भारत – ग्रीष्मकालीन मानसूनी पवन का मानचित्र
• भारत – शीतकालीन मानसूनी पवन का मानचित्र
• भारत – वर्षा के वितरण का मानचित्र</td></tr>
</table>

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• जलवायु को प्रभावित करने वाले कारकों को जानना। • भारत की जलवायु को मानसूनी क्यों कहते हैं। यह जानना।	• भारत की जलवायु को मानसूनी क्यों कहते हैं? • जलवायु को प्रभावित करने वाले कारकों को बताइए। • भारत की ऋतुओं की समयावधि बताइए। • भारतीय जलवायु की प्रमुख विशेषताएं बताइए।	• विभिन्न ऋतुओं में पहने जाने वाले कपड़ों की सूची/चित्र/एलबम तैयार करें। • भारत के मानचित्र में सर्वाधिक वर्षा एवं न्यूनतम वर्षा वाले क्षेत्रों को दर्शाइए।	• विभिन्न भौतिक दशाओं का विश्लेषण कर भारत की जलवायु मानसूनी क्यों है यह बताते है।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		एवं शीतकालीन मानसूनी पवनों की दिशा दर्शाते हुए एवं मानसूनी पवनों के आवागमन के कारणों पर चर्चा करना। • भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारकों को उच्चावच, समुद्र से दूरी, अक्षांशीय स्थिति आदि को समझाना।	
• भारत की प्राकृतिक वनस्पति एवं जीव जन्तु • वनों का क्षेत्रीय वितरण • राष्ट्रीय उद्यानों के नाम व उनकी स्थिति	पाठ – 24 भारत की प्राकृति	प्रस्तावना– गर्मियों की छुट्टियों में सब बच्चों ने छुट्टियों का आनंद लिया। छुट्टियों की समाप्ति के बाद पुनः स्कूल खुले। सब बच्चे बड़े खुश थे। बच्चे अपनी कक्षा में छुट्टियाँ कैसे बिताईं, कौन कहाँ गया इत्यादि पर अपने मित्रों से बात करने में लगे थे। राहुल मसूरी गया था वह वहाँ कि ऊँची – ऊँची पहाड़ियों, लंबे पेड़, ठण्डा मौसम आदि की बात कर रहा था। सौरभ उदयपुर गया था। वह वहाँ के काँटेदार पेड़ों, गर्म मौसम, कम हरियाली की बात कर रहा था। सभी साथी उनकी बातों को बड़ी उत्सुकता से सुन रहे थे। उनकी कल्पना में बहुत सारे प्रश्न उठ रहे थे। बच्चे अपनी जिज्ञासा दूर करने के लिए शिक्षक से पूछा कि क्या सभी जगह एक जैसे पेड़-पौधे नहीं पाए जाते? ऐसा क्यों होता है? • शिक्षक बताएं कि जलवायु की दशाओं और प्राकृतिक वनस्पति में घनिष्ट संबंध पाया जाता है। इसी कारण से अलग-अलग जगहों पर विविध प्रकार के वन, घास, भूमियों और झाड़ियाँ पाई जाती हैं जिन्हें प्राकृतिक वनस्पति कहते हैं।	•भारत– वनों का वितरण मानचित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 कालखण्ड (90 मिनिट प्रति कालखण्ड)	• अपने परिवेश की वनस्पतियों का अवलोकन कर उनकी विशेषताएँ जानना। • क्षेत्रानुसार वनों का वर्गीकरण करना एव उनकी विशेषताओं को जानना।	• प्राकृतिक वनस्पति किसे कहते हैं? • भारत में कितने प्रकार के वन पाये जाते हैं? • उष्ण कटिबंधीय वर्षा वनों की विशेषताएं बताइए। • प्रमुख अभ्यारणों एवं उनमें पाये जाने वाले जीवों के नाम बताइए। • उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन किन क्षेत्रों में पाये जाते हैं।	• राष्ट्रीय उद्यानों व अभ्यारणों की तालिका बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना– राज्य | अभ्यारण | प्रमुख जीव–जन्तु	• भारत में पाई जाने वाली वनस्पतियों के प्रकार व उनकी विशेषताएँ बताते है।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		• आसपास के परिवेश में पाई जाने वाली प्राकृतिक वनस्पतियों से परिचित कराना। • भारत में पाई जाने वाली प्राकृतिक वनस्पतियों के प्रकार, विशेषताएं एवं उनके क्षेत्र को मानचित्र की सहायता से समझाना। • भारत के मानचित्र में वन्य जीव एवं अभ्यारणों को दर्शाते हुए उनमें पाये जाने वाले जीव जन्तुओं को तालिका बनाकर चर्चा करना।	
• कृषि का महत्व • भारत की प्रमुख फसलें, फसलों का वितरण व मिट्टी	पाठ – 25 भारत की प्रमुख फसलें	प्रस्तावना– भारत कृषि प्रधान देश है। भारत की लगभग 70 प्रतिशत से ज्यादा जनसंख्या गांव में निवास करती है। उनकी जीविका एवं भरण–पोषण का मुख्य आधार कृषि है। देश की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि है। • फसलों के प्रकार की तालिका बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना। • आसपास के परिवेश में पाई जाने वाली मिट्टी, उनके प्रकार एवं विशेषताओं को समझाते हुए विभिन्न मिट्टियों में बोई जाने वाली फसलों का वर्गीकरण कराना। • रंगों का प्रयोग करते हुए भारत के मानचित्र में मिट्टी के वितरण को बच्चों से प्रदर्शित कराना।	• भारत – फसलों को दर्शाने वाला मानचित्र • भारत – मिट्टी के प्रकार का वितरण मानचित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 कालखण्ड (90 मिनिट प्रति कालखण्ड)	• आसपास की मिट्टी की विशेषताओं को जानना। • ऋतु अनुसार होने वाली फसलों के नाम जानना। • भारत में बोई जाने वाली फसलों का वर्गीकरण करना।	• कृषि को भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार क्यों कहा जाता है? • स्थानीय परिवेश में पाई जाने वाली मिट्टी की विशेषता बताइए। • रबी की फसलों के नाम बताइए। • भारत में कृषि क्यों महत्वपूर्ण है?	• भारत में ऋतु के अनुसार होने वाली फसलों, उनके प्रकार एवं उनकी अवधि को तालिका बनाकर प्रस्तुतिकरण कराएँ –	• कृषि को भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार क्यों कहा जाता है, इसका विश्लेषण करते है।

ऋतु	फसल का प्रकार	फसल का नाम	अवधि
वर्षा ऋतु	खरीफ	-	-
शीत ऋतु	रबी	-	-
ग्रीष्म ऋतु	जायद	-	-

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• खनिज पदार्थों व शक्ति के साधनों का वितरण • खनिज पदार्थों की उपयोगिता • खनिज आधारित उद्योग।	पाठ – 26 भारत के खनिज, शक्ति के साधन और उद्योग	प्रस्तावना– बच्चों, हमें कृषि एवं अन्य कार्यों में अनेक औजारों की आवश्यकता होती है। पत्थर के औजारों की अपेक्षा धातु के औजार अधिक सुघड़, उपयोगी एवं टिकाऊ होते हैं। आज हमारे दैनिक जीवन में सभी ओर खनिज संसाधनों की आवश्यकता है। उद्योगों के परिचालन में कच्चे माल की आवश्यकता होती है यह कच्चा माल हमें पृथ्वी से खोदकर प्राप्त होता है। जिसको हम विभिन्न प्रकार से परिवर्तित कर उपयोगी बनाते हैं।प्रकृति ने हमें संसाधन नि:शुल्क दिये हैं जिनका उपयोग हम दैनिक जीवन में करते हैं। मानव ने खनिजों की अनेक उपयोग जान लिये हैं। इनसे हम तरह– तरह की उपयोगी वस्तुऐं बनाते हैं। खनिजों का देश के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। •दैनिक जीवन में प्रयोग में आने वाली वस्तुओं की चर्चा करते हुए खनिज पदार्थों एवं उसके महत्व पर बातचीत करना। •भारत के मानचित्र में क्षेत्रानुसार पाये जाने वाले विभिन्न खनिजों के वितरण को समझाना। •बच्चों से विभिन्न राज्यों में पाये जाने वाले खनिजों की सूची (तालिका) बनवाकर प्रस्तुतिकरण करना। •शक्ति के साधनों को स्पष्ट करते हुए कोयला, खनिज तेल व प्राकृतिक गैस के वितरण को मानचित्र पर स्पष्ट करना।	• भारत का खनिज व उद्योग मानचित्र • भारत का रेखा मानचित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• भारत के विभिन्न क्षेत्रों में पाये जाने वाले खनिजों के बारे में जानना। • आस-पास के क्षेत्र में पाये जाने वाले शक्ति के साधनों को जानना है। • खनिज आधारित व कृषि आधारित उद्योगों का वर्गीकरण करना। • भारत के मानचित्र में प्रमुख खनिज को दर्शाना।	• भारत में पाए जाने वाले प्रमुख खनिजों के नाम बताइए। • भारत में लोहा व ताँबा उत्पादक राज्यों के नाम बताइए। • दैनिक जीवन में खनिज पदार्थों के उपयोग बताइए। • कृषि व खनिज आधारित उद्योगों के नाम बताइए।	• बच्चों से तालिका बनवाकर प्रस्तुतीकरण कराना – • आपके निवास क्षेत्र/ जिले में स्थापित उद्योगों की जानकारी प्राप्त करें व बतायें कि वह कृषि आधारित है अथवा खनिज आधारित।	• दैनिक जीवन में खनिज पदार्थो के उपयोग का विश्लेषण करते है।

राज्य	खनिज तेल क्षेत्र	कोयला क्षेत्र	ताँबा

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• भारत में परिवहन के साधन व महत्व। • स्थल, जल व वायुमार्ग •पड़ोसी देशों को जोड़ने वाले मार्ग	पाठ – 27 भारत में परिवहन के साधन	प्रस्तावना– हम एक स्थान से दूसरे स्थान तक आने जाने के लिये एवं वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिये अनेक साधनों का प्रयोग करते है। जैसे साईकिल, बैलगाड़ी, मोटर, रेलगाड़ी आदि। इन्हीं साधनों को हम परिवहन के साधन कहते है। •कहानी के माध्यम से पहिये के आविष्कार के साथ ही परिवहन के साधनों के विकास एवं उनके महत्व को समझाना। •मानचित्र दिखाकर परिवहन के प्रमुख मार्ग – स्थल, जल व वायुमार्ग बताना। •स्थल मार्ग के अन्तर्गत रेल मार्ग व सड़क मार्ग को बताने के लिए अपने आस–पास के सड़क व रेलमार्ग को जोड़ने वाले प्रदेशों, नगरों से अवगत कराने हेतु रोल प्ले कराना। •भारत के मानचित्र में प्रमुख बन्दरगाह, हवाई अड्डा व वायुमार्ग दर्शाना।	•भारत में परिवहन का मानचित्र •भारत के प्रमुख बन्दरगाहों तथा हवाई अड्डों के चित्र ।
•भारत में जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले भौगोलिक कारक	पाठ – 28 भारत की जनसंख्या एवं वितरण	प्रस्तावना– बच्चों, घनश्याम के माता – पिता हमीरपुर गांव में निवास करते हैं। उनके गांव की जमीन उपजाऊ है। खेती अच्छी होती है। गांव की जमीन की ऊपज से जो आमदनी हुई उससे उन्होने घनश्याम व उसकी बहन सरोज को खूब पढ़ाया लिखाया। उधर घनश्याम के	• जनसंख्या वितरण से संबंधित भारत का मानचित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• परिवहन के साधनों की विकास प्रक्रिया को जानना। • परिवहन के विभिन्न साधनों का महत्व जानना।	• परिवहन के साधनों का दैनिक जीवन में क्या महत्व है। • भारत के मानचित्र में प्रमुख सड़क व रेलमार्गों का दर्शाइए। • यदि परिवहन के साधन न होते तो दुनिया में हमारी स्थिति क्या होती।	• अपने गाँव/नगर का मानचित्र बनाएं उसमें प्रमुख रास्तों को रंगीन कर दर्शाए।	• परिवहन के साधनों के विकास के लिए आवश्यक है। इसकी समीक्षा करते है।
2 कालख ण्ड (90 मिनिट प्रति कालख ण्ड)	• जनसंख्या से क्या आशय है जानना। •अधिक एवं कम जनसंख्या वाले क्षेत्रों के	• जनसंख्या से आशय बताइए। • अधिक एवं कम जनसंख्या वाले राज्यों के नाम बताइए। • भारत में जनसंख्या वितरण को प्रभावित	•अपने आस-पास के पाँच बडे नगर अथवा कस्बों की जनसंख्या पता कीजिए वहाँ की जनसंख्या में भिन्नता के	• स्त्री-पुरुष असमानता के संदर्भ में भारतीय जनसंख्या की विशेषताओं

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• भारत में जनसंख्या का वितरण • जनजातियों का क्षेत्रीय वितरण		मामाजी का निवास ऊँचे पर्वत एवं घने वनों वाले गांव कुल्लू में था। वहाँ आमदनी का कोई साधन नहीं था। अतः मामाजी अपने बच्चों को ज्यादा पढ़ा लिखा नहीं पाए। बाद में उन्हें गांव भी छोड़ना पड़ा। हमीरपुर गांव की जनसंख्या लगभग 1500 थी। वहाँ पर सभी लोग खुशहाल थे। लेकिन कुल्लू गांव में जनसंख्या 225 थी वहाँ सभी लोग गरीब थे। उनके पास जीवनयापन का कोई साधन नहीं था। अतः उन्हें गांव छोड़ना पड़ा। बच्चों आपने इस कहानी द्वारा यह जाना कि मैदानी क्षेत्रों में जनसंख्या ज्यादा होती है। जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में जनसंख्या कम होती है। • जनसंख्या से क्या आशय है पर चर्चा करना। • जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले भौगोलिक कारणों जैसे - स्थलाकृति, जलवायु, मिट्टी, खनिज आदि को चार्ट बनाकर स्पष्ट करना। • भारत के मानचित्र में सघन, सामान्य व कम जनसंख्या वाले क्षेत्रों को प्रदर्शित करते हुए जनसंख्या वितरण को समझाना।	

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	कारण जानना। •स्त्री- पुरूष अनुपात से आशय समझना।	करने वाले भौगोलिक कारणों को बताइए। • भारतीय जनसंख्या की विशेषताएं बताइए।	कारण पता कर तालिका बनाना।	का वर्णन करते है।

सामाजिक विज्ञान (कक्षा- 6)
सीखने की संप्राप्तियाँ (Learning Outcomes)

बच्चे –

- तारे, ग्रहों और उपग्रहों के मध्य अंतर करते हैं। उदाहरण स्वरूप – सूर्य, पृथ्वी और चन्द्रमा इत्यादि।
- यह पहचान सकते हैं कि पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व होने के कारण यह एक अद्वितीय (विशिष्ट) आकाशीय पिण्ड है। पृथ्वी के विभिन्न क्षेत्रों को जीवमंडल के विशेष संदर्भ में पहचानते हैं।
- समतल सतह पर दिशाओं का पता लगाते हैं तथा विश्व मानचित्र पर महाद्वीपों और सागरों को चिन्हित करते हैं।
- अक्षांश व देशांन्तर को पहचानते हैं। उदाहरण के लिए ग्लोब एवं विश्व के मानचित्र पर ध्रुवों, भूमध्य रेखा, कटिबंधों, भारत के राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश और पड़ोसी देशों की पहचान करते हैं।
- भारत के मानचित्र में भौतिक विशेषताओं जैसे – पर्वत, पठार, मैदान, नदियों, मरूस्थल आदि को चिन्हित करते हैं।
- पैमाना, दिशाओं और मुख्य विशेषताएँ दर्शाते हुए परम्परागत रूढ़ चिन्हों का प्रयोग करके अपने आस–पास का मानचित्र बनाते है।
- भारत की जलवायु को मानसूनी क्यों कहा जाता है इसे जानते हैं।
- कृषि को भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार कहा जाता है, इसका विश्लेषण करते हैं।
- ऋतुओं के अनुसार ऊगाई जाने वाली फसलों का वर्गीकरण करते हैं।
- स्त्री –पुरूष असमानता के संदर्भ में भारतीय जनसंख्या की विशेषताओं का वर्णन करते हैं।
- किसी काल के इतिहास के विभिन्न स्त्रोतों (पुरातात्विक, साहित्यिक आदि) की पहचान कर इतिहास के पुर्ननिर्माण में उनके उपयोग का वर्णन करते है।
- भारत के रेखा मानचित्र में महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दृश्यों व स्थलों को चिन्हित करते हैं।
- आदि मानव सभ्यता / संस्कृति के विशिष्ट लक्षणों की पहचान कर उनके विकास का वर्णन करते हैं।
- विभिन्न साम्राज्यों व राजवंशों के महत्वपूर्ण योगदान को उदाहरण सहित सूचीबद्ध

करते हैं जैसे – अशोक काल के शिलालेख, गुप्तकाल के सिक्के, पल्लवों के रथ मंदिर आदि।

- प्राचीनकाल के समग्र विकास का वर्णन करते हैं जैसे – शिकार करना एवं संग्रह करना, कृषि कार्य का आरंभ, सिंधु घाटी के आरंभिक नगर आदि और एक स्थान के विकास को दूसरे स्थानों के विकास के साथ संबंद्ध करते हैं।
- किसी काल के साहित्यिक, अभिलेखों में उल्लेखित प्रकरणों, घटनाओं, व्यक्तित्वों का वर्णन करते हैं।
- भारत द्वारा धर्म, कला एवं स्थापत्य आदि क्षेत्रों में बाह्य जगत से हुए सम्पर्क के उपरान्त हुए प्रभाव का वर्णन करते हैं।
- विज्ञान और संस्कृति के क्षेत्र में भारत द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करते हैं। जैसे – खगोलशास्त्र, औषधि विज्ञान, गणित एवं धातुओं का ज्ञान आदि।
- इतिहास के विभिन्न विकास के बारे में सूचनाओं को संश्लेषित करते हैं।
- प्राचीनकाल के विभिन्न धर्मों और विचारधाराओं की मूल भावनाओं एवं धार्मिक मूल्यों का विश्लेषण करते है।
- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के व्यवसायों की उपलब्धता के लिए उत्तरदायी कारकों का वर्णन करते हैं।
- एकल व संयुक्त परिवारों की गुण – दोष के आधार पर समीक्षा करते हैं।
- राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह के माध्यम से राष्ट्रीय एकता के भाव को समझते हैं।
- सरकार/प्रशासन की भूमिका का वर्णन विशेष रूप से 'स्थानीय स्तर ' के संदर्भ में करते हैं।
- सरकार/प्रशासन के विभिन्न स्तरों – स्थानीय, राज्य एवं संघ (केंद्रीय) स्तर को पहचानते हैं।
- स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में ग्रामीण और शहरी स्तर पर स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली का वर्णन करते हैं।
- जनसुविधाएँ जैसे जल, स्वच्छता, सड़कें, बिजली इत्यादि की उपलब्धता को चिन्हित करते है और उपलब्ध कराने में सरकार की भूमिका को चिन्हित करते है।

(6)

स्व-मूल्यांकन

पाठ - 1

इतिहास जानने के स्रोत

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ-
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)-
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ - 2

आदिमानव

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ-
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)-
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 9

हड़प्पा सभ्यता

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 10

वैदिक संस्कृति

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 11
जनपदों एवं महाजनपदों का युग

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 12
मौर्य साम्राज्य

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 18
शुंग, सातवाहन एवं कुषाण काल

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 19
गुप्त काल एवं उत्तर गुप्त काल

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 20
एशियाई देशों के साथ भारत के संबंध

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 3
परिवार एवं समाज

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 4
पारस्परिक निर्भरता

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 13
समुदाय एवं सामुदायिक विकास

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 14
जन–जातीय समाज

- ❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. ....
  2. ....
- ❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. ....
  2. ....
- ❖ पाठ पढ़ाने की दिनांक ....
- ❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- ❖ जन शिक्षक की टीप ....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम ....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम ....

पाठ – 15
हमारे राष्ट्रीय प्रतीक और पहचान

- ❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. ....
  2. ....
- ❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. ....
  2. ....
- ❖ पाठ पढ़ाने की दिनांक ....
- ❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- ❖ जन शिक्षक की टीप ....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम ....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम ....

पाठ – 21
हमारा स्थानीय स्वशासन

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 22
नगरीय संस्थाए

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 23

जिला प्रशासन

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 5

सौरमण्डल में हमारी पृथ्वी

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 6
ग्लोब व मानचित्र

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 7
अक्षांश व देशान्तर रेखाएं

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 8
पृथ्वी के परिमंडल

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 16
हमारा देश भारत

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 17

भारत की जलवायु

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 24

भारत की प्राकृतिक वनस्पति एवं जीवजन्तु

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 25

भारत की प्रमुख फसलें

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 26

भारत के खनिज, शक्ति के साधन और उद्योग

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 27
भारत में परिवहन के साधन

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 28
भारत की जनसंख्या एवं वितरण

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

(7)

कक्षा – 7 के लिए

(अ) सक्रिय अधिगम प्रविधि पाठ योजना

संदर्भित पाठ :	भारत और विश्व
विषयांश :	मध्यकालीन इतिहास के स्त्रोत, यूरोप में मध्यकालीन, अरबों का उदय भारत में मध्यकाल के आरंभ में राजनैतिक स्थिति
समयावधि :	90 मिनट
शिक्षण विधि:	स्व अध्ययन
सहायक स्त्रोत सामग्री :	पुराने सिक्के अथवा सिक्के के चित्र, अभिलेख, शब्दकोश।

प्रारंभिक गतिविधि (Introduction) -

शिक्षक, छात्रों से चर्चा करें कि किसी देश या स्थान विशेष में विकास की जो प्रक्रिया चलती रहती है, तब उसमें विभिन्न प्रकार के परिवर्तन आते हैं, जो पूर्व की स्थिति को परिवर्तित कर देते हैं, ऐसे ही विकास के कारण समय-समय पर हुए परिवर्तनों के कारण इतिहास को तीन कालों में विभाजित किया गया है। प्राचीनकाल, मध्यकाल व आधुनिक काल। प्राचीनकाल के संदर्भ में आप पिछली कक्षा में पढ़ चुके हैं। अब हम मध्यकाल के संबंध में जानेंगे।

मौनवाचन (Reading) -

छात्रों को पाठ के पृष्ठ 1 से 4 तक की विषयवस्तु मौनवाचन हेतु दें।

- ध्यान रखें कि सभी छात्र निर्धारित समयावधि में विषयांश का ध्यानपूर्वक मौनवाचन करें।
- मौनवाचन के दौरान पाठ में आये नवीन एवं कठिन शब्दों को अभ्यास पुस्तिका पर लिखें। जैसे :-

अनुयायियों	–	अनुसरण करने वाले, मानने वाले।
उत्कीर्ण	–	खुदे हुए या उकेरे हुए।
फ्यूडम	–	वेतन के बदले जमीन का टुकड़ा लेना।
सर्फ	–	भूदास।
फ्यूडल्स	–	सामंत

- छात्र विषयांश के प्रमुख बिंदुओं को मौनवाचन के समय रेखांकित करें।
- कठिन शब्दों के अर्थ जानने का प्रयास करें, इसमें अन्य बच्चों का सहयोग लिया जा सकता है।
- शिक्षक, कठिन शब्दों को श्यामपट पर लिखकर उनके अर्थ स्पष्ट करें।

मानस चित्रांकन (Mind Map) -

पाठ को पढ़ने के बाद छात्र उसे समझ कर विषयवस्तु के मुख्य बिंदुओं को लेकर एक मानस चित्र तैयार करेंगे।

- शिक्षक इस बात पर सावधानीपूर्वक ध्यान देंगे कि प्रत्येक छात्र मानस चित्रांकन की गतिविधि करें।

छात्रों के लिए उदाहरणस्वरूप मानस चित्र

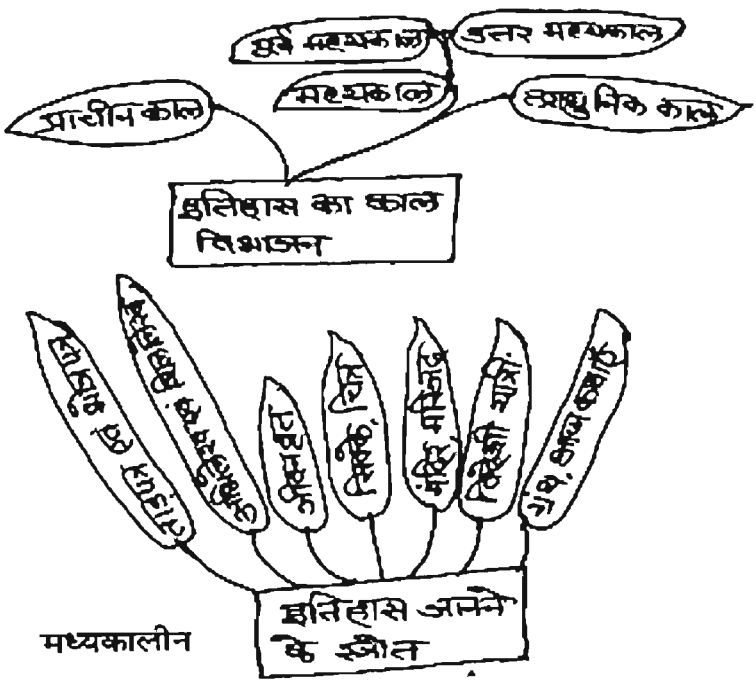

- शिक्षक, बच्चों की समझ का परिमार्जन कर सकते हैं।

मानस चित्र

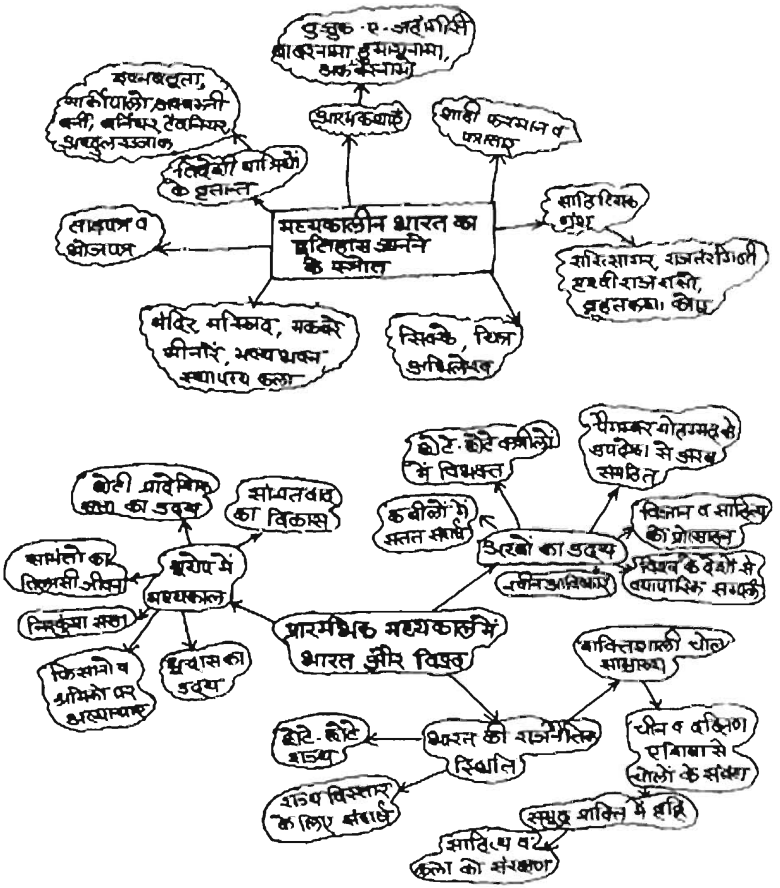

सारांशीकरण (Summarization) -

- शिक्षक कक्षा में छात्रों की संख्या के अनुरूप छोटे-छोटे समूह बनाएंगे।
- प्रत्येक समूह के सदस्य छात्र अपने-अपने समूहों में, मानस चित्रों को एक दूसरे को दिखाएंगे, उन पर चर्चा करेंगे, उनमें तुलना करेंगे।
- छात्र अवधारणाओं को स्पष्ट कर, अपनी नोटबुक में सारांशीकरण करेंगे।

समूह चर्चा व प्रस्तुतिकरण (Group Discussion and Presentation)

- प्रत्येक समूह से (सभी बच्चों की सहभागिता से) उनके मानस चित्रों का एक-एक प्रतिनिधि छात्र द्वारा प्रस्तुतिकरण बड़े समूह में करवाएं। आवश्यकता पड़ने पर समूह के अन्य सदस्यों से प्रस्तुतिकरण में सहायता ले सकते हैं।
- प्रस्तुतिकरण के दौरान छात्रों का उत्साहवर्धन करेंगे।
- शिक्षक तथा शेष छात्र इन प्रस्तुतिकरण में ध्यान देंगे कि कौन - कौन से बिंदु छूट गये हैं।
- शिक्षक, संपूर्ण विषयवस्तु पर आधारित सुझावात्मक मानस चित्र प्रस्तुत करेंगे।

सुदृढ़ीकरण व पुनर्बलन (Consolidation and Reinforcement)

- सुदृढ़ीकरण हेतु छात्रों को चार समूह में बांट दें।
- चारों के बीच विषयवस्तु का आवंटन कर दें।

1. इतिहास जानने के स्त्रोत	2. भारत में पूर्व मध्यकाल
3. यूरोप में मध्यकाल	4. अरबों का उदय

- प्रत्येक समूह को आवंटित विषयांश के विषय में जानकारी देने को कहें। समूह के प्रत्येक छात्र एक अथवा दो वाक्यों में जानकारी दें।
- शिक्षक छात्रों को निर्देशित करेंगे कि वे अपने-अपने मानस चित्रों में, शिक्षक के मानस चित्र के अनुरूप सुधार करें।
- मध्यकालीन भारत के इतिहास जानने के प्रमुख स्त्रोत-मंदिर, मस्जिद, सिक्के, ऐतिहासिक ग्रंथ, आत्मकथाएं, यात्रा वृतांत व शाही फरमान थे।
- अरबों को संगठित करने में पैगंबर मोहम्मद साहब का महत्वपूर्ण योगदान रहा।
- मध्यकाल में भारत छोटे - छोटे राज्य में विभक्त था, जिसमें चोल सर्वाधिक शक्ति संपन्न थे।
- फ्यूड्ल्स या सामंतों को उदय छोटे-छोटे शासकों द्वारा किया गया ताकि राज्य विस्तार में वे उनकी सैनिक सहायता प्रदान कर सकें।

आकलन (Assessment)

शिक्षक, बड़े समूह में मौखिक प्रश्न कर सीखने का आकलन करें, जैसे-

- भारतीय इतिहास के काल विभाजन के आधार क्या थे?
- मध्यकाल को दो भागों में क्यों बाटा गया था।
- सांमतों की जीवन शैली कैसी थी?
- फ्यूडल्स का उदय क्यों हुआ?
- सर्फ कौन थे?
- अरबों की शक्ति को किसने संगठित किया?
- विभिन्न देशों का ज्ञान किस प्रकार एवं किसके द्वारा यूरोप में पहुंचा?

ध्यान रखें कि प्रश्नों का उत्तर कोई एक दो छात्र ही न दें, वरन् सभी छात्रों से प्रश्न किये जाएं।

विशेष शिक्षण (Special Teaching)

- आकलन के पश्चात शिक्षक आवश्यकतानुसार विशेष शिक्षण करें।
- विषयांश पर पुनः मानस चित्र बनवा सकते हैं।
- अच्छे छात्रों के द्वारा कक्षा में मानस चित्र का पुनः प्रस्तुतिकरण किया जा सकता है।

लेखन/गृहकार्य (**Writing Work**)

- सामंतवाद को समझाइये।
- मध्यकालीन सभ्यता के विकास में अरब व्यापारियों के योगदान का वर्णन कीजिए।
- मध्यकाल के साहित्यिक स्त्रोतों के नाम लिखिये।

(7)

कक्षा 7 के लिए

(ब) सीखने का मेट्रिक्स
कक्षा- सातवीं
(सामाजिक विज्ञान)

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• इतिहास में काल विभाजन की समझ, • मध्यकाल में प्रचलित सिक्के/ मुद्राएँ • मुगलकालीन साहित्य एवं साहित्यकार	पाठ – 1 भारत और विश्व	प्रस्तावना– शिक्षक विद्यार्थियों से चर्चा करें कि किसी देश या स्थान विशेष में विकास कि जो प्रक्रिया चलती रहती है। उसमें विभिन्न प्रकार के परिवर्तन आते हैं जो पूर्व की स्थिति को परिवर्तित कर देते हैं ऐसे ही विकास के कारण समय-समय पर हुए परिवर्तनों के कारण इतिहास को तीन कालों में विभाजित किया गया है। प्राचीन काल, मध्यकाल एवं आधुनिक काल। • आस-पास के किसी ऐतिहासिक स्मारक/ मन्दिर/ मस्जिद का भ्रमण करवाकर जानकारी एकत्रित कराना व एकत्रित जानकारी पर विश्लेषण उपरान्त प्रस्तुतिकरण करना। • प्राचीन सिक्कों / मुद्राओं को दिखाकर या पुस्तकों / अखबारों /पत्र – पत्रिकाओं से सिक्कों / मुद्राओं के चित्र एकत्रित कराकर एलबम /स्क्रेप बुक तैयार करवाना। • यूरोप में प्रारंभिक मध्यकाल में सामन्तों की जीवन शैली की प्रमुख बातों की तालिका बनाकर चर्चा करना।	• सिक्कों के चित्र • मुगलकालीन साहित्यकारों के नामों की सूची • ऐतिहासिक शब्दकोश
• दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश, • स्थापत्य कला, • प्रशासन की विशेषताएँ	पाठ – 2 दक्षिण भारत के राज्य	प्रस्तावना – पांचवी सदी में सामंतों का बड़ा प्रभाव था। इनका जीवन विलासितापूर्ण होता था। इनके पास वंशानुगत दास होते थे। इन सामंतों के पास राजा द्वारा प्रदत्त जागीर होती थी, और उस जागीर की सुरक्षा के लिए सुदृढ़	• भारत का ऐतिहासिक मानचित्र (800 से 1200 ई. तक) • दक्षिण भारत के

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• किसी इमारत/ मन्दिर / स्मारक की जानकारी को संकलित कर उसका वर्गीकरण करना। •सिक्कों/ मुद्राओं को पहचानना। •मध्यकालीन साहित्यकार एवं रचनाओं के बारे में जानना।	• मध्यकाल के साहित्यिक स्त्रोतों के नाम बताइए,इन स्त्रोतों के निर्माण का क्या महत्व है? •इतिहास के अध्ययन को कितने कालों में बांटा गया है, इसके विभाजन के क्या आधार है? •यूरोप के मध्यकाल में सामंतों की जीवन शैली कैसी थी? आज के समय में हम किस श्रेणी से उनकी तुलना कर सकते है।	•आपके जिले के वर्तमान समय के साहित्यकार एवं उनकी रचनाओं की सूची बनावे। • शाला परिसर के आसपास की पुरानी वस्तुओं (संभवत: ऐतिहासिक) की सूची बनाकर उस पर साथियों से चर्चा करना।	• मध्यकाल में एक स्थान पर हुए प्रमुख ऐतिहासिक विकास को अन्य स्थान में हुए विकास के साथ संबंद्ध करते है। • विभिन्न कालों के इतिहास के अध्ययन के लिए स्त्रोतों के उदाहरण देते हैं।
2 कालखण्ड (90 मिनिट प्रति	• पूर्व मध्यकाल में दक्षिण व उत्तर भारत के बीच निकटता बढने के	• दक्षिण व उत्तर भारत के बीच निकटता बढने के कारणों को बताइए। •राष्ट्रकूट वंश के किन्ही तीन शासकों के नाम बताइये।	• दक्षिण भारत के किसी महत्वपूर्ण मंदिर का चित्र बनाकर उसमें रंग भरना।	• 800 से 1200 ई. में दक्षिण भारत में स्थापत्य कला के क्षेत्र में हुए विकास की

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		सुरक्षा प्रबंध रखते थे। अपनी सत्ता को कायम रखने के लिए सामंतों में आपस में युद्ध होते रहते थे। जिसके कारण अनेक छोटे-छोटे राजवंश स्थापित हुए। •पूर्व मध्यकाल में दक्षिण व उत्तर भारत के बीच निकटता बढने के कारणों का चार्ट बनाकर चर्चा करना। •भारत के रेखा मानचित्र में दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंशों एवं उनकी राजधानियों को नाम सहित दर्शाना। •दक्षिण भारत के प्राचीन ऐतिहासिक चित्रों को दिखाकर निर्माण शैली पर समूह में चर्चा कराना व प्रस्तुतिकरण करना। •दक्षिण भारत के प्रमुख मन्दिरों एवं उनके निर्माणकर्ता शासकों की सूची तैयार करवा कर प्रस्तुतिकरण कराना। •चोल शासकों द्वारा निर्मित मंदिरों के चित्र संकलित कराए। चित्र देखकर मंदिरों के निर्माण में प्रयुक्त सामग्री व स्थापत्य कला पर चर्चा करना। •दक्षिण भारत के प्राचीन ऐतिहासिक चित्रों को एस.डी. कार्ड से देखकर निर्माण शैली पर चर्चा करें।	विभिन्न राजवंशों के कालक्रम का चार्ट
•उत्तर भारत के राजवंशों का उदय •उत्तर भारत के	पाठ – 3 उत्तर भारत के राज्य	प्रस्तावना– अंग्रेजों ने जब भारत को स्वतंत्रता प्रदान की उस समय देश में कोई केन्द्रीय सत्ता नहीं थी। जितने राज्य, रजवाड़े, रियासतें थीं सब अलग-अलग पुनः उदित हो गईं। जैसे	•उत्तर भारत के प्रमुख राजवंशों का चार्ट। •उत्तर भारत के

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
कालखण्ड	कारणों को जानना। •दक्षिण भारत के मन्दिरों की निर्माण शैली को समझना। •चोलकालीन स्थानीय स्वशासन की विशेषताओं को जानना।	•चोल वंश ने भारतीय संस्कृति को किस प्रकार समृद्ध किया। •चोलकालीन स्थापत्य कला के दो उदाहरण लिखिए।		व्याख्या करते हैं।
2 काल खण्ड (90 मिनिट	• उत्तर भारत के प्रमुख राजवंशो के बारे में	• उत्तर भारत के प्रमुख राजवंशों के नाम लिखिए। •मध्यकाल में स्त्रियों की	उत्तर भारत के प्रमुख मंदिरों के चित्र संकलित कर एलबम बनाना व उन मंदिरों के बारे में	• 800 से 1200ई. में विकसित मंदिर व भवन

<table>
<tr><th>अवधारणा क्षेत्र</th><th>पाठ का नाम और क्रमांक</th><th>पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना</th><th>सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)</th></tr>
<tr><td>प्रमुख शिक्षा केन्द्र</td><td></td><td>कश्मीर, हैदराबाद के निज़ाम आदि। बाद में लोह पुरूष वल्लभभाई पटेल ने उन्हें समझाइश देकर एक संघ बनाया। जब एक बड़ी केन्द्रीय शक्ति का पतन होता है तो उसके बाद अनेक छोटे-छोटे राज्यों का उदय हो जाता है।
इसी प्रकार पूर्व में हर्ष वर्धन का उत्तर भारत में विशाल साम्राज्य था। उसका कोई उत्तराधिकारी नहीं था। अत: उसकी मृत्यु के पश्चात उसका साम्राज्य छोटे-छोटे टुकड़ों में विभाजित हो गया और अनेक छोटे-छोटे राज्यों का उत्तर भारत में उदय हुआ।
<table>
<tr><th>शिक्षा केन्द्र</th><th>स्थान</th></tr>
<tr><td>1) नालंदा</td><td>बिहार</td></tr>
<tr><td>2) विक्रम शिला</td><td>-</td></tr>
<tr><td>3) काशी</td><td>-</td></tr>
<tr><td>4) कन्नौज</td><td>-</td></tr>
</table>
•भारत के रेखा मानचित्र में उत्तर भारत के प्रमुख राजवंशो, उनकी राजधानियों को दर्शाते हुए राजनैतिक स्थिति के बारे चर्चा करना।
•उत्तर भारत के प्रमुख शिक्षा केन्द्रों के नाम एवं स्थान की तालिका तैयार करवाना -
•उत्तर भारत के मंदिरों के चित्र एकत्रित कराकर उनके बारे में चर्चा करना।
•800 से 1200 ई. तक उत्तर भारत के राज्यों की सामाजिक, आर्थिक व धार्मिक स्थिति का चार्ट तैयार कर प्रत्येक बिन्दु पर चर्चा करना।</td><td>प्रमुख शिक्षा केन्द्रों के नाम एवं उनके स्थानों की तालिका।
• मंदिरों के चित्र।</td></tr>
</table>

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
प्रति काल खण्ड)	जानना। •उत्तर भारत के प्रमुख शिक्षा केन्द्रों के बारे में जानना। • चंदेल राजाओं के स्थापत्य कला के क्षेत्र में किए गए योगदान को समझना।	स्थिति में आए परिवर्तन के बारे में बताइए? •मध्यकाल की आर्थिक व्यवस्था की प्रमुख विशेषताएँ बताइए? •उत्तर भारत के प्रमुख शिक्षा केन्द्रों के नाम व स्थान बताइए। •उत्तर भारत के प्रमुख मंदिरों एवं उनकी वास्तुकला के बारे में लिखिए।	पता कर लिखना।	निर्माण शैली की समीक्षा करते हैं। • उत्तर भारत के राज्यों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति की समीक्षा करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
•दिल्ली सल्तनत के विभिन्न वंश व प्रमुख शासकों का राज्य विस्तार।	पाठ – 11 दिल्ली सल्तनत	प्रस्तावना– प्राचीन समय में हमारे देश को सोने की चिड़िया कहा जाता था। भारत की धन संपदा को लूटने के उद्देश्य से बाहरी देशों के शासकों द्वारा कई बार आक्रमण किये गये। इन आक्रमणकारियों में महमूद गजनवी प्रमुख था। उसने भारत पर 17 बार आक्रमण किया और अपार धन संपदा लूट कर ले गया। उसके 150 वर्षों के बाद मोहम्मद गौरी ने भारत पर आक्रमण किया। गौरी ने अपने गुलाम सेनानायक कुतुबुद्धीन ऐबक को अपने जीते हुए राज्य की शासन व्यवस्था हेतु प्रतिनिधि नियुक्त किया। इस प्रकार भारत में दिल्ली सल्तनत की स्थापना हुई। •कुतुब मीनार का चित्र दिखाकर दिल्ली सल्तनत की स्थापना पर समूह में चर्चा करना। •सल्तनतकालीन प्रमुख कार्यों को चार्ट बनवाकर चर्चा करना। •सल्तनतकालीन शासकों के शासनकाल की तिथि क्रम के अनुसार तालिका बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना। •दिल्ली सल्तनत के पतन के कारणों का चार्ट बनाकर चर्चा करना।	•कुतुब मीनार का चित्र •सल्तनतकालीन प्रमुख कार्यों का चार्ट •सल्तनतकालीन शासकों के शासनकाल की तिथि क्रम के अनुसार तालिका •दिल्ली सल्तनत के पतन के कारणों का चार्ट
• सल्तनत कालीन प्रशासनिक	पाठ – 12 सल्तनत	प्रस्तावना – भक्ति आन्दोलन के संतों की प्रमुख शिक्षाओं की चर्चा करना। लगभग 300 वर्षों के सल्तनतकाल में	•वर्तमान प्रशासनिक व्यवस्था व

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• दिल्ली सल्तनत की स्थापना के समय की परिस्थितियों को जानना। • सल्तनतकालीन प्रमुख शासकों के शासन की मुख्य बातों को जानना। • दिल्ली सल्तनत के पतन के कारणों को जानना।	• दिल्ली सल्तनत की स्थापना किसने की? • सल्तनतकालीन के प्रमुख शासकों के नाम एवं उनके कार्यों को बताइए। • रजिया का दिल्ली की गद्दी पर आना इतिहास में किस प्रकार एक महत्वपूर्ण घटना है? • बलबन को लौह और रक्त की नीति का सुल्तान क्यों कहा जाता है। • दिल्ली सल्तनत के पतन के कारणों को बताइए।	पता लगाइए कि क्या आपके क्षेत्र में कोई प्राचीन इमारत है? यदि हैं तो उसका चित्र बनाएं एवं उसकी जानकारी एकत्र करें।	• विभिन्न राज्यों द्वारा सेना के नियंत्रण हेतु अपनाए गए प्रशासनिक तरीकों और रणनीतियों का विश्लेषण करते हैं। जैसे- खिलजी, तुगलक एवं मुगल आदि।
2 काल खण्ड	• सल्तनतकालीन प्रशासनिक व्यवस्था के	• सल्तनतकालीन प्रशासनिक, सामाजिक तथा आर्थिक स्थिति को	भक्तिकालीन संतो के उपदेशों का चार्ट तैयार कर	• मध्यकाल में हुए सामाजिक-राजनीतिक एवं

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
व्यवस्था • सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक व्यवस्था	कालीन प्रशासन एवं जनजीवन	मुस्लिम शासकों ने अपनी परंपरा और आवश्यकता अनुसार प्रशासन व्यवस्था में अनेक परिवर्तन किये। इसी प्रकार भारतीय समाज और संस्कृति में मुस्लिमों के सतत् संपर्क से अनेक परिवर्तन सामने आये। •भक्ति आंदोलन के संतों की प्रमुख शिक्षाओं की तालिका बनाकर उस पर परिचर्चा करना। •सल्तनतकाल में देश से आयात व निर्यात की जाने वाली वस्तुओं की सूची तैयार करवाना। •सल्तनत काल में निर्मित भवनों व इमारतों के चित्र एकत्रित कर एलबम बनाना व भवनों की वास्तुकला की प्रमुख बातों की समूह में चर्चा करना।	सल्तनतकालीन प्रशासनिक व्यवस्था की तुलनात्मक तालिका •सल्तनतकाल की सामाजिक व आर्थिक स्थिति का तुलनात्मक चार्ट •सल्तनतकाल में आयात व निर्यात की जाने वाली वस्तुओं की सूची
• मुगल साम्राज्य की स्थापना, •शेरशाह सूरी का साम्राज्य विस्तार	पाठ – 13 मुगल साम्राज्य की स्थापना	प्रस्तावना– शिक्षक कक्षा में मुगल काल के भारत का नक्शा प्रदर्शित करें – • बाबर के आक्रमण के समय भारत में राजनीतिक अस्थिरता थी। ऐसी केन्द्रीय सत्ता का अभाव था जो	• मुगल साम्राज्य की स्थापना की परिस्थितियों का चार्ट •अकबर द्वारा साम्राज्य विस्तार

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
(90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	बारे में जानना। • सल्तनतकाल की सामाजिक व आर्थिक दशा के बारे में जानना। • सल्तनत काल के भवनों की विशेषताओं को जानना। • सल्तनत काल के संतों के विचारों को जानना।	बताइये। •सल्तनतकाल के भवनों की विशेषताएं बताइए। •सल्तनतकाल के संतों के विचारों से तत्कालीन समाज में आये परिवर्तनों को बताइये। आज के संदर्भ में यह विचार किस तरह प्रासंगिक है।	कक्षा में प्रदर्शित करें।	आर्थिक परिवर्तनों की व्याख्या करते हैं। • वे कारक जिनसे नए धार्मिक विचारों और आन्दोलनों का उदय हुआ उनका विश्लेषण करते हैं। (भक्ति का सूफी) • प्रचलित सामाजिक व्यवस्था में भक्ति मार्ग एवं सूफी संतों की कविताओं/ रचनाओं से निष्कर्ष निकालते है।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति	• भारत में मुगलों की सत्ता स्थापना के कारणों को जानना। •शेरशाह सूरी	• मुगलों की सत्ता स्थापना के लिए किये गये प्रयास बताइए। •शेरशाह सूरी के सुधारों को समझाइए।	• मुगलकाल के प्रमुख युद्धों की तालिका बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना –	• मुगल शासकों के प्रशासनिक तरीकों और रणनीतियों का विश्लेषण

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
•अकबर के शासनकाल की विशेषताएं	एवं उत्कर्ष	राजनीतिक एकता को स्थापित कर सीमा सुरक्षा की व्यवस्था कर सके। भारत की उत्तर पश्चिम सीमा असुरक्षित थी और आक्रमणकारियों को रोकने वाली कोई शक्ति नहीं थी। दिल्ली पर लोधी वंश के इब्राहिम लोधी का शासन था। जिसने अपने दुर्व्यवहार से अफगान अमीरों को अपना शत्रु बना लिया। बाबर ने अफगानों को घाघरा के युद्ध में हरा दिया और इस प्रकार भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना का कार्य सरल हो गया। • भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना किन परिस्थितियों में हुई का चार्ट बनाकर बिन्दुवार चर्चा करना। •शेरशाह सूरी के शासन प्रबंध की प्रमुख विशेषताओं की तालिका बनवाकर उस पर चर्चा करना। •अकबर द्वारा साम्राज्य विस्तार हेतु अपनाई गई नीति के प्रमुख बिन्दुओं को चार्ट के रूप में तैयार कर प्रस्तुत करना। •अकबर के दरबार के नौ रत्नों के कार्यो पर रोल प्ले कराना।	हेतु अपनाई गई नीति के प्रमुख बिन्दुओं का चार्ट •मुगलकाल के प्रमुख युद्धों की तालिका

<table>
<tr><th>अनुमानित समय (कालखण्ड)</th><th>लर्निंग इंडीकेटर</th><th>मूल्याकंन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न</th><th>आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)</th><th>लर्निंग आउटकम्स</th></tr>
<tr>
<td>काल खण्ड)</td>
<td>के सुधार कार्यो को जानना।
•अकबर द्वारा साम्राज्य विस्तार हेतु अपनाई गई नीतियों को जानना।
•मुगलकाल की प्रमुख घटनाओं को काल क्रम के अनुसार जानना।</td>
<td>•अकबर द्वारा साम्राज्य विस्तार हेतु अपनाई गई नीतियों को बताइए।
• अकबर की धार्मिक नीति के बारे में बताइए?
•मुगलकाल की प्रमुख घटनाओं को कालक्रम अनुसार बताइए।</td>
<td><table>
<tr><th>घटना का नाम</th><th>तिथि</th><th>कारण</th><th>परिणाम</th></tr>
<tr><td>पानीपत का प्रथम युद्ध</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>खानवा का युद्ध</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>चन्देरी का युद्ध</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>घाघरा का युद्ध</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>चौसा का युद्ध</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>कन्नौज का युद्ध</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>हल्दीघाटी का युद्ध</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>पानीपत का द्वितीय युद्ध</td><td></td><td></td><td></td></tr>
</table></td>
<td>करते है।</td>
</tr>
</table>

<table>
<tr><th>अवधारणा क्षेत्र</th><th>पाठ का नाम और क्रमांक</th><th>पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना</th><th>सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)</th></tr>
<tr>
<td>• जहाँगीर एवं शाहजहाँ के शासन का विस्तार एवं प्रमुख घटनाएं।
•स्थापत्य कला की विशेषताएँ</td>
<td>पाठ – 14
वैभव एवं विलासिता का युग</td>
<td>प्रस्तावना – अकबर ने अपने शासन काल में साम्राज्य को संगठित एवं सुव्यवस्थित किया। जिससे उसके उत्तराधिकारी जहाँगीर और बाद के दो शासकों शाहजहाँ एवं औरंगजेब को शासन चलाने में सहायता मिलीं। इस काल में जहाँगीर तथा शाहजहाँ ने साहित्य तथा कला के विकास को प्रोत्साहित किया। अनेक सुन्दर तथा वैभवशाली इमारतों का निर्माण कराया। राजपरिवार तथा सामंत वर्ग में विलासिता बढ़ी। अतः इस युग को वैभव एवं विलासिता का युग कहा जाता है।
•मुगल शासक जहाँगीर एवं शाहजहाँ के साम्राज्य विस्तार से संबंधित प्रमुख घटनाओं के चार्ट बनाकर चर्चा करना।
<table>
<tr><th>घटना का नाम</th><th>तिथि</th><th>कारण</th><th>परिणाम</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
</table>
•जहांगीर एवं शाहजहाँ के युग को वैभव व विलासिता का युग क्यों कहा जाता है? समझाते हुए इस विषय पर विद्यार्थियों के विचारों को कक्षा में व्यक्त करवाना।
•शाहजहाँ के शासनकाल की प्रसिद्ध इमारतों के चित्र एकत्रित करवाते हुए उनकी विशेषताओं पर चर्चा करना।</td>
<td>• जहाँगीर एवं शाहजहाँ के साम्राज्य विस्तार से संबंधित प्रमुख घटनाओं के चार्ट
•शाहजहाँ के शासनकाल की प्रसिद्ध इमारतों के चित्र</td>
</tr>
</table>

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• जहॉगीर व शाहजहॉं के शासनकाल की प्रमुख घटनाओं व उनके परिणामों को जानना। •शाहजहॉं द्वारा निर्मित इमारतों की विशेषताओं को जानना। •वैभव व विलासिता के युग से क्या तात्पर्य है को समझना।	• जहॉगीर व शाहजहॉं के शासनकाल की प्रमुख घटनाओं व उनके परिणामों को बताइए। •शाहजहॉं द्वारा किन इमारतों का निर्माण कराया गया? •किसी युग को वैभव एवं विलासिता का युग किन आधारों पर कहा जाता है? • जहांगीर के शासन पर किस महिला का प्रभाव था? • शाहजहॉं को अपने जीवन के अंतिम दिन कहां काटने पड़े।	• मुगलकाल में निर्मित प्रमुख इमारतों के नाम, स्थान तथा निर्माता की जानकारी तैयार करें।	• मुगल शासकों के प्रशासनिक तरीकों और रणनीतियों का विश्लेषण करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• औरंगज़ेब के शासनकाल में मुगल साम्राज्य का विस्तार •मुगल साम्राज्य के पतन के कारण	पाठ – 22 औरंगजेब तथा मुगल साम्राज्य का पतन	प्रस्तावना– औरंगजेब इस्लाम धर्म का कट्टर अनुयायी था। उसने हिन्दू जनता पर जजिया कर तथा तीर्थयात्रा कर लगाए। चित्रकला एवं संगीत को गैर इस्लामी मानते हुए उसने उन पर प्रतिबंध लगा दिया। उसकी कठोर धार्मिक नीति और अविश्वासी स्वभाव के फलस्वरूप सशक्त विद्रोह प्रारंभ हो गये। जिन्हें दबाने के प्रयासों में साम्राज्य का प्रशासन कमजोर हो गया तथा आर्थिक स्थिति बिगड़ गई। •औरंगज़ेब के साम्राज्य विस्तार को दर्शाते हुए बुदेलों, जाटों, मराठों के क्षेत्रों को रेखा मानचित्र में अंकित कराना। •औरंगज़ेब के शासनकाल की प्रमुख घटनाओं की तालिका बनवाना। •औरंगज़ेब के शासन में किन विदेशी शासकों ने आक्रमण किया उनके नामों एवं किस क्षेत्र से आये थे, उन क्षेत्रों की सूची बनवाना। •मुगलों के पतन के कारणों की सूची बनवाकर उस पर प्रस्तुतिकरण करना।	• भारत का रेखा मानचित्र •ड्राइंगशीट पर प्रमुख घटनाओं की तालिका •औरंगज़ेब के शासन में किन विदेशी शासकों ने आक्रमण किया उनके नामों की सूची •मुगल साम्राज्य के पतन के कारणों का चार्ट
• प्रशासनिक व्यवस्था सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक स्थिति,	पाठ – 23 मुगल कालीन प्रशासन तथा	प्रस्तावना– शिक्षक कक्षा में मुगल काल के वंश वृक्ष को प्रदर्शित कर मुगल शासकों की प्रशासनिक व्यवस्था एवं जनजीवन के विषय में चर्चा कर बताएं कि इस काल की प्रशासन व्यवस्था और जनजीवन की स्थिति	• मुगलकालीन प्रशासनिक व्यवस्था के प्रमुख बिन्दुओं का चार्ट •मुगलकाल की

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• साम्राज्य विस्तार हेतु औरंगजेब द्वारा अपनाई गई नीतियों को जानना। •मुगलकाल के पतन के लिए औरंगजेब को उत्तरदायी क्यों माना जाता है को जानना। •औरंगजेब के साम्राज्य विस्तार को मानचित्र में दर्शाना।	• साम्राज्य विस्तार हेतु औरंगजेब द्वारा किन नीतियों को अपनाया गया? •मुगलकाल के पतन के कारण बताइये। •औरंगजेब के साम्राज्य विस्तार को मानचित्र में दर्शाइए।	• मुगल वंश का वंश वृक्ष तैयार करें।	• औरंगजेब की नीतियाँ मुगल साम्राज्य के पतन के लिए उत्तरदायी थी का विश्लेषण करते हैं।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति	• मुगलकाल की प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक	• मुगलकाल की प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक स्थिति को बताइए। •मुगलकाल की स्थापत्य	• आप जानते हैं कि अकबर 13 वर्ष की उम्र में शासक बना। यदि आप को अभी किसी राज्य	• मुगलकाल की सामाजिक व आर्थिक स्थिति तथा वर्तमान समय

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
शिक्षा साहित्य एवं कला क्षेत्र से सम्बन्धित कार्य	जनजीवन	ठीक थी। मुगल साम्राज्य में सम्राट सर्वोपरि होते थे। वे सेना की मदद से शासन चलाते थे। • मुगलकालीन प्रशासनिक व्यवस्था के प्रमुख बिन्दुओं पर चार्ट तैयार कर चर्चा करना। • मुगलकाल की सामाजिक व आर्थिक स्थिति तथा वर्तमान समय की सामाजिक व आर्थिक स्थिति की तुलनात्मक तालिका बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना। • मुगलकालीन प्रमुख स्मारकों के चित्रों का संकलन कराकर एलबम बनवाना व उनकी प्रमुख विशेषताओं पर प्रस्तुतिकरण कराना। • मुगलकालीन स्थापत्य व चित्रकला की स्क्रेब बुक तैयार कराना।	सामाजिक व आर्थिक स्थिति तथा वर्तमान समय की सामाजिक व आर्थिक स्थिति की तुलनात्मक तालिका •मुगलकालीन प्रमुख स्मारकों के चित्र
•सिक्ख एवं मराठा शक्ति का उत्कर्ष •सिक्ख गुरूओं के काल की विशेषताएं •शिवाजी काल की प्रमुख घटनाएं एवं शासन प्रबंध	पाठ – 24 सिक्ख एवं मराठा शक्ति का उत्कर्ष	प्रस्तावना– शिक्षक गुरू गोविंद सिंह तथा छत्रपति शिवाजी के चित्र कक्षा में प्रदर्शित कर उनसे जुड़ी घटना/कहानी को सुनाते हुए पाठ का प्रारंभ करें। •सिक्ख गुरूओं के बारे में चर्चा करें। उनकी शिक्षाओं के बारे में छात्रों को बताएं। •शिवाजी के साम्राज्य विस्तार को रेखा मानचित्र में दर्शाना। •शिवाजी के शासन प्रबंध की मुख्य बातों पर चार्ट बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना।	•सिक्ख गुरूओं के काल व कार्यों का चार्ट •भारत का ऐतिहासिक मानचित्र (1646 से 1648 ई) •शिवाजी के शासन प्रबंध की मुख्य विशेषताओं का चार्ट

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
काल खण्ड)	स्थिति को जानना। •मुगलकाल की स्थापत्य व चित्रकला की विशेषताओं को समझना।	व चित्रकला की विशेषताओं को बताइये। •मुगलकाल की सामाजिक व आर्थिक स्थिति तथा वर्तमान समय की सामाजिक व आर्थिक स्थिति पर अपने विचार बताइए।	का शासक बना दिया जावे तो आप अपने राज्य के विकास के लिए क्या-क्या कदम उठाएगें।	की सामाजिक व आर्थिक स्थिति की उदाहरण देकर तुलना करते हैं। • मंदिर, मकबरों और मस्जिद के निर्माण में जो विशिष्ट शैलियां और तकनीकी विकसित हुई उनका उदाहरण सहित वर्णन करते हैं।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• सिक्ख गुरूओं के बारे में जानना। •शिवाजी के साम्राज्य विस्तार की घटनाओं को जानना। •शिवाजी के शासन प्रबंध को जानना।	• गुरू गोविंद सिंह ने सिक्ख शक्ति को मजबूत करने के लिए क्या प्रयास किये थे? •शिवाजी के साम्राज्य विस्तार की घटनाओं को बताइए। •शिवाजी के शासन प्रबंध को समझाए।	• सिक्ख गुरूओं का क्रमवार चार्ट तैयार करें। 	• मुगलों के पतन में सिक्खों व मराठों की भूमिका का विश्लेषण करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• संविधान क्यों व क्या है, निर्माण की प्रक्रिया। •प्रस्तावना के प्रमुख बिन्दु। •संविधान की विशेषताएं।	पाठ – 4 हमारा संविधान	प्रस्तावना– प्रत्येक स्वतन्त्र देश अपनी शासन व्यवस्था को चलाने हेतु अपना एक संविधान बनाता है। इन्हीं संकलित एवं निर्मित नियमों को संविधान कहते है। संविधान नियमों एवं कानूनों दस्तावेज है। •संविधान की आवश्यकता को स्पष्ट करने के लिए शाला संचालन के लिए निर्धारित (मौखिक/ लिखित) नियमों को समूह चर्चा उपरान्त सभी बच्चों से सूचीबद्ध कराना। •शाला में आयोजित किए जाने वाले किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम को आधार बनाते हुए, कार्यक्रम की सम्पूर्ण रूपरेखा पर आलेख तैयार कराना। •संविधान की प्रस्तावना के प्रमुख बिन्दुओं को तालिका बनाकर अथवा छोटी–छोटी पर्ची डालकर समूह चर्चा के माध्यम से स्पष्ट कराना। •किसी कार्यक्रम व संस्थान/संगठन के संचालन के लिए नियम क्यों आवश्यक है, चर्चा के माध्यम से स्पष्ट करना।	• संविधान की प्रमुख विशेषताओं का चार्ट •संविधान निर्माताओं के चित्र।
• मौलिक अधिकार क्या हैं?	पाठ – 5 मौलिक अधिकार	प्रस्तावना– मौलिक अधिकारों पर चर्चा का प्रारंभ पाठ्यपुस्तक में दी गई कहानी से करें। कहानी का सारांश सुनाएं– "ललिता नाम की एक नवसाक्षर	• नागरिकों के मौलिक अधिकारों का

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• शाला/ परिवार/ समाज/ देश के संचालन के नियम आवश्यक है यह जानना। • शाला/ समाज/ संस्था के संचालन के नियम/ नीति निर्धारण मे प्रतिष्ठित / प्रबृद्ध वर्ग के व्यक्तियों के योगदान को जानना है। • लोकतंत्रात्मक , गणराज्य, पंथ निरपेक्ष, समाजवादी जैसे – शब्दों के भाव को जानना। • संविधान की विशेषताओं को जानना।	• लोकतंत्रात्मक, गणराज्य, पंथ निरपेक्ष, समाजवादी से क्या आशय है? • भारतीय संविधान की पाँच विशेषताओं को बताईये? • संविधान की आवश्यकता क्यों होती है? • भारतीय संविधान सभा के किन्ही तीन सदस्यों के नाम लिखिए।	• आपके स्कूल के शिक्षकों एवं छात्रों के लिए नियमों की तालिका बनाइए।	• भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन करते हैं।
2 काल खण्ड	• मौलिक अधिकारों की आवश्यकता	• मौलिक अधिकारों की आवश्यकता क्यों है? • संविधान द्वारा प्रदत्त	• मूल कर्तव्यों में से उन कर्तव्यों को विद्यार्थियों से	• अपने क्षेत्र के सामाजिक और राजनीतिक

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
•मौलिक अधिकार कौनसे हैं? •मूल कर्त्तव्य कौनसे हैं?	और कर्तव्य	महिला कम मजदूरी लेने से मना कर देती है, क्योंकि उसने पढ़कर यह समझा था कि संविधान में महिला एवं पुरूष में विभेद नहीं माना गया है। अत: उसे पुरूषों के बराबर ही समान कार्य का समान वेतन प्राप्त करने का अधिकार है।" हमारे संविधान में भारत के नागरिकों के लिये अधिकार एवं कर्तव्यों का स्पष्ट उल्लेख है। यह अधिकार हमारे सर्वांगीण विकास के लिये आवश्यक हैं। हमारे अधिकार हमारे कर्तव्यों से जुड़े हैं। •मौलिक अधिकार हमारे सर्वांगीण विकास की आवश्यक शर्त हैं, से बच्चों को अवगत कराना। •मौलिक अधिकार हेतु उपर्युक्त उदाहरण स्वयं प्रस्तुत करना व बच्चों से व्यावहारिक जीवन में उनके उदाहरण ढूँढ़कर प्रस्तुत करवाना। •समाज में लिंग, धर्म अथवा जातीय आधार पर व्याप्त असमानताओं को सूचीबद्ध करवाकर प्रस्तुतिकरण कराना। •एक नागरिक को किन-किन कर्तव्यों का पालन करना चाहिए पर चर्चा करते हुए संविधान में वर्णित मूल कर्त्तव्यों से बच्चों को परिचित कराना।	चार्ट •मौलिक कर्तव्यों का चार्ट

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
(90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	क्यों है यह जानना। •समाज में लिंग, धर्म अथवा जातीय आधार पर व्याप्त असमानताओं को समझना। •संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों एवं कर्तव्यों को जानना।	मौलिक अधिकारों के नाम बताइये। •संविधान में वर्णित मौलिक कर्तव्यों को बताईये? •मौलिक कर्तव्यों का राष्ट्रनिर्माण में क्या योगदान है।	सूचीबद्ध कराना जिनका वो पालन करते हैं।	मुद्दों की भारत के संविधान में उल्लेखित मूलभूत अधिकर एवं कर्तव्यों के संदर्भों में उदाहरण सहित व्याख्या करते हैं। • विभिन्न रुपों में समानता और असमानता के बीच अंतर करते हैं, और एक स्वस्थ तरीके से उनके प्रति व्यवहार करते हैं। • किसी परिस्थिति में मूलभूत अधिकारों के हनन, संरक्षण और बढ़ावा देने के लिए ज्ञान का अनुप्रयोग करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• लोकसभा व राज्य सभा क्या है, •संसद का गठन, संसद के कार्य व शक्तियाँ, •कानून निर्माण की प्रक्रिया, संघ सूची, राज्य सूची व समवर्ती सूची	पाठ – 6 केन्द्र की सरकार	प्रस्तावना– शिक्षक बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछें– 1. कक्षा में आपके बैठने की व्यवस्था किस तरह होगी यह कौन तय करता है? 2. कक्षा मॉनीटर का चुनाव किसके द्वारा कराया जाता है? 3. आपकी कक्षा में कौन शिक्षक किस विषय को पढ़ाएंगे यह कौन तय करता है? 4. स्कूल में प्रबंधन व्यवस्था– पीने का पानी, शौचालय या अन्य आवश्यक व्यवस्था किसके द्वारा की जाती है? शिक्षक बताएं कि जिस तरह एक स्कूल में बहुत सी कक्षाएं होती हैं, उनकी व्यवस्था प्रधानाध्यापक कक्षा अध्यापक के माध्यम से करते हैं, उसी तरह हमारे देश में बहुत से राज्य हैं जिनकी व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा की जाती है। सारे राज्यों की व्यवस्था अच्छी तरह चले इसके लिए केन्द्र सरकार की आवश्यकता होती है। •देश में व्यवस्था बनाने के लिए कानून बनाने का कार्य संसद करती है। कानूनों को लागू करने का उत्तरदायित्व कार्यपालिका का होता है तथा कानून तोड़ने पर न्यायपालिका विवादों का निराकरण कर व्यवस्था बनाए रखने में योगदान देती है पर चर्चा करना।	• भारत की संसद का चित्र। •संसद के कार्य एवं शक्तियों का चार्ट •संघ सूची, राज्य सूची व समवर्ती सूची के विषयों का चार्ट।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• लोकतांत्रिक प्रक्रिया में राजनीतिक भागीदारी को जानना। •लोकसभा व राज्यसभा के गठन की प्रक्रिया को जानना। •संघ सूची, राज्य सूची व समवर्ती सूची के बारे में जानना। •कानून निर्माण की प्रक्रिया को समझना।	• लोकतांत्रिक प्रक्रिया में राजनीतिक भागीदारी पर अपने विचार व्यक्त कीजिए? •लोकसभा व राज्यसभा के गठन की प्रक्रिया समझाईये? •संघ सूची, राज्य सूची व समवर्ती सूची के विषयों को समझाईये? •कानून निर्माण की प्रक्रिया को चरणबद्ध लिखिए? •मंत्रि परिषद पर संसद किस तरह नियत्रंण करती है। •संविधान में संशोधन की आवश्यकता क्यों पडती है? •गणपूर्ति से क्या आशय है।	• शिक्षण उपरांत राज्य सभा, लोकसभा, संसद के कार्य व शक्तियाँ, कानून निर्माण की प्रक्रिया, संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची की पर्चियाँ डालकर तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता आयोजित कराना। •लोक सभा के गठन की प्रक्रिया पर रोल प्ले कराना। •संसद की कार्रवाई पर मोक संसद करवाना।	• लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं। • कानून बनाने की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		•बच्चों को केन्द्र सरकार के अंगो से परिचित कराना। •संसद के कार्य एवं शक्तियों का चार्ट तैयार कर प्रस्तुतिकरण कराना। •कानून निर्माण की प्रक्रिया को तालिका बनाकर समझाना। •संघ सूची राज्य सूची व समवर्ती सूची के विषयों का विवरण चार्ट/तालिका तैयार कराना।	
•राष्ट्रपति एंव उपराष्ट्रपति पद की अर्हताएँ, •राष्ट्रपति एंव उपराष्ट्रपति का चुनाव एवं शक्तियाँ, •प्रधानमंत्री, संधीय मंत्री, परिषद का गठन एवं कार्य	पाठ – 15 राष्ट्रपति एवं केन्द्रीय परिषद	प्रस्तावना– किसी राज्य के लिए काम करने वाली सरकार को राज्य की सरकार कहा जाता है। इसमें राज्यपाल, मुख्यमंत्री तथा मंत्रिपरिषद की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसी प्रकार संपूर्ण देश के लिये काम करने वाली सरकार को केन्द्रीय सरकार या संघ सरकार कहा जाता है। केन्द्र सरकार का द्वितीय अंग कार्यपालिका है। इसमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केन्द्रीय मंत्री परिषद शामिल है। •हमारे देश के राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति पद की अर्हताएँ, चुनाव एवं शक्तियाँ चार्ट को तैयार कर प्रस्तुत करना। •प्रधानमंत्री, संघीय मंत्री, परिषद के गठन एवं कार्यों का चार्ट के माध्यम से प्रस्तुतीकरण करना।	•राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति पद की अर्हताएँ, एवं शक्तियों का चार्ट •प्रधानमंत्री का चयन, कार्य एवं शक्तियों का चार्ट

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	•राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति पद की चुनाव प्रक्रिया को जानना। •प्रधानमंत्री की नियुक्ति व मंत्री परिषद के गठन की प्रक्रिया को जानना।	• राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति पद की चुनाव प्रक्रिया को समझाईये? •प्रधानमंत्री की नियुक्ति व मंत्री परिषद के गठन की प्रक्रिया को बताईये? •मंत्रि परिषद के कार्यो पर अपने विचार व्यक्त कीजिए?	• मंत्रिमंडल गठन की प्रक्रिया पर बाल केबिनेट को आधार बनाकर रोल प्ले करना।	• राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति पद की चुनाव प्रक्रिया को बताते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• राज्य विधानमंडल तथा उसके सदस्यों का चुनाव •विधान सभा का गठन एवं विधान परिषद।	पाठ – 16 राज्य की सरकार	प्रस्तावना– भारत में 29 राज्य व 7 केन्द्र शासित प्रदेश हैं। इन सबके मिलने के कारण ही भारत एक संघ राज्य बना है। प्रत्येक राज्य में चयनित सरकारें कार्य करती हैं। •भारत में राज्य सरकार की अवधारणा को चर्चा द्वारा प्रस्तुत करना। •विधानसभा व विधान परिषद के गठन, सदस्यों के चुनाव की प्रक्रिया को चार्ट द्वारा प्रस्तुत करना। •विधान सभा के कार्य एवं शक्तियों को मानस चित्रांकन द्वारा स्पष्ट करना। •मध्यप्रदेश विधान सभा के कार्य व शक्तियों पर क्विज़ का आयोजन।	•विधानसभा का चित्र •विधानसभा व विधान परिषद के गठन, सदस्यों के चुनाव की प्रक्रिया का चार्ट •विधान सभा के कार्य एवं शक्तियों का मानस चित्रांकन।
• राज्यपाल पद की अर्हताएँ व शक्तियाँ •मंत्री परिषद का गठन, कार्य व शक्तियाँ।	पाठ – 17 राज्यपाल एवं मंत्री–परिषद्	प्रस्तावना – जिस प्रकार केन्द्र में दो प्रकार की कार्यपालिका– नाममात्र की एवं वास्तविक होती हैं। उसी प्रकार से राज्य में भी दोनों प्रकार की कार्यपालिका होती हैं। नाममात्र की कार्यपालिका– राज्यपाल तथा	•राज्यपाल पद हेतु अर्हताएँ, नियुक्ति प्रक्रिया तथा शक्तियों का चार्ट •राज्य मंत्री परिषद

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• विधान सभा सदस्यों के निर्वाचन की प्रक्रिया को जानना। • भारत की संघीय व्यवस्था में राज्य सरकार के गठन की प्रक्रिया को जानना। • राज्य मंत्रि परिषद के कार्यो को जानना।	• विधान सभा सदस्य बनने के लिए आवश्यक अर्हताएं बताईये? • विधान सभा के गठन की प्रक्रिया समझाईये? • राज्य मंत्रि परिषद के कार्यो को बताईये? • विधान सभा के कार्यो को बताए।	• मध्यप्रदेश विधान सभा की गतिविधियों के संदर्भ में समाचार पत्रों,पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख व समाचारों को संग्रहित कर एलबम तैयार कर कक्षा में दिखाना।	• राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के बीच अन्तर करते हैं। • राज्य के मानचित्रों में अपने संसदीय क्षेत्र/विधानसभा क्षेत्र को चिन्हित करते हैं और स्थानीय सांसद व विधायक का नाम बताते हैं।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति	• राज्यपाल की नियुक्ति प्रक्रिया को जानना। • राज्यपाल की प्रशासन में	• राज्यपाल की नियुक्ति कौन करता है? • राज्यपाल पद हेतु आवश्यक अर्हताएं बताईये? • राज्यपाल के कार्यो को	• मध्यप्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष पद पर रह चुके व्यक्तियों के नामों व उनके कार्यकाल पर	• राज्यपाल की प्रशासन में भूमिका की समीक्षा करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		वास्तविक कार्यपालिका– मंत्रिपरिषद कहलाती है। राज्यपाल राज्य का प्रमुख होता है। राज्यपाल के नाम से ही राज्य का शासन चलाया जाता है। राज्य सरकार के सभी कार्य राज्यपाल के नाम से चलाये जाते है। राज्यपाल की सहायता एवं परामर्श देने हेतु एक मंत्री परिषद गठित होती है। इसका मुखिया मुख्यमंत्री होता है। •राज्यपाल पद हेतु अर्हताएँ, नियुक्ति प्रक्रिया तथा शक्तियों का चार्ट बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना। •राज्य मंत्री परिषद की जानकारी चार्ट पर निम्नलिखित बिन्दुओं को समाहित करते हुए तैयार कराकर प्रस्तुतिकरण कराना। •समूह एक – मंत्री परिषद का गठन क्यों व किसके द्वारा। •समूह दो – गैर विधायक के मंत्री बनने की प्रक्रिया। •समूह तीन – मंत्री परिषद के कार्य व शक्तियाँ	की जानकारी संबंधी चार्ट
•न्यायालयों की आवश्यकता •एकीकृत न्याय	पाठ – 25 हमारी	प्रस्तावना– शिक्षक पुस्तक में दी गई कहानी को सुनाते हुए पाठ का प्रारंभ करें। बतायें कि हमारे देश के संविधान	•एकीकृत न्याय प्रणाली का चार्ट। •सर्वोच्च

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
काल खण्ड)	भूमिका को समझना। •राज्यपाल के कार्यो को जानना। •मंत्री परिषद के गठन प्रक्रिया व उनके प्रमुख कार्यो के बारे में जानना।	बताईये? •मंत्री परिषद् की श्रेणियों के नाम बताईये? •मंत्रि परिषद के क्या कार्य है?	आधारित जानकारी संकलित कर स्क्रेब बुक तैयार करें।	
2 काल खण्ड	• भारतीय संविधान में उल्लेखित	•न्यायिक संरचना के स्वरूप को बताईये? •उच्च न्यायालय के	• आपके पड़ोस के किसी पीड़ित व्यक्ति को न्याय	• कुछ महत्वपूर्ण मामलों का

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
प्रणाली, उच्चतम व उच्च न्यायालय का संगठन, न्यायधीशों की योग्यताएँ, नियुक्ति व कार्य, •लोक अदालतें और लोक रूचिवाद	न्याय पालिका	में एकीकृत न्यायप्रणाली को अपनाया गया है। इस प्रणाली में सबसे ऊपर उच्चतम न्यायालय है। राज्यों में उच्च न्यायालय तथा जिलों में जिला एवं सत्र न्यायालय होते है। •एकीकृत न्याय प्रणाली का चार्ट/तालिका बनवाकर कक्षा में प्रस्तुतिकरण कराना। •सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद की अर्हताओं पर तालिका बनाकर चर्चा करना। •सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के कार्य एवं शक्तियाँ पर छोटे समूह में मानस चित्राकंन तैयार कराकर प्रत्येक छात्र से प्रस्तुतिकरण कराना। •लोक अदालतों की भूमिका पर रोल प्ले करना।	न्यायालय व उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद की अर्हताओं का चार्ट।
•बाल एवं मानव अधिकार कौन कौनसे हैं?	पाठ – 26 बाल अधिकार एवं मानव अधिकार	प्रस्तावना– द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई। विश्व के देशों राष्ट्राध्यक्षों और प्रतिनिधियों ने 10 दिसम्बर 1948 को संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों ने मिलकर मानव अधिकारों की घोषणा की। बाल अधिकार बच्चों के अधिकार की बात ऐसी नीव है इससे मानव जाति का	•बाल अधिकारों का चार्ट। •मानव अधिकारों का चार्ट।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
(90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	न्यायिक संरचना के स्वरूप को जानना। •न्यायाधीशों की योग्यताओं के बारे में जानना। •सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालय के संगठन, कार्य एवं शक्तियों को समझना।	न्यायाधीश पद की योग्यताओं को बताईये? •सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियाँ बतलाइए। •भारत में लोक अदालतों का क्या महत्व है।	दिलाने के लिए न्यायालय को सूचित करने हेतु पत्र तैयार करें।	संदर्भ देते हुए भारत में न्यायिक व्यवस्था के कार्यों का वर्णन करते हैं।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	•बाल एवं मानव अधिकारों के बारे में जानना। •हमारे विकास के लिए बाल एवं मानव अधिकार	•प्रमुख बाल अधिकार बताईये? •हमारे विकास के लिए मानव अधिकार किस प्रकार सहायक हैं। •आतंकवाद द्वारा मानव अधिकारों का उल्लंघन कैसे होता है?	•बच्चों को बाल अधिकार हनन की घटना की जानकारी देने को कहें जो उनके आस-पास घटी हो। •समाचार पत्रों / पत्रिकाओं से	•हमारे विकास के लिए बाल एवं मानव अधिकार किस प्रकार सहायक है इसका वर्णन करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		भविष्य जुड़ा है। समाज को अच्छे इंजीनियर, डॉक्टर, व्यवसायी, मैकेनिक, किसान, अधिकारी, शिक्षक, राजनेता, समाजसेवी आदि प्राप्त होंगे। अतः संयुक्त राष्ट्र ने 20 नवम्बर 1989 को बाल अधिकार अधिनियम पारित किया एवं 2 सितम्बर 1990 को विश्व के 151 देशों ने इस अधिकार का स्वीकृति दी। •बाल अधिकारों को चार्ट बनाकर प्रस्तुत करना। •चार्ट द्वारा मानव अधिकारों की जानकारी प्रदान करना। •बाल अधिकारों के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने हेतु नुक्कड नाटक की स्क्रिप्ट तैयार कराना व उसका मंचन करना।	
• जनजातियों से अभिप्राय, रहने के क्षेत्र, •मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ, •जनजातीय महिलाओं के	पाठ – 27 भारत की जन जातियां	प्रस्तावना– हम एक जनजाति की पहचान एक ऐसे कबीलों के समूह के रूप में कर सकते है जो समान बोली बोलता हों। समान भू–भाग में निवास करता हो जिनके आचार विचार रहन– सहन, रीति–रिवाज, पूजा–पाठ, परम्परायें एक जैसी हो। आपस में ही विवाह संबंध करता हो। • भारत के राजनैतिक मानचित्र में राज्यवार जनजातियों के क्षेत्रों को	• भारत का राजनैतिक मानचित्र • मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियों की सूची।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	किस प्रकार सहायक है यह जानना।		बाल//मानव अधिकार हनन के चित्र / समाचार की कटिंग ड्रांइग शीट पर चस्पा कराना।	
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• जनजातीय समाज की विशेषतायें एवं जनजीवन के बारे में जानना। • जनजातीय उद्यमों के बारे में जानना।	• जनजातीय समाज की विशेषतायें एवं जनजीवन के बारे में बताईये? • जनजातीय उद्यमों के बारे में बताईये? • जनजातीय कन्या शिक्षा के लिए शासकीय प्रयासों पर अपने विचार	• जनजातीय लोगों के चित्र एकत्रित कर ड्रांइगशीट/ स्क्रेब बुक तैयार कराना।	• जनजातीय समाज की विशेषतायें एवं जनजीवन के बारे में बताते हैं। • अपने क्षेत्र के वंचित समूहों के हाशिए पर

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
प्रमुख उद्यम।		दर्शाना। • म.प्र. में पायी जाने वाली जनजातियों का क्षेत्रवार चार्ट बनवाकर प्रस्तुतिकरण करना। • किसी स्थानीय जनजाति के जनजीवन पर रोल प्ले कराना। • जनजातीय महिलाओं के प्रमुख उद्यमों को सूचीबद्ध कराना।	
• घूर्णन व परिक्रमण गति। • दिन – रात का होना। • ऋतु परिवर्तन।	पाठ – 7 पृथ्वी की गतियां	प्रस्तावना– शिक्षक बच्चों को बताएं कि जब भी कोई चीज एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा सके या गति कर सके , तो वह गतिशील होती है। जैसे हम गतिशील हैं। ठीक इसी प्रकार पृथ्वी भी गतिशील है। परन्तु हमारी पृथ्वी इतनी विशाल है कि हमें गति करती हुई प्रतीत नहीं होती है हम इस गतिशील पृथ्वी पर निवास करते हैं। अतः हमें सूर्य चलता हुआ प्रतीत होता है। जैसे हम रेलगाड़ी में सफर करते हैं तो बाहर स्थित पेड़, मकान आदि गति करते हुए प्रतीत होते हैं। जबकि वास्तव में हमारी रेलगाड़ी गति करती है। • पृथ्वी कैसे घूमती है इसको एक लट्टू/गेंद/ ग्लोब के माध्यम से प्रयोग कराना। • ग्लोब के माध्यम से पश्चिम से पूर्व की ओर घुमाकर पृथ्वी की दैनिक गति को बताना। • पृथ्वी की घूर्णन गति पर बच्चों से रोल	• लट्टू, गेंद, ग्लोब एवं टार्च • ऋतु परिवर्तन की स्थिति का चित्र • एटलस

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	•जनजातीय कन्या शिक्षा के लिए शासकीय प्रयासों को जानना।	बताइए? •भारत की साँस्कृतिक धरोहर में इनका क्या योगदान है?		होने के कारणों और प्रभावों का विश्लेषण करते हैं।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	•दिन रात की अवधारणा को जानना। •पृथ्वी की गतियों को जानना। •पृथ्वी के भ्रमण पथ को जानना। •पृथ्वी की परिक्रमण गति से होने वाले परिवर्तनों को जानना।	•पृथ्वी की गतियों को बताईये? •पृथ्वी के घूर्णन से आशय स्पष्ट कीजिए। •ऋतु परिवर्तन पृथ्वी की किस गति का परिणाम है? •दिन-रात कैसे होते हैं? •घूर्णन एवं परिक्रमण के बीच अन्तर बताइए?	•पृथ्वी की गतियों पर मॉडल बनाइए।	•दिन, रात व ऋतुओं पर प्रस्तुतिकरण करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		प्ले कराना। • ग्लोब व चार्ट के माध्यम से दिन व रात की अवधि को बताना। पृथ्वी के पश्चिम से पूर्व की ओर घूमते हुए पृथ्वी के विभिन्न भागों में दिन रात की अवधारणा से परिचित कराना। •पृथ्वी के परिक्रमण के परिणामस्वरूप ऋतु परिवर्तन की स्थिति को चित्र बनाकर बताना। •पृथ्वी की घूर्णन गति पर बच्चों से रोल प्ले कराना।	
• वायुमण्डल क्या है, कौन – कौनसी गैसों से मिलकर बना है •वायुमण्डल की संरचना।	पाठ – 8 वायु मण्डल	प्रस्तावना – शिक्षक बच्चों से चर्चा करें– 1. क्या आपने हवा को देखा है? जब गर्मी का मौसम हो और गर्म हवा चले तो कैसा लगता है? 2. क्या हमारे आस–पास हर जगह हवा मौजूद है? 3. अगरबत्ती जलाने पर उसकी खुशबू पूरे घर में कैसे फैलती है? 4. खुशबु या बदबू हवा के द्वारा फैलती है। सौरमण्डल में पृथ्वी ऐसा ग्रह है जहां जीवन पाया जाता है। यहां बड़ी संख्या में विभिन्न प्रकार के जीव जन्तु और पेड़ पौधे पाये जाते हैं। यह इसलिये संभव हुआ कि पृथ्वी पर जीवन के लिये आवश्यक तत्व हवा पानी उपलब्ध है। पृथ्वी पर इन तत्वों की मौजूदगी वायुमण्डल के कारण ही संभव हुई है।	• वायुमण्डल की संरचना का चित्र •वायुमण्डल के संगठन का चित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• वायुमंडल के संगठन को जानना। • वायुमंडल में उपलब्ध गैसों की मात्रा को जानना। • ऑक्सीजन जीवनदायनी व ओजोन जीवन रक्षक गैस है, यह जानना। • वायुमण्डल की विभिन्न परतों के बारे में जानना।	• वायुमंडल किसे कहते हैं? • वायुमंडल में कौन-कौन सी गैसें पाई जाती हैं? • ऑक्सीजन जीवनदायनी गैस क्यों है? • वायुमण्डल की विभिन्न परतों के चित्र बनाईये? • वायुमण्डल हमारे लिए क्यों महत्वपूर्ण है?	• वायुमण्डल की विभिन्न परतों का चित्र बनायें।	• वायुमंडल की परतों को चित्र में पहचानते हैं। • वायुमंडल के संघटकों और सरंचना की व्याख्या करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		•वायुमण्डल का परिचय एवं महत्व चित्र दिखाकर समझना। •कक्षा में बच्चों के समूह बनाकर गतिविधि कराना – प्रथम समूह –वायुमण्डल के संगठन की तालिका द्वितीय समूह –वायुमण्डल के संगठन का चित्र शीट पर बनाना। तृतीय समूह–वायुमण्डल की संरचना का नामांकित चित्र बनाना। उक्त गतिविधि पूर्ण करने के बाद सभी समूहों से बारी–बारी से कक्षा में प्रस्तुतीकरण कराना।	
• तापमान के वितरण को प्रभावित करने वाले कारक, •तापमापी से ताप ज्ञात करना।	पाठ – 9 तापमान	प्रस्तावना– मौसम बदलने के साथ साथ कभी बहुत गर्मी और कभी बहुत ठण्ड का अनुभव करते है। ऐसा प्रायः वायु के गर्म या ठण्डा होने के कारण होता है। वायु में उपस्थित गर्मी ही ताप कहलाती है। इस प्रकार वायुमण्डल में उपस्थित ताप की मात्रा के मान या मापन को तापमान कहते है। तापमान को सेंटीग्रेड या सेल्सियस में मापा जाता है। •परिवेश में घटित घटना (मौसम बदलने) को आधार बनाकर वायुमण्डल में ताप, तापमान को समझाना। •किसी बर्तन में पानी गर्म करके उसका ताप नापने की गतिविधि •बच्चों से तापमापी द्वारा ताप नपवाना।	• तापमापी, पानी,बर्तन एवं साधारण तापमापी का चित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• तापमान से क्या आशय है जानना। • तापमापी से तापमान कैसे नापते है यह समझना। • तापमान को प्रभावित करने वाले कारको को जानना।	• तापमान किसे कहते हैं? • तापमापी से तापमान कैसे नापते है? • तापमान को प्रभावित करने वाले कारकों को बताईये?	• सर्दी, गर्मी एवं बारिश में प्रयोग किये जाने वाले कपड़ों की सूची/ चित्र/ स्क्रेब बुक तैयार करना।	• तापमापी से तापमान कैसे नापते है यह बताते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		•कक्षा के बाहर समूह बनाकर – सूर्य के प्रकाश के तापक्रम को वातावरण में मापने की गतिविधि कराना। •साधारण तापमापी का चित्र बनवाकर उसका उपयोग कैसे करते पर प्रस्तुतिकरण कराना।	
•वायु, वायुदाब, व प्रभावित करने वाले कारक •वायुदाब की पेटियाँ, •पवन एवं प्रकार	पाठ – 10 वायुदाब और पवन	प्रस्तावना – शिक्षक बताएं कि – एक दिन कुछ बच्चे फुटबॉल खेल रहे थे। खेलते – खेलते फुटबॉल में अचानक हवा कम हो गई। बच्चे दौड़कर सायकल में हवा डालने वाले के पास गए और सायकल वाले से पंप से हवा डलवाने लगे। सायकल वाला पंप से हवा भरता रहा और अचानक जोरदार आवाज के साथ फुटबॉल फूट गई। इसी तरह राजू के छोटे भाई ने बड़ा सा गुब्बारा खरीदा और खेलते–खेलते उसे मैदान में छोड़ आया। वहाँ धूप थी। थोड़ी देर में वह गुब्बारा भी फूट गया। आप जानते हैं कि ऐसा क्यों हुआ? वह इसलिए क्योंकि फुटबाल में हवा का दाब बहुत ज्यादा हो गया था। गर्मी के कारण हवा फैलती गई और गुब्बारे में हवा समा नहीं पाई और इसीलिए वह फूट गया। पृथ्वी के चारों और वायु है जब वायु धरातल पर क्षैतिज दिशा में चलती है तो पवन कहलाती है। जब वायु स्थिर हो या धरातल से आकाश की ओर या आकाश से धरातल की ओर लम्बलत् चलती है तो वह वायु	•पतंग, जल समीर और थल समीर का चित्र। •वायुदाब को प्रभावित करने वाले कारकों की तालिका

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• वायु व पवन में अन्तर को जानना। • वायुदाब से आशय समझना। • वायुदाब को प्रभावित करने वाले कारकों को जानना। • जल समीर एवं थल समीर के समय चलने वाली हवा की दिशा को जानना।	• वायु व पवन में अन्तर बतायें। • वायुदाब किसे कहते हैं? • वायुदाब को प्रभावित करने वाले कारकों को बताईये? • जल समीर एवं थल समीर में अंतर बताइए। • स्थाई पवनें किसे कहते हैं? • चक्रवात किसे कहते हैं?	• चक्रवात एवं प्रतिचक्रवात का चित्र बनाइए। • जल समीर एवं थल समीर का चित्र बनाएं।	• वायु की उपलब्धता पर प्रयोग कर स्पष्ट करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		कहलाती है। पृथ्वी की सतह पर वायु मण्डल अपने भार के कारण जो दबाव डालता है उसे वायुदाब कहते हैं। •अपने आसपास के परिवेश के उदाहरण देते हुए जैसे – पतंग का उड़ना, बादल का एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाना, वायु का गोल चक्र में घुमना आदि उदाहरणों से वायु वायुदाब को चर्चा द्वारा बताना। •वायुदाब को प्रभावित करने वाले कारकों की तालिका बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना। •भूतल पर बहने वाली पवनों के प्रकारों की तालिका बनाकर प्रस्तुतीकरण कराना। •जलसमीर – थलसमीर का चित्र बनवाना।	
• आर्द्रता व उसके रूप, संघनन के विभिन्न रूप, •वर्षा के प्रकार, वर्षा की मात्रा की माप।	पाठ – 18 आर्द्रता एवं वर्षा	प्रस्तावना – शिक्षक बताएं कि हमारे चारों ओर हवा या वायु है वह पृथ्वी के चारों ओर फैले हुये वायुमण्डल का ही भाग है। वायु मण्डल में कई प्रकार की गतिविधियाँ होती हैं। वायु कभी गर्म, कभी सूखी, कभी नम मालूम होती है। वायुमण्डल में पायी जाने वाली नमी ही आर्द्रता कहलाती है। क्या आप जानते हैं कि पृथ्वी पर यह नमी कहाँ से आती है? इसके रूप क्या हैं? •वायुमण्डल में पायी जाने वाली जलवाष्प के कारण वायुमण्डल में आर्द्रता पायी जाती है को प्रयोग कर स्पष्ट करना। •जलवाष्प, संघनन व वाष्पीकरण को उदाहरण सहित प्रस्तुत करना। •काँच के एक ग्लास में बर्फ के टुकड़े	• कांच का गिलास, बर्फ का टुकड़ा, वर्षा मापी का चित्र। •वर्षा के प्रकारों का चित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• आर्द्रता को पहचानना। •संघनन कि स्थिति कब बनती है उसकी क्रिया को जानना। •तापमान के कम होने के कारण वायुमण्डल में होने वाले	• आर्द्रता से क्या है? •संघनन किसे कहते हैं? •संघनन के विभिन्न रूपों की विशेषताएँ बताईये? •वर्षा के प्रकारों का नामांकित चित्र बनाइए? •वर्षामापी किसे कहते हैं? •वृष्टि छाया प्रदेश किसे कहते है? •पर्वतीय वर्षा का चित्र बनाते हुए वृष्टि छाया प्रदेश दर्शाइए।	• वर्षा के प्रकारों के चित्र। •वर्षामापी का चित्र बनाइए।	• संघनन के विभिन्न रुपों का वर्णन करते है।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		(ठण्डा पानी) डालने पर देखेंगे की गिलास के बाहरी पृष्ठ पर पानी की बूँदे जमा होती है, इससे संघनन की क्रिया को स्पष्ट करना। •संघनन के विभिन्न रूपों जैसे ओस, पाला कुहरा, धुन्ध बादल या मेघ,वर्षा, हिमपात, ओले को उनकी विशेषताओं के आधार पर तालिका बनाकर स्पष्ट करना। •किसी पात्र में पानी डालकर उसे गर्म करेंगे उसके ऊपर कुछ ऊँचाई पर एक ढ़क्कन लगा देंगे अब बच्चों को दिखायेंगे की पानी से वाष्प का बनना तथा वाष्प का ऊँचाई पर जाने पर संघनन कि क्रिया होना व पुनः पानी बनना व उन्हीं स्थानों पर वर्षा होना संवहनीय वर्षा को समझाना। •बच्चों से वर्षा के प्रकारों के चित्र बनवाकर उनकी विशेषताओं को प्रस्तुत कराना। •वर्षा यंत्र दिखाकर वर्षा ऋतु के दौरान या कृत्रिम वर्षा से वर्षा कैसे व किस में मापी जाती है। यह प्रयोग द्वारा स्वयं करके बच्चों को दिखाना।	
•मौसम •जलवायु •मौसम व जलवायु में अन्तर, •मौसम व जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक।	पाठ – 19 मौसम और जलवायु	प्रस्तावना– बच्चों आपने सुबह उठते ही कभी देखा होगा कि ठण्डी हवा चल रही है, थोड़ी देर बाद रिमझिम बारिश होने लगी फिर थोड़ी देर बाद धूप निकल आई और गर्मी भी लगने लगी। एक ही दिन में कभी बारिश, कभी गर्मी तो कभी ठण्ड होने लगती है। आप जानते हैं कि ऐसा क्यों और कैसे होता है? इसे क्या कहते हैं? वायुमण्डल, तापमान, वायुदाब,	•ग्लोब •मौसम और जलवायु के अन्तर का चार्ट •मौसम और जलवायु को प्रभावित करने वाले कारकों की तालिका

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	संघनन के विभिन्न रूपों को जानना। •वर्षा के प्रकारों को जानना। •वर्षामापी के उपयोग को जानना।			
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• मौसम और जलवायु से आशय को जानना। •मौसम और जलवायु के अन्तर को जानना। •जलवायु को प्रभावित करने	• मौसम किसे कहते हैं? •जलवायु का आशय बताईये? •मौसम और जलवायु के अन्तर को बताईये? •जलवायु को प्रभावित करने वाले कारकों को बताईये?	• जलवायु को समझाने के लिए विभिन्न वर्षों में प्राप्त मौसम के तापमान और वर्षा के आंकड़ो का औसत निकाला जाये व छात्रों से इस प्रकार की गतिविधि कराना।	• मौसम व जलवायु में उदाहरण देकर भेद बताते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		आद्रता, वर्षा वायुमण्डल के इन्हीं तत्वों के मिले जुले रूपों से मौसम जलवायु और ऋतु बनती हैं। •मौसम और जलवायु से क्या आशय है यह स्थानीय दशाओं को आधार बनाकर समझाना। •मौसम और जलवायु के अन्तर को चार्ट बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना। •मौसम और जलवायु को प्रभावित करने वाले कारकों को ग्लोब, मॉडल, चार्ट के माध्यम से छात्रों को पर्वतीय स्थिति, अक्षांशीय स्थिति, स्थल व जल के वितरण समुद्र से दूरी आदि कारकों को तालिका बनाकर समझाना।	
• जलमण्डल क्या है? •विश्व के महासागरों की तली के विभिन्न स्वरूप •महासागरों से लाभ •जल चक्र एवं इसका जीवन में महत्व	पाठ – 20 जल मण्डल	प्रस्तावना– पृथ्वी के धरातल का लगभग 3 चौथाई भाग जल से घिरा हुआ है। पृथ्वी का जल से घिरा हुआ भाग ही जलमण्डल कहलाता है। पृथ्वी के लगभग 71 प्रतिशत भाग पर जल ओर 29 प्रतिशत भाग पर थल है। इस प्रकार थल भाग की तुलना में जल भाग अधिक है। जल मण्डल में महासागर, सागर, खाड़िया, झीलें, नदियाँ, तालाब आदि सम्मिलित है। •ग्लोब अथवा मानचित्र दिखाकर जलीय भाग की पहचान कराना। •चित्र के माध्यम से अथवा अपने परिवेश	• ग्लोब अथवा मानचित्र, एटलस। •महासागरीय तली का चित्र •जल चक्र का चित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	वाले कारकों को जानना।			
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• धरातल पर जल व थल भाग को पहचानना। • पृथ्वी पर महाद्वीप व महासागर के विस्तार को जानना। • जलीय भाग के नितल की बनावट को समझना।	• पृथ्वी पर जल व थल भाग को पहचान कर बताईये? • संसार के प्रमुख महासागरों के नाम बताइए। • महासागरों से क्या लाभ है। • संसार के प्रमुख महाद्वीपों के नाम बताइये। • महासागरीय तली को कितने भागों में बांटा गया है? नामांकित चित्र	• जल का जीवन में किन -किन क्षेत्रों में उपयोग किया जाता है। सूची तैयार करें।	• धरातल पर उपलब्ध जल के वितरण की स्थिति व जल संरक्षण की आवश्यकता का वर्णन करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		के किसी नदी अथवा तालाब के जलीय भाग की तली की बनावट पर समझ विकसित करना। •चित्र दिखाकर समुद्र तल की बनावट को स्पष्ट करना। •चित्र के माध्यम से जल चक्र को समझाना। •बच्चों से समुद्री तल व जल चक्र के चित्र बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना।	
• समुद्री जल की गति से आशय •लहर और धारा •ज्वार – भाटा क्या है? •ज्वार –भाटा उत्पन्न होने के कारण, ज्वार – भाटा के प्रभाव।	पाठ – 21 समुद्र की गतियां	प्रस्तावना– बच्चों आपने कभी कोई झील, तालाब या बहती हुई नदी देखी होगी। इनमें भरा हुआ जल प्रायः गतिशील रहता है। इसी प्रकार विस्तृत समुद्र का जल भी स्थिर नहीं रहता । बल्कि उसमें किसी न किसी प्रकार की हलचल होती रहती है। यह हलचलें ही उसकी गतियां हैं। समुद्रीय गतियाँ तीन प्रकार की होती हैं – 1. लहरें 2. धारायें 3. ज्वारभाटा। •जल की गति से क्या तात्पर्य है यह स्पष्ट करना। •एक पात्र में पानी लेकर उसमें एक पत्थर गिराया जाये तो उसमें एक हलचल उत्पन्न होगी। इससे जल अपने ही स्थान पर ऊपर नीचे होता है जिससे उसमें श्रृंग तथा गर्त का निर्माण होगा, विद्यार्थियों को इसका अवलोकन कर समझाएँ।	•पानी, पत्थर का टुकड़ा •ज्वारभाटे का चित्र •विश्व का मानचित्र – महासागरीय जलधाराएं

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	•जलचक्र से क्या आशय है यह जानना।	बनाइए? •जलचक्र का नामांकित चित्र बनाइए? •जलचक्र का क्या महत्व है।		
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	•समुद्र जल की गतियों के बारे में जानना। •समुद्र में लहरें किस प्रकार उत्पन्न होती है यह जानना। •लहरें तथा धाराओं में अन्तर को जानना। •ज्वार व भाटे की स्थिति को समझना। •दीर्घ व लघु ज्वार के आने के समय कि	•समुद्री जल में कौन-कौन सी गतियाँ होती हैं? •समुद्र में लहरें उत्पन्न होने के क्या कारण है? •धारा उत्पन्न होने के क्या कारण है? •लहर तथा धारा में अन्तर बताइए। •गर्म एवं ठंडी धारा में उदाहरण सहित अन्तर बताइए। •ज्वार-भाटा किसे कहते है? •ज्वार-भाटे से लाभ बताइए। •ज्वार कितने प्रकार के	•मानचित्र क्रमांक 4 में से गर्म एवं ठण्डी जल धाराओं को सूचीबद्ध करिए।	•ज्वार-भाटा की स्थिति को विश्लेषित करते हैं। •समुद्र जल में उत्पन्न होने वाली गतियों को स्पष्ट करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		•महासागरीय धाराओं के प्रभावों को उदाहरण के द्वारा स्पष्ट करें, उदा. जापान व नार्वे के बन्दरगाह वर्ष भर खुले रहते हैं क्योंकि यहां गर्म जल धाराओं का प्रभाव रहता है। •चित्र दिखाकर ज्वार-भाटा का आशय स्पष्ट करते हुये समुद्र का जल किस प्रकार व क्यों आगे बढ़ता व पीछे जाता है यह बताएँ। •ज्वार के प्रकारों को जैसे दीर्घ-ज्वार, लघु-ज्वार कि स्थिति में चित्र के माध्यम से सूर्य चन्द्रमा व पृथ्वी कि स्थितियों को बताकर उनके द्वारा लगने वाले बल को समझाएँ।	
• एशिया महाद्वीप की स्थिति, •धरातलीय स्वरूप, •जलवायु •वनस्पति, जीव जन्तु।	पाठ – 28 एशिया – भौगोलिक स्वरूप	प्रस्तावना– शिक्षक विश्व का मानचित्र दिखाते हुए उसमें एशिया महाद्वीप की स्थिति से विद्यार्थियों को अवगत करावें। विद्यार्थियों से उसमें भारत और उसके पड़ोसी देशों को पहचानने को कहें। •भारत एशिया महाद्वीप के दक्षिण में स्थित है। पृथ्वी पर सात महाद्वीप हैं जिसमें एशिया सबसे बड़ा महाद्वीप है। एशिया महाद्वीप तीन ओर से महासागर से घिरा हुआ है। एक ओर से स्थल से अर्थात पश्चिम में यूरोप व अफ्रीका महाद्वीप से जुड़ा है। महाद्वीप के उत्तर में आर्कटिक महासागर, पूर्व में प्रशांत महासागर व	• एशिया का प्राकृतिक एवं राजनैतिक मानचित्र । •विश्व का रेखा मानचित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	तिथि को समझना।	होते हैं?		
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• एशिया महाद्वीप के अंक्षाशीय व देशान्तरीय विस्तार को जानना। •एश्या के मानचित्र में प्रमुख नदियों, पर्वतों, नदियों को जानना। •एशिया के देश व उनकी	• एशिया महाद्वीप के अंक्षाशीय व देशान्तरीय विस्तार को बताइये? •एशिया महाद्वीप के किन्हीं तीन पर्वत व तीन नदियों के नाम बताइए। •एशिया महाद्वीप की जलवायु को प्रभावित करने वाले दो कारक बताईये। •एशिया महाद्वीप को कितने भौतिक भू-भागों में बांटा गया है।	• एशिया के रेखा मानचित्र में पामीर के पठार व उससे निकलने वाली पर्वत श्रृंखलाए दर्शाना। •एशिया के मानचित्र में प्रमुख नदियों को दर्शाना।	• एशिया के प्राकृतिक स्वरूप को मानचित्र में दर्शाते हैं। • भारत और विश्व के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और उनके जीवन के बीच

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		दक्षिण में हिन्द महासागर है। •विश्व के रेखा मानचित्र में एशिया महाद्वीप की स्थिति व विस्तार को जानने की गतिविधि कराना। •एशिया के राजनैतिक मानचित्र में विद्यार्थियों से देशों के नाम अंकित करवाना। •बच्चों को 4 समूहों में बाँटे तथा प्रत्येक समूह को एक –एक कार्य दें – •प्रथम समूह – एशिया महाद्वीप की प्रमुख नदियाँ, पठार, व मैदान तथा द्वीप समूहों की सूची बनाना। •द्वितीय समूह – एशिया महाद्वीप की जलवायु से सम्बन्धित जानकारी लिखना। •तृतीय समूह – एशिया महाद्वीप की विशेषताओं की सूची बनाना। •चतुर्थ समूह – एशिया के मानचित्र पर पामीर का पठार, हिमालय पर्वत, साईबेरिया का मैदान, यूराल पर्वत, स्वेज नहर, ट्रान्स साइबेरियन रेलमार्ग दर्शाना।	
•कृषि •खनिज और ऊर्जा। •उद्योग धन्धे •यातायात व	पाठ – 29 एशिया – आर्थिक स्वरूप	प्रस्तावना – एशिया विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप है। यहां की विशाल जनसंख्या कृषि, खनिज एवं उपलब्ध ऊर्जा के संसाधनों पर निर्भर है। प्रकृति से प्राप्त वे पदार्थ जिन्हें मानव ने अपने	•एशिया का रेखा मानचित्र। •एशिया – प्रमुख फसलों का मानचित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	राजधानियों को जानना। •एशिया महाद्वीप की जलवायु की विशेषताओं को समझना।	•एशिया के मानचित्र में दर्शाइए – हिमालय पर्वत, गंगा व सिन्धु नदी, साइबेरिया का मैदान		अंर्तसंबंध पता लगाते हैं। • वनस्पति व जीव-जंतुओं की विविधता को निर्धारित करने वाले कारणों और कारकों को बताते हैं।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति	• एशिया में कृषि के विकास को जानना। •एशिया की	• एशिया महाद्वीप की मुख्य फसलें बताइए। •एशिया महाद्वीप में लोहा इस्पात उद्योग का सबसे अधिक विकास किन	• एशिया के मानचित्र में फसलें, उद्योग व यातायात के साधनों को	• कृषि, खनिज व उद्योग किसी क्षेत्र/दिश के विकास में

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
आर्थिक विकास।		लिये उपयोगी बना लिया है। संसाधन कहलाते है। यहां के जनजीवन एवं आर्थिक विकास पर यहां के संसाधनों का विशेष प्रभाव पड़ता है। •बच्चों को 4 समूहों में बाँटे तथा प्रत्येक समूह को एक –एक कार्य दें – •प्रथम समूह – एशिया की प्रमुख फसलें व क्षेत्र। •द्वितीय समूह– एशिया के प्रमुख उद्योग व क्षेत्र। •तृतीय समूह – एशिया के यातायात के साधन। •चतुर्थ समूह – एशिया के प्रमुख कृषि क्षेत्र उपर्युक्त जानकारी को एशिया महाद्वीप के रेखा मानचित्र में दर्शाना। तत्पश्चात प्रत्येक समूह से प्रस्तुतिकरण कराना।	•एशिया – खनिज एवं उद्योगों का मानचित्र
•विश्व मानचित्र में यूरोप की स्थिति, विस्तार, •धरातलीय बनावट, •जलवायु, •वनस्पति।	पाठ – 30 यूरोप महाद्वीप – भौगोलिक स्वरूप	प्रस्तावना– विश्व का मानचित्र दिखाते हुए विश्व में यूरोप की स्थिति को बताएं– आकार और क्षेत्रफल की दृष्टि से यूरोप विश्व में छठवे नम्बर का महाद्वीप है। यूरोप महाद्वीप के उत्तर में आर्कटिक महासागर पश्चिम में अटलांटिक महासागर दक्षिण में भूमध्य सागर और काला सागर है। महाद्वीप के	•विश्व का मानचित्र •ग्लोब

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
काल खण्ड)	प्रमुख फसलें, उद्योग व यातायात के साधनों को जानना। •एशिया के मानचित्र में फसलें, उद्योग व यातायात के साधनों को दर्शाना।	देशों में हुआ है? •संसार के सबसे लंबे रेलमार्ग का नाम बताइए। •एशिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश का नाम बताइए।	दर्शाईये?	किस प्रकार सहायक है विश्लेषण करते हैं।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• विश्व मानचित्र में यूरोप की स्थिति को जानना। • यूरोप की प्राकृतिक विशेषताएँ	•यूरोप महाद्वीप का अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार बताइए। •यूरोप की कौन सी नदी काला सागर में गिरती है? •यूरोप महाद्वीप की कोई दो विशेषताएं बताइए? •यूरोप के भूमध्य सागरीय	•यूरोप के मानचित्र में दर्शाइए– • यूराल नदी, यूराल पर्वत, आल्पस पर्वत, कालासागर, श्वते सागर, टैगा वनों का क्षेत्र। इनमें रंग	• भारत और विश्व के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों मे रहने वाले लोगों और उनके जीवन के बीच

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		पूर्वी भाग में समुद्र न होने से इसकी पूर्वी सीमा यूराल पर्वत , यूराल नदी और कैस्पियन सागर बनाते है। जो यूरोप को एशिया से अलग करते हैं। यूरोप और एशिया दोनों महाद्वीप मिलकर यूरेशिया कहलाते हैं। •विश्व के मानचित्र में यूरोप की स्थिति बताना। यदि ग्लोब उपलब्ध हैं तो उसका भी प्रयोग करके समझाना। •यूरोप महाद्वीप की धरातलीय बनावट से अवगत कराना। •यूरोप की वनस्पति के प्रकारों पर मानस चित्र बनवाकर कक्षा में प्रस्तुतिकरण कराना।	
•कृषि, •उद्योग, •यातायात, •जनजीवन	पाठ – 31 यूरोप महाद्वीप– आर्थिक स्वरूप	प्रस्तावना– बच्चों जैसा कि हम जानते है कि हमारे आस–पास का कोई शहर या गाँव किसी न किसी वजह से प्रसिद्ध, समृद्ध या उसकी कोई न कोई पहचान चाहे वह रोजगार या उद्योग के क्षेत्र में होती है जैसे पंजाब की समृद्धता का कारण– कृषि, सिंचाई, दिल्ली मुबंई आदि महानगर–रोजगार की उपलब्धता, यातायात सुविधा की वजह से पहचाने जाते हैं। परिणाम स्वरूप यह शहर अन्य शहरों की तुलना में ज्यादा उन्नत हैं। वैसे ही विश्व के मानचित्र पर यूरोप महाद्वीप जो कि आर्थिक दृष्टि से, प्रोद्यौगिक	•यूरोप के खनिजों का मानचित्र। •यूरोप का रेखा मान चित्र। •यूरोप–प्रमुख फसलें मानचित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	जानना। • यूरोप के प्रमुख पर्वत, नदी व सागरों के नाम जानना। • यूरोप की वनस्पतियों के वितरण को जानना। • यूरोप की जलवायु दशाओं को जानना।	वनस्पति की प्रमुख विशेषता बताइए। •यूरोप की जलवायु पर किन हवाओं का प्रभाव सबसे अधिक है?	भरिए।	अर्न्तसंबंध पता लगाते हैं। • यूरोप के भौतिक स्वरूप को मानचित्र में दर्शाते हैं।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• यूरोप के औद्योगिक विकास के बारे में जानना। •यूरोप की फसलों, उद्योग व यातायात विकास के बारे में जानना। •यूरोप के खनिजों को	• यूरोप के चार कोयला उत्पादक देशों के नाम बताइए। •भूमध्य सागरीय जलवायु वाले देशों में किसकी खेती अधिक होती है। •यूरोप के खनिजों एवं कृषि पर आधारित उद्योगों की सूची बनाइए। • यूरोप में आर्थिक प्रगति अधिक क्यों हुई है?	• यूरोप के खनिजों को मानचित्र में दर्शाइये? •समाचार पत्रों व पत्रिकाओं से ग्रेट ब्रिट्रेन, फ्राँस व जर्मनी देशों की जानकारी दिए गए बिन्दुओं पर एकत्रित करें, खान-पान, वेशभूषा, भ्रमण स्थल।	• कृषि, खनिज व उद्योग किसी क्षेत्र/देश के विकास में किस प्रकार सहायक है का विश्लेषण करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		विकास, गेंहू उत्पादन, सिंचाई की सुविधाओं, रसीले फलों की खेती तथा पशुपालन में विश्व प्रसिद्ध हैं। जिससे यूरोप महाद्वीप के देश आर्थिक रूप से सुदृढ़ एवं उन्नत देशों की सूची में शामिल हैं। •यूरोप के रेखा मानचित्र में फसलों का वितरण अंकित कराना। •यूरोप के खनिजों का मानस चित्राकंन समूह में बनवाकर कक्षा में प्रस्तुतिकरण कराना। •यूरोप के औद्योगिक विकास पर समूह में चर्चा करना। •कार्ड दिखाकर यूरोप के प्रमुख देशों की खानपान, वेशभूषा, भ्रमण स्थल, आर्थिक स्थिति की जानकारी दें।	
•स्थिति,विस्तार •धरातल, •जलवायु, •वनस्पति, •जीव जन्तु	पाठ – 32 अफ्रीका महाद्वीप – भौगोलिक स्वरूप	प्रस्तावना – शिक्षक विश्व का मानचित्र दिखाकर विद्यार्थियों से निम्न प्रश्न पूछें– 1. अफ्रीका महाद्वीप को पहचानें। 2. अफ्रीका महाद्वीप किन महासागरों से घिरा है? 3. मुख्य अक्षांश रेखाएं बताएं जो अफ्रीका महाद्वीप से होकर गुजरती हैं? • मिस्त्र का वरदान नील नदी किस महाद्वीप में है? • अफ्रीका महाद्वीप के भौतिक मानचित्र का कक्षा में अवलोकन कराएँ। फिर विश्व मानचित्र में अफ्रीका महाद्वीप की स्थिति बतायें कि क्षेत्रफल की दृष्टि से	•विश्व का मानचित्र •अफ्रीका महाद्वीप का राजनैतिक एवं प्राकृतिक मानचित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	मानचित्र में दर्शाना।			
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• अफ्रीका महाद्वीप की विश्व में स्थिति व विस्तार को जानना। •अफ्रीका महाद्वीप की धरातलीय विशेषताओं को जानना। •अफ्रीका के देश व	• अफ्रीका महाद्वीप की स्थिति व विस्तार बताइए? •अफ्रीका महाद्वीप की धरातलीय विशेषताओं को बताईये? •अफ्रीका के प्रमुख मरूस्थलों के नाम बताइए। •"सवाना" से आप क्या समझते हैं? •अफ्रीका में पाये जाने	• प्रमुख पर्वत, पठार, झीलों व नदियों को मानचित्र में दर्शाईये? •अफ्रीका में पाए जाने वाले जानवरों के चित्र एकत्रित कर एलबम बनाए।	• अफ्रीका की वनस्पति व जीव-जंतुओं की विविधता को निर्धारित करने वाले कारणों और कारकों को बताते हैं।

<table>
<tr><th>अवधारणा क्षेत्र</th><th>पाठ का नाम और क्रमांक</th><th>पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना</th><th>सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td>विश्व का दूसरा बड़ा महाद्वीप है।
•अफ्रीका महाद्वीप की धरातलीय विशेषताओं को मानचित्र दिखाकर स्पष्ट करना।
•अफ्रीका महाद्वीप के प्रमुख पर्वत, पठार, झीलें, जलप्रपात, मरूस्थल व नदियों की सूची बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराएँ।
• अफ्रीका की वनस्पति व जीव जन्तुओं के नाम खोजकर लिखने को दें।</td><td></td></tr>
<tr><td>•कृषि, फसलें, खनिज, यातायात व परिवहन</td><td>पाठ – 33 अफ्रीका महाद्वीप – आर्थिक स्वरूप</td><td>प्रस्तावना– किसी भी क्षेत्र की आर्थिक स्थिति वहां पर पायी जाने वाले संसाधनों पर निर्भर करती है। कृषि, खनिज, उद्योग और यातायात महत्वपूर्ण संसाधन है। अफ्रीका महाद्वीप की आर्थिक स्थिति के विकास में यहाँ की कृषि, खनिज पदार्थ, यातायात एवं परिवहन का बड़ा महत्व है।
•अफ्रीका महाद्वीप में कृषि के पिछडेपन होने के कारणों पर चर्चा करना।
•अफ्रीका महाद्वीप में उगाई जाने वाली फसलों को मानचित्र में दर्शाने की गतिविधि कराना।
•महाद्वीप में पाए जाने वाले प्रमुख खनिज व उनके उत्पादक देशों की तालिका बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना।
•अफ्रीका महाद्वीप से आयात -निर्यात होने वाली वस्तुओं की तालिका बनवाकर प्रस्तुत कराना–
<table>
<tr><th>आयात होने वाली वस्तुएँ</th><th>निर्यात की जाने वाली वस्तुएँ</th></tr>
<tr><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td></tr>
</table>
</td><td>•अफ्रीका का रेखा मानचित्र।
•अफ्रीका में उगाई जाने वाली फसलों का मानचित्र।
•प्रमुख खनिज व उनके उत्पादक देशों की तालिका</td></tr>
</table>

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	राजधानियों के नाम मानचित्र में अंकित करना। •प्रमुख पर्वत, पठार, झीलों व नदियों को मानचित्र में दर्शाना।	वाले 5 जीव जन्तुओं के नाम बताइए। •अफ्रीका में औद्योगिक विकास कम होने के क्या कारण है।		
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	•अफ्रीका में उगाई जाने वाली फसलों को मानचित्र में दर्शाना। •अफ्रीका महाद्वीप में कृषि के पिछडेपन के कारण को जानना। •अफ्रीका के प्रमुख खनिज पदार्थों के बारे में जानना। •आयात निर्यात की जाने वाली वस्तुओं को जानना।	•अफ्रीका में उगाई जाने वाली फसलों को मानचित्र में दर्शाईये? •मिस्त्र में किस प्रकार की कपास उत्पन्न होती है? •अफ्रीका महाद्वीप में कृषि के पिछडेपन के कारणों को बताईये? •अफ्रीका के तीन महत्वपूर्ण खनिजों के नाम लिखिए। •अफ्रीका महाद्वीप में आयात निर्यात की जाने वाली वस्तुओं के नाम बताइए। •बुशमेन तुरेग और पिगमी आदिवासी जातियाँ अफ्रीका के किन-किन क्षेत्रों में पाये जाती हैं?	•आपके निवास क्षेत्र में आयात एवं निर्यात होने वाली वस्तुओं की तालिका बनावें।	•कृषि, खनिज व यातायात के साधन किसी क्षेत्र/देश के विकास में किस प्रकार सहायक है। का विश्लेषण करते हैं।

सामाजिक विज्ञान (कक्षा- 7)
सीखने की संप्राप्तियाँ (Learning Outcomes)

बच्चे –

- दिन, रात व ऋतुओं की कार्य पद्धति का प्रदर्शन करते हैं।
- वायुमंडल की परतों को चित्र में पहचानते हैं।
- वायुमंडल के संघटकों और संरचना की व्याख्या करते हैं।
- वायु की उपलब्धता पर प्रयोग कर समझाते हैं।
- मौसम एवं जलवायु में उदाहरण देकर अन्तर करते हैं।
- चित्र में ज्वार – भाटा की स्थिति का विश्लेषण करते हैं।
- धरातल पर उपलब्ध जल के वितरण एवं जल संरक्षण की आवश्यकता का वर्णन करते हैं।
- भारत और विश्व के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और उनके जीवन के बीच अंतर्संबंध का पता लगाते हैं।
- विश्व मानचित्र या ग्लोब पर विभिन्न जलवायु क्षेत्रों के वितरण और विस्तार को चिन्हित करते हैं।
- वनस्पति व जीव जन्तुओं की विविधता को निर्धारित करने वाले कारणों और कारको को बताते हैं। जैसे – जलवायु, भू–भाग आदि।
- प्राकृतिक संसाधन जैसे वायु, जल, ऊर्जा, वनस्पति व जीव जन्तुओं के संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता दर्शाते हैं।
- किसी विशेष क्षेत्र के विकास को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण करते हैं।
- विभिन्न कालों के इतिहास के अध्ययन के लिए स्त्रोतों का उदाहरण देते हैं।
- मध्यकाल में एक स्थान पर हुए प्रमुख ऐतिहासिक विकास को अन्य स्थान में हुए विकास के साथ संबंद्ध करते हैं।
- मध्यकाल में हुए सामाजिक – राजनीतिक एवं आर्थिक परिवर्तनों की व्याख्या करते हैं।
- विभिन्न साम्राज्यों द्वारा सेना के नियंत्रण हेतु अपनाए गए प्रशासनिक तरीकों और रणनीतियों का विश्लेषण करते हैं। जैसे खिलजी, तुगलक एवं मुगल आदि।

- विभिन्न शासकों की नीतियों की तुलना करते हैं।
- मंदिरों, मकबरों और मस्जिदों के निर्माण में जो विशिष्ट शैलियाँ और तकनीकी विकसित हुई उनका उदाहरण सहित वर्णन करते हैं।
- उन कारकों का विश्लेषण करते है जिनसे नवीन धार्मिक विचारों और आन्दोलनों (भक्ति एवं सूफी) का अभ्युदय हुआ।
- प्रचलित सामाजिक व्यवस्था में भक्ति मार्ग एवं सूफी संतों की कविताओं से निष्कर्ष निकालते हैं।
- मराठा शासन व्यवस्था का वर्णन करते हैं।
- भारतीय संविधान की प्रस्तावना के बिन्दुओं के भावों को समझते है।
- अपने क्षेत्र के संबंध में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों को समानता के अधिकार के संदर्भ में व्याख्या करते है।
- अपने क्षेत्र के सामाजिक, राजनीति मुद्दों की भारत के संविधान में उल्लेखित मूलभूत अधिकार एवं कर्तव्यों के संदर्भों में उदाहरण सहित व्याख्या करते हैं।
- किसी परिस्थिति में मूलभूत अधिकारों के हनन, संरक्षण और बढ़ावा देने के लिए ज्ञान का अनुप्रयोग करते हैं। (बाल अधिकार के संदर्भ में)
- राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के बीच अंतर करते हैं।
- कानून बनाने की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं।
- लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं।
- राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश के मानचित्र में अपने संसदीय क्षेत्र को चिन्हित करते हैं और स्थानीय सांसद का नाम बताते है।
- स्थानीय सरकार और राज्य सरकार के बीच अंतर करते हैं।
- विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं।
- राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के मानचित्र में अपने विधान सभा क्षेत्र को पहचानते हैं और स्थानीय विधायक का नाम बताते है।
- कुछ महत्वपूर्ण मामलों का संदर्भ करते हुए भारत में न्यायिक व्यवस्था के कार्यो का वर्णन करते हैं।
- किसी आवासीय क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और वहाँ के जीविकोपार्जन के तरीकों के मध्य संबंधो की व्याख्या करते हैं। उदाहरण के लिए जनजातियाँ व खानाबदोश।

(8)

स्व मूल्यांकन

पाठ – 1

भारत और विश्व

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 2

दक्षिण भारत के राज्य

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पेडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 3

उत्तर भारत के राज्य

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 11

दिल्ली सल्तनत

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 12

सल्तनत कालीन प्रशासन एवं जनजीवन

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 13

मुगल साम्राज्य की स्थापना एवं उत्कर्ष

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 14

वैभव एवं विलासिता का युग

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 22

औरंगजेब तथा मुगल साम्राज्य का पतन

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 23

मुगल कालीन प्रशासन तथा जनजीवन

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 24

सिक्ख एवं मराठा शक्ति का उत्कर्ष

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 4

हमारा संविधान

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 5

मौलिक अधिकार और कर्तव्य

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 6

केन्द्र की सरकार

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 15

राष्ट्रपति एवं केन्द्रीय परिषद

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 16

राज्य की सरकार

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 17

राज्यपाल एवं मंत्रीपरिषद्

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 25

हमारी न्याय पालिका

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 26

बाल अधिकार एवं मानव अधिकार

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 27

भारत की जन जातियां

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 7

पृथ्वी की गतियां

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 8

वायु मण्डल

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 9

तापमान

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 10

वायुदाब और पवन

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 18

आर्द्रता एवं वर्षा

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 19

मौसम और जलवायु

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 20

जलमण्डल

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 21

समुद्र की गतियां

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 28

एशिया महाद्वीप- भौगोलिक स्वरूप

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 29

एशिया महाद्वीप - आर्थिक स्वरूप

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 30

यूरोप महाद्वीप भौगोलिक स्वरूप

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 31

यूरोप महाद्वीप- आर्थिक स्वरूप

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 32

अफ्रीका महाद्वीप - भौगोलिक स्वरूप

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 33

अफ्रीका महाद्वीप - आर्थिक स्वरूप

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

(9)

कक्षा – 8 के लिए
(अ) सक्रिय अधिगम प्रविधि पाठ योजना

संदर्भित पाठ : हमारे राष्ट्रीय लक्ष्य
विषयांश : मानव अधिकार
समयावधि : 90 मिनट
शिक्षण विधि : स्व–अध्ययन
सहायक स्त्रोत सामग्री: संयुक्त राष्ट्र के घोषणा पत्र का चार्ट, शब्दकोश।

प्रारंभिक गतिविधि (Introduction)

राजू एक गरीब छात्र था। अपने परिवार के भरण–पोषण में माता–पिता की मदद करने के लिए वह होटल में काम करता था। उसे पढ़ने की बहुत इच्छा थी। अपने काम के कारण वह अधिकतर समय स्कूल नहीं जा पाता था। उसका एक मित्र था मोहन। वह रात को पढ़ाई करता था और उस समय अपने मित्र राजू को भी अपने साथ बुलाकर पढ़ाता था। इस प्रकार पढ़ाई करके राजू ने परीक्षा दी और वह सफल हो गया।

1. राजू पढ़ाई के लिए विद्यालय क्यों नहीं जा पाता था?
2. वह परीक्षा में सफल कैसे हुआ?

शिक्षा प्राप्त करना हमारा अधिकार है। बिना अधिकारों के व्यक्ति का सर्वांगीण विकास संभव नहीं होता है। वे अधिकार जो व्यक्तियों को संविधान से मिलते हैं उन्हें मौलिक अधिकार कहते हैं। मनुष्य को जो अधिकार प्रकृति से प्राप्त होते हैं व कानून तथा प्रशासन द्वारा पोषित होते हैं, मानव अधिकार कहा जाता है।

मौनवाचन (Reading)

- शिक्षक सभी छात्रों को अपनी पुस्तक से मानव अधिकार की विषय वस्तु का वाचन करने हेतु कहेंगे। (पृ.क्र. 47 से पृ.क्र. 49 तक)
- छात्रों को नवीन/कठिन शब्द अपनी पुस्तक में रेखांकित करने को कहें। उदा. सार्वभौमिक घोषणा, संरक्षण आदि।
- छात्र समूह के सदस्यों से चर्चा कर कठिन शब्दों के अर्थ जानने की कोशिश करेंगे।

- अंत में शिक्षक द्वारा श्यामपट पर कठिन शब्दों के अर्थ लिखकर छात्रों को नोटबुक में लिखने के लिए कहा जावेगा।

मानस चित्रांकन (Mind Map)

सभी छात्र विषयवस्तु को समझकर विषयवस्तु आधारित मानस चित्रांकन तैयार कर सारांशीकरण करेंगे।

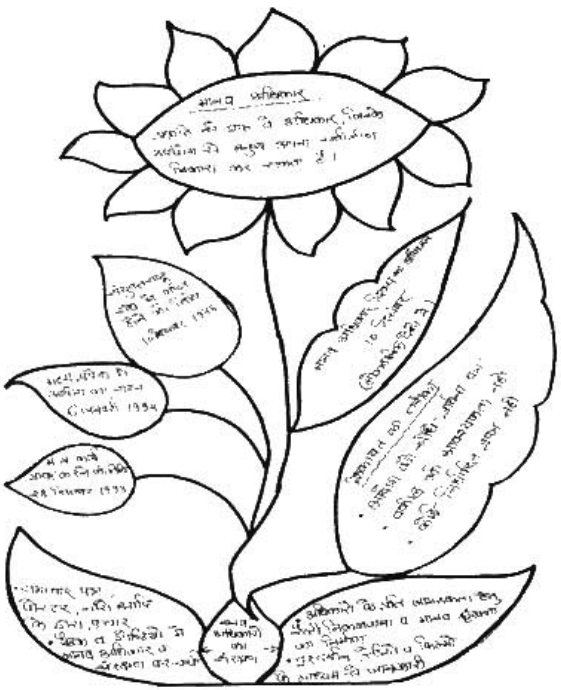

सारांशीकरण (Summarization)

- समूह के छात्र अपने समूह से एक मानस चित्रण का चयन प्रस्तुतिकरण करेंगे।
- समूह आपस में चर्चा करके अवधारणा के बारे में स्पस्ट होंगे तथा मानस चित्रण को अंतिम रूप देंगे।
- छात्र अपनी समझ के आधार पर अवधारणा का सारांश अपनी नोटबुक में लिखेंगे।

समूह चर्चा व प्रस्तुतिकरण (Group Discussion and Presentation)

- शिक्षक क्रम से प्रत्येक समूह को अपने मानस चित्रण की प्रस्तुति के लिए आमंत्रित करेगा।
- छात्रों की प्रस्तुतिकरण के बाद शिक्षक संपूर्ण विषय वस्तु का मानस चित्रांकन बनाकर छात्रों को विषय वस्तु की जानकारी देंगे।

सुदृढ़ीकरण व पुनर्बलन (Consolidation and Reinforcement)

शिक्षक, संपूर्ण विषयवस्तु को क्रमबद्ध रूप से स्पष्ट करते हुए आवश्यक बिंदुओं पर समझाइश देंगे, इसको वे श्यामपट पर मानस चित्रांकन, सारांशीकरण के माध्यम से प्रस्तुति कर सकते हैं।

- शिक्षक द्वारा निर्मित मानस अभिलेख को छात्र नोटबुक में उतारेंगे।
- पुनर्बलन के लिए क्रियाकलाप प्रयोग शिक्षक छात्रों के सामने प्रस्तुत कर सकता है।
- इस ज्ञान का व्यावहारिक जीवन में अनुप्रयोग बताया जा सकता है।

आकलन (Assessment)

शिक्षक निम्न प्रश्न छात्रों से पूछें–

- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानव अधिकारों की घोषणा कब पारित की?
- अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस कब मनाया जाता है?
- मध्यप्रदेश में मानवाधिकार आयोग का गठन कब किया गया ?
- भारतीय संसद ने मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम कब पारित किया?

विशेष शिक्षण (Special Teaching)

- आकलन के पश्चात आवश्यक होने पर शिक्षक सहायक सामग्री/ गतिविधि का आयोजन कर उपचारात्मक शिक्षण कर सकते है।

- मानवाधिकार की सार्वभौमिक घोषणा का चार्ट बनावें।
- मानव अधिकार आयोग के पास शिकायत भेजने के तरीके का उल्लेख कीजिए।
- शिक्षक कमजोर बच्चों हेतु गतिविधियों को आयोजित करें।

लेखन/गृहकार्य (Writing Work)

1. मानव अधिकारों के प्रति जागरूकता लाने हेतु प्रयासों का उल्लेख कीजिए।
2. मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के पास शिकायत भेजने का तरीका लिखिए।

(ब) सीखने का मेट्रिक्स
कक्षा- आठवीं
(सामाजिक विज्ञान)

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• भारत में यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों का आगमन, आगमन के समय भारत की राजनैतिक स्थिति •आंग्ल-फ्रांसीसी प्रतिस्पर्धा के परिणाम •अंग्रेजों की सफलता के कारण। •ईस्ट इण्डिया कंपनी के शासन का विस्तार।	पाठ - 1 भारत में ब्रिट्रिश सत्ता की स्थापना और विस्तार	प्रस्तावना- शिक्षक पूछें- क्या आपके दादा-दादी, माता-पिता प्रारंभ से ही यहीं के निवासी हैं? अथवा किसी अन्य स्थान से आकर यहाँ बसे हैं? कुछ विद्यार्थी के द्वारा अन्य स्थान से आकर बसना बताया जा सकता है। शिक्षक बाहर से उस स्थान पर आकर बसने वाले विद्यार्थियों से उसका कारण पूछें। उत्तर संभवतः इनमें से कोई प्राप्त होंगे- रोजगार के कारण/उद्योग स्थापना हेतु। शिक्षक बताएं कि जिस तरह से परिवार एक ही देश के अलग-अलग हिस्सों में जाकर निवास करते हैं उसी प्रकार पूर्व में भारत में भी यूरोपीय देशों से लोगों ने आना शुरू किया। जिसका कारण यहाँ कि विशाल संपदा, उपजाऊ भूमि, कृषि व अन्य संसाधन थे। 15वीं शताब्दी के यूरोप में घटित हुई कुछ घटनाओं, औद्यौगिक क्रान्ति, भौगोलिक खोजों के प्रति आकर्षण ने भारत एवं पूर्व के देशों के प्रति लोगों में आकर्षण उत्पन्न किया। सर्वप्रथम पुर्तगाली भारत में आये उसके पश्चात अन्य यूरोपीय व्यापारी कंपनियाँ भारत में आईं एवं उन्होंने भारतीय क्षेत्र में अपना व्यापार फैलाया और धीरे-धीरे भारत में अपना साम्राज्य स्थापित किया। •विश्व के मानचित्र में यूरोपीय कंपनियों के आगमन के मार्ग को प्रदर्शित करते	• भारत का मानचित्र •यूरोपीय व्यापारिक कम्पनियों के आगमन का कालानुक्रमा अनुसार तालिका का चार्ट।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• विदेशी कम्पनियाँ भारत क्यों आई यह जानना। •विभिन्न यूरोपीय कम्पनियों में प्रतिस्पर्धा क्यों हुई यह जानना। •व्यापारिक प्रतिस्पर्धा में ब्रिटिश कम्पनी क्यों सफल हुई यह जानना। •ब्रिटिश कम्पनी ने भारत में किस तरह अपना शासन स्थापित किया यह जानना। •राज्य विस्तार के लिए अंग्रेजों द्वारा कौन-कौनसी नीतियाँ	• भारत में यूरोपीय व्यापारी कंपनियों का आगमन क्यों हुआ? •समुद्री मार्ग से कौन यूरोपीय सर्वप्रथम भारत आए थे? •यूरोपीय कम्पनियों में प्रतिस्पर्धा होने के कारणों को बताईये? •राज्य विस्तार के लिए अंग्रेजों द्वारा कौन-कौन सी नीतियाँ अपनाई गईं। •प्लासी क्यों प्रसिद्ध है? •ईस्ट इंडिया कम्पनी व टीपू सुल्तान के बीच संघर्ष के प्रमुख कारण क्या थे?	• यूरोपीय व्यापारिक कम्पनियों के आगमन की कालानुक्रमानुसार तालिका तैयार करें- कंपनी का नाम / समय प्रथम द्वितीय तृतीय चतुर्थ	• यूरोपीय कम्पनियों में प्रतिस्पर्धा होने के कारणों को बताते हैं। ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी सशक्त व प्रभावशाली कैसे बनी यह स्पष्ट करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		हुए स्थल मार्ग जो कि कुस्तुन्तुनिया से होकर आने वाला मार्ग था एवं इसके बंद हो जाने की वजह से समुद्री मार्ग (जल मार्ग) से भारत के दक्षिणी क्षेत्र से भारत में प्रवेश किया इसे स्पष्ट करना। •भारत के मानचित्र पर ब्रिटिश कम्पनी द्वारा स्थापित कोठियों/फैक्टरियों के स्थानों को दर्शाने की गतिविधि बच्चों से कराना तत्पश्चात प्रस्तुतिकरण करना। •अंग्रेजों एवं फ्रांसीसी व्यापारिक कम्पनियों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण व परिणाम को तालिका बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना। •ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने सत्ता विस्तार के लिए जिन नीतियों को अपनाया उनके प्रमुख बिन्दुओं को चार्ट पर तैयार कर समझाना।	
• ब्रिटिश प्रशासन नीतियाँ एवं प्रभाव –दोहरा शासन प्रबंध। •रेग्युलेटिंग एक्ट एवं पिट्स इण्डिया एक्ट •स्थाई बन्दोबस्त ब्रिटिश शासन की आर्थिक	पाठ – 2 ब्रिटिश प्रशासन नीतियाँ एवं प्रभाव	प्रस्तावना – शिक्षक, बताएं कि किसी भी कार्य को करने के लिए कुछ नियम, कानून,नीतियाँ बनाई जाती हैं। जैसे आपके परिवार , स्कूल, देश आदि को चलाने के लिए कुछ नीतियाँ, नियम ऐसे बनाए जाते हैं जिसके अनुसार हम नियंत्रित होकर चलते हैं। परन्तु यदि ये नियम यदि आपका शोषण करने/ परेशान करने के लिए हों तो क्या होगा? निश्चित ही आप इसका विरोध करेंगे। इसी प्रकार आधुनिक काल में ब्रिटिश	• ब्रिटिश शासन की आर्थिक नीतियों एवं सुधारों चार्ट •भारत का रेखा मानचित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	अपनाई गई यह समझना।			
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• दोहरे प्रशासन से आशय को जानना। •प्रशासन में सुधार हेतु बनाए गए अधिनियमों के प्रावधानों को समझना। •स्थाई	• दोहरे शासन से आशय को बताईये? •स्थाई बन्दोबस्त से क्या आशय है? इसके दुष्परिणाम बताइये। •किस गवर्नर जनरल द्वारा पाश्चात्य शिक्षा को भारतीय विषयों के आधार पर बढावा दिया था? •ब्रिटिश शासन द्वारा रैय्यतवाड़ी प्रथा क्यों	•अंग्रेजों की नीतियों ने भारतीय जनजीवन को किस प्रकार प्रभावित किया था। ग्राम के बड़े बुजुर्ग से चर्चा कर आलेख तैयार करें।	•देश के विभिन्न भागों में औप निवेशिक कृषि संबंधी व आर्थिक नीतियों के प्रभावों के अंतर को स्पष्ट करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
नीतियाँ एवं सुधारों के उद्देश्य।		सरकार द्वारा भारतीयों के लिए भी कुछ इसी प्रकार की नीतियाँ /कानून बनाए गए जो कभी कर को लेकर, तो कभी शिक्षा, प्रशासन, व्यापार को लेकर बनती रहीं। ये नीतियाँ भारतीयों के शोषण के लिए होती थी और कुछ कानून ब्रिटिश सरकार द्वारा उन्हीं के अधिकारी को नियंत्रण में करने के लिए बनाई जाती थीं। जैसे- रेग्यूलेटिंग एक्ट, पिट इण्डिया एक्ट आदि। •रेग्युलेटिंग एक्ट एवं पिट्स इण्डिया एक्ट के प्रावधानों को 2 अलग-अलग समूहों में तैयार कराकर प्रस्तुतिकरण कराना। •भू-राजस्व व्यवस्था एवं जमींदारी व्यवस्था पर चर्चा कराना। •ब्रिटिश शासन की आर्थिक नीतियों एवं सुधारों पर वाद-विवाद कराना।	
• ब्रिटिश सत्ता के विरूद्ध हुए विद्रोह। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के कारण, घटनाएँ एवं असफलता के कारण।	पाठ - 3 ब्रिटिश शासन के विरूद्ध संघर्ष	प्रस्तावना - शिक्षक बताएं कि बहुत साल पहले हमारे भारत में अंग्रेज एक मेहमान व्यापारी के रूप में आये और धीरे-धीरे उन्होंने संपूर्ण भारत पर अधिकार कर लिया। चूँकि भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग धर्म जाति के लोग निवास करते हैं इसीलिए अंग्रेजों ने उन पर कब्जा कर उनका शोषण किया। उन क्षेत्रों में बसे विभिन्न जाति धर्म के लोगों द्वारा विद्रोह की शुरूआत की। इसी विद्रोह ने एक बड़े आन्दोलन का रूप धारण कर लिया। फलस्वरूप 1857 की क्रान्ति हुई। •भारत के रेखा मानचित्र में ब्रिटिश शासन	• भारत के रेखा मानचित्र। •1857 के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख क्रांतिकारियों के चित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	बन्दोबस्त व्यवस्था को जानना। •ब्रिटिश शासन की आर्थिक नीतियाँ व सुधारों कार्यों से समाज पर प्रभाव को जानना।	लागू की गई? •रेग्युलेटिंग एक्ट के प्रमुख उद्देश्य बताइए। •ब्रिटिश शासन की आर्थिक नीतियों का भारतीय उद्योगों पर क्या प्रभाव पड़ा? •बंगाल में आर्थिक संकट के क्या कारण थे?		
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• अंग्रेजों के विरूद्ध समय – समय पर विद्रोह क्यों हुए यह जानना। •1857 के कारणों को जानना। •1857 के स्वतंत्रता संग्राम में	• अंग्रेजों के विरूद्ध हुए प्रमुख विद्रोहों को बताईये? •1857 के स्वतंत्रता संग्राम के कारणों को बताईये? •1857 के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नेताओं के नाम व उनके योगदान को बताइए। •1857 के स्वतंत्रता	• यदि आप बहादुर शाह जफर की जगह होते तो 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की किन कमियों को दूर करने की कोशिश करते?	• 1857 की क्रांति के उद्भव, प्रकृति और विस्तार एवं इससे क्या सीख प्राप्त हुई को स्पष्ट करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		की नीतियों के विरूद्ध विद्रोहों के स्थलों को प्रदर्शित करें एवं ये विद्रोह क्यों हुए उनके कारणों को बताना। •1857 के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख कारणों की तालिका बनवाकर उस पर चर्चा करना। •भारत के रेखा मानचित्र में 1857 के संग्राम के प्रमुख क्षेत्रों को दर्शाना। •1857 के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख क्रांतिकारियों के चित्र एकत्र कर एलबम बनाना एवं प्रत्येक व्यक्ति के योगदान के बारे में बताना। •1857 के स्वतंत्रता संग्राम पर वाद विवाद अथवा क्विज कराना।	
•1858 के स्वतंत्रता संग्राम के बाद प्रशासनिक परिवर्तन। • ब्रिटिश शिक्षा नीति। • सेना का पुनर्गठन।	पाठ – 8 1858 ई. के बाद ब्रिटिश प्रशासन और नीतियाँ	प्रस्तावना– प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन के वीरों ने अपना बलिदान देते हुये भारत में अंग्रेजी शासन पर प्रहार कर न केवल अपनी शाक्ति का परिचय दिया वरन् अंग्रेजी शासकों की नींव हिला दी। यहां से भारतीय इतिहास में एक नया अध्याय आंरभ हुआ। इसके बाद ब्रिटिश सरकार ने अपनी प्रशासनिक व्यवस्था और नीतियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन किये। •बच्चों को दो समूहों में बांटकर महारानी की घोषणा के बिंदुओं की पचियाँ बनवाकर तत्पश्चात् एक समूह दूसरे समूह को पढ़कर सुनाना व उस पर समग्र में चर्चा करना। •1858 ई. के बाद ब्रिटिश प्रशासन में किए गए परिवर्तन के मुख्य बिन्दुओं पर क्विज कराना। •ब्रिटिश शिक्षा नीति के विभिन्न चरण व उनकी मूल भावना को बताना – 1. वुड प्रस्ताव – सन्.....	• ब्रिटिश शिक्षा नीतियों का चार्ट •ब्रिटिश प्रशासनिक नीतियों में परिवर्तन का चार्ट

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नेताओं के योगदान को जानना। •1857 का स्वतंत्रता संग्राम असफल क्यों हुआ यह जानना।	संग्राम के असफल रहने के क्या कारण थे? • 1857 के आन्दोलन का भारतीय समाज पर क्या प्रभाव पड़ा।		
2 कालखण्ड (90 मिनिट प्रति कालखण्ड)	•ब्रिटिश प्रशासनिक नीतियों में परिवर्तन के कारणों को जानना। •1858 ई. के बाद सेना, शिक्षा व आर्थिक नीति में हुए परिवर्तन को जानना। •वर्तमान शिक्षा पद्धति की तुलना ब्रिटिश शिक्षा नीति से कर सकेगा।	• 1858 ई. के स्वतंत्रता संग्राम के बाद ब्रिटिश प्रशासन में किए गए परिवर्तनों को बताईये? •1858 ई. के बाद ब्रिटिश सरकार की आर्थिक नीति का भारत पर क्या प्रभाव पड़ा? •ब्रिटिश शिक्षा नीति की मुख्य बातें बताईये। •स्थानीय स्वशासन का जनक किसे कहा जाता है?	•इग्लैंण्ड की महारानी की घोषणा का चार्ट बनाकर कक्षा में प्रदर्शित करें।	• भारत की नवीन शिक्षा नीति के संस्थानीकरण को स्पष्ट करते हैं। • औपनिवेशिक काल के दौरान भारत में पूर्व प्रचलित नगरीय केन्द्रों और हस्तशिल्प उद्योगों की स्थिति और नए नगरीय केन्द्रों व

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		2. हण्टर आयोग – ..... 3. विश्वविद्यालय अधिनियम – ... 4. सार्जेण्ट योजना – ..... • सेना के पुनर्गठन की मुख्य विशेषताओं पर चार्ट बनाकर चर्चा करना।	
• उन्नीसवीं सदी में भारतीय समाज की स्थिति। • ब्रम्ह समाज • आर्य समाज • प्रार्थना समाज • रामकृष्ण मिशन • मुस्लिम समाज एवं सुधार आंदोलन। • विज्ञान व प्रेस का विकास।	पाठ – 9 धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आंदोलन एवं साँस्कृतिक चेतना का विकास।	प्रस्तावना– वर्तमान में हम जहाँ रहते है आस-पास कई कार्यक्रमों या शादी विवाह जैसे कार्यक्रमों में कई रीति-रिवाज ऐसे देखने को मिलते हैं, जो हमें या समाज के लिए गलत या व्यर्थ लगते हैं। जिसे हम सामाजिक परंपराओं के डर से अपनाये रहते हैं। जैसे- दहेज प्रथा, बाल विवाह, बहु-विवाह, बालश्रम आदि। इन्हें समाज से हटाना अति आवश्यक है। इसी तरह सैकड़ों साल पहले तत्कालीन समाज में कुछ कुरीतियाँ जैसे- सतीप्रथा, पर्दाप्रथा, छुआ-छूत, बलि प्रथा और महिला अशिक्षा आदि को जड़ से उखाड़ने के लिए प्रबुद्ध भारतीयों ने जो प्रयत्न किये जिन्हें धार्मिक व सामाजिक सुधार आन्दोलन और सांस्कृतिक चेतना का विकास या पुर्नजागरण के नाम से जाना जाता है। •भारतीय समाज सुधारकों के प्रमुख कार्यो की तालिका बनाकर उस पर चर्चा करे। •विद्यार्थियों को छोटे-छोटे समूहों में बांटकर अलग-अलग समाज सुधार संस्थाओं के कार्यों की पर्चियाँ बनाने को कहें तत्पश्चात् अलग-अलग समूह के सदस्य प्रत्येक पर्ची को पढ़कर सुनायें।	• भारतीय समाज सुधारकों के कार्यो व उन्नीसवीं सदी के समाज सुधारकों के चित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
				उद्योगों के विकास का विश्लेषण करते हैं।
2 कालखण्ड (90 मिनिट प्रति कालखण्ड)	• उन्नीसवीं सदी के समाज सुधारकों के बारे में जानना। •उन्नीसवीं सदी में समाज में व्याप्त बुराईयों को जानना। •समाज सुधारकों के प्रमुख कार्यो को जानना। •उन्नीसवीं सदी में विज्ञान व साहित्य के विकास के बारे में जानना।	• उन्नीसवीं सदी के समाज सुधारकों के नाम बताइए। • उन्नीसवीं सदी में समाज में व्याप्त बुराईयों पर अपने विचार व्यक्त करिए। • राजा राममोहन राय द्वारा सामाजिक हित मे किये गये कार्यों को बताइए। • उन्नीसवीं सदी में देश की प्रगति में विज्ञान के क्षेत्र में हुए विकास व प्रभाव बताएं। • 19वीं सदी में चलाए गए धार्मिक व सामाजिक आन्दोलनों का भारतीय समाज पर क्या प्रभाव पड़ा।	• उन्नीसवीं सदी में हुए प्रमुख समाज सुधारकों के चित्र एकत्रित कराकर स्क्रैप बुक बनवाए। •छात्रों से निम्न तालिका पूर्ण करवाएँ – संस्था | प्रमुख सुधार | स्थापना वर्ष ब्रह्म समाज | ..... | ..... आर्य समाज | ..... | ..... प्रार्थना समाज | ..... | ..... रामकृष्ण मिशन | ..... | ..... थियोसोफिकल सोसाइटी | ..... |	• उन्नीसवीं सदी में समाज में व्याप्त बुराईयों पर अपने विचार व्यक्त करते हैं। •उन्नीसवीं सदी में विज्ञान व साहित्य के विकास को बताते हैं।

<table>
<tr><th>अवधारणा क्षेत्र</th><th>पाठ का नाम और क्रमांक</th><th>पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना</th><th>सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td>•साहित्य व कला के विकास को बतायें।
•उन्नीसवीं सदी में विज्ञान एवं प्रेस के विकास जिसने भारतीय राजनीतिक परिदृश्य को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई इसे समझाना।</td><td></td></tr>
<tr><td>• अखिल भारतीय राष्ट्रीय संगठन
• उदारवादी कांग्रेस
• उग्रवाद
• मुस्लिम लीग
• कांग्रेस विभाजन के कारण
• गांधीजी की विचारधारा</td><td>पाठ – 17
राष्ट्रीय आन्दोलन 1885 – 1918</td><td>प्रस्तावना– वर्तमान में हम हमारे समाज में कई तरह के संगठन या संस्था को किसी विशेष लक्ष्य या मांग को पूरा करने के लिये संघर्ष करते देखते हैं। जिसमें एक ही समुदाय या धर्म विशेष को ध्यान में नहीं रखा जाता। अपितु इन संस्थाओं में सभी धर्म, प्रान्त या समाज के लोग एक साथ एक ही सार्वजनिक मुद्दा जैसे महिला सशक्तिकरण, नर्मदा बचाओं आंदोलन, विभिन्न कुरूतियों के विरूद्ध एक ही मंच से सब का प्रतिनिधित्व करते हैं वैसे ही 19 वी शताब्दी में कई ऐसे संगठन/संस्था जो एक ही मंच से राष्ट्रीय स्तर पर एक ही लक्ष्य " स्वतंत्रता के लिये स्वतंत्रता आंदोलन" में शामिल हुये। जैस– कांग्रेस, पुणे सार्वजनिक सभा, इंडिया एसोसिएशन आदि।
• बच्चों से निम्न तालिका पूर्ण कराकर उस पर प्रस्तुतिकरण कराना–
<table><tr><th>उदारवादी नेताओं के नाम</th><th>उग्रवादी नेताओं के नाम</th></tr><tr><td>.....</td><td>.....</td></tr><tr><td>.....</td><td>.....</td></tr><tr><td>.....</td><td>.....</td></tr></table></td><td>• राष्ट्रवादी आंदोलन के प्रमुख नेताओं के चित्र।
•मुस्लिम लीग की स्थापना के उद्देश्यों का चार्ट।</td></tr>
</table>

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 कालखण्ड (90 मिनिट प्रति कालखण्ड)	• राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्रता आन्दोलन के लिए गठित विभिन्न संगठनों/संस्थाओं के उददेश्यों व कार्यों को जानना। •नरम दल एवं गरम दल से आशय समझना। •मुस्लिम लीग की स्थापना के कारणों को जानना। •गॉधीजी द्वारा विश्वयुद्व के दौरान किए गए कार्यों को जानना।	• नरम दल एवं गरम दल के नेताओं के नाम बताइए। •मुस्लिम लीग द्वारा पृथक पाकिस्तान की मॉग किस अधिवेशन में की गई? •गॉधीजी द्वारा खेड़ा आन्दोलन कब और क्यों किया गया? •भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब व क्यों की गई? •प्रारंभिक वर्षो में कांग्रेस के मुख्य उद्देश्य क्या थे।	• राष्ट्रवादी आंदोलनों के प्रमुख नेताओं के चित्र एकत्र कर एलबम तैयार कराएँ जिसमें उनके व्यक्तित्व पर कम से कम 5 वाक्य भी लिखने को दें।	• 1870 से स्वतंत्रता प्राप्ति तक भारत के राष्ट्रीय आन्दोलनों को रेखांकित करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		मुस्लिम लीग की स्थापना किस तरह से हुई इसे चर्चा करते हुए उनके प्रमुख नेताओं के नाम एवं उद्देश्यों को श्यामपट् पर सूचीबद्ध कराना। • गांधीजी के राजनीतिक जीवन में प्रवेश को लघु कहानी के रूप में प्रस्तुत करना।	
• भारत में क्रांतिकारी आंदोलन - उदय के कारण •क्रांतिकारियों के प्रमुख कार्यक्रम, आंदोलन का विस्तार एवं प्रमुख क्रांतिकारी।	पाठ - 18 भारत में क्रांति कारी आंदोलन	प्रस्तावना - वर्तमान में हमारे समाज में हम प्रतिदिन कई प्रकार के आन्दोलनों जैसे- महिला शोषण, बालश्रम, मानव शोषण पर होते है जो कई बार हिंसक हो जाते है। 19वी-20 वी शताब्दी में कुछ इसी प्रकार के विषयों जैसे - आर्थिक असंतोष, शोषण, स्वतंत्रता को लेकर भारतीयों ने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ हिंसात्मक /अहिसात्मक संघर्ष भी किया। इस प्रकार का विरोध प्रदर्शन क्रांतिकारी आंदोलन के नाम से जाना जाता है। •प्रमुख क्रांतिकारियों के चित्र कक्षा में बच्चों को दिखायें तथा उनसे उनके बारे में बातचीत करना। •लघु कहानी के रूप में ब्रिटिश शासन के विरोध स्वरूप क्रांतिकारी आंदोलन के प्रारंभ तथा उनकी गतिविधियों को बताना। •क्रांतिकारी आंदोलनों के प्रमुख कार्यक्रमों की तालिका बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना। •निम्न तालिका को पूर्ण कराना -क्रांतिकारी आंदोलनकारियों के नाम	• क्रांतिकारियों के चित्र। •क्रांतिकारी आंदोलनों के प्रमुख कार्यक्रमों की तालिका का चार्ट। क्रांतिकारियों के चित्र। •क्रांतिकारी आंदोलनों के प्रमुख कार्यक्रमों की तालिका।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• क्रांतिकारी आन्दोलन के लिए उत्तरदायी पृष्ठभूमि को जानना। •क्रांतिकारी संगठनों के बारे में जानना। •प्रदेश अथवा स्थानीय क्रांतिकारियों के नाम व उनके कार्यों को जानना। •क्रांतिकारियों की प्रमुख गतिविधियों को जानना। •आजाद हिन्द फौज के बारे में जानना।	• क्रांतिकारी आन्दोलन का उदय क्यों हुआ? •मध्यप्रदेश अथवा स्थानीय क्रांतिकारियों के नामों की सूची तैयार करें। •क्रांतिकारियों की प्रमुख गतिविधियाँ बताईये? •आजाद हिन्द फौज का गठन किसने किया। उनका नारा क्या था? • राष्ट्रवाद का मुख्य कदम क्या था।	• कक्षा में प्रश्नोत्तरी का आयोजन करने के लिए कक्षा को दो समूह में बांटकर विभिन्न क्रांतिकारियों के नाम एवं कार्यों संबंधी प्रश्नोत्तरी एक-दूसरे समूह से करवाना।	• भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में क्रांतिकारियों के योगदान को स्पष्ट करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
•असहयोग आंदोलन •स्वराज दल का गठन •सविनय अवज्ञा आंदोलन •भारत छोड़ो आंदोलन	पाठ – 19 राष्ट्रीय आन्दोलन एवं स्वतंत्रता प्राप्ति	प्रस्तावना– वर्तमान में भारत में कई सामाजिक मुद्दों पर सामाजिक कल्याण की भावना को ध्यान में रखते हुये कई समाज सेवकों जैसे अन्ना हजारे, बाबा आमटे ,अरूंधती राय ने विभिन्न मुद्दों जैसे भ्रष्टाचार, नर्मदा बचाओ आन्दोलन आदि करते देखा होगा। इसी प्रकार 19 वी शताब्दी के उत्तरार्द्ध एवं 20 वी शताब्दी के पूर्वाद्ध में गांधी जी द्वारा ब्रिटिश सरकार के खिलाफ कई ऐसे आंदोलन किये गये जो आर्थिक एवं सामाजिक शोषण के विरूद्ध थे। जैसे चम्पारण आंन्दोलन, खेड़ा आन्दोलन, भारत छोड़ो आन्दोलन, असहयोग आन्दोलन, रोलेक्ट एक्ट,सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रमुख थे। असहयोग आंदोलन जिसने स्वतंत्रता प्राप्ति के प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई के कारणों व कार्यक्रम को चार्ट बनाकर प्रस्तुतिकरण करना। •विद्यार्थियों को दो समूह में बांटकर असहयोग आंदोलन को स्पष्ट करने के लिए रोल प्ले करवाना। •सविनय अवज्ञा आंदोलन को बताने के लिए सर्वप्रथम नमक जैसी वस्तु की आवश्यकता के बारे में बताये, तत्पश्चात् गांधी जी के विचारों को बताते हुए नमक कानून तोड़ने की गांधी	• राष्ट्रीय आन्दोलन की महत्वपूर्ण घटनाओं का चार्ट •भारत छोडो आन्दोलन के प्रमुख कार्यक्रमों व गतिविधियों का चार्ट।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु गांधी जी द्वारा चलाए गए प्रमुख आन्दोलन के बारे में जानना। • असहयोग आन्दोलन, सविनय अवज्ञा आन्दोलन, व भारत छोडो आन्दोलन के कारण, घटना व परिणाम को जानना।	•स्वदेशी आन्दोलन क्यों प्रारंभ किया गया। •जनरल डायर किस घटना के लिए जाने जाते है ? • नमक कानून तोड़ने के लिए गांधीजी द्वारा क्या किया गया बताईये? • भारत छोडो आंदोलन के परिणाम बताईये? • स्वराज दल के प्रमुख उद्देश्य क्या थे?	• राष्ट्रीय आन्दोलन की महत्वपूर्ण घटनाओं, कार्यक्रमों व तिथियों पर प्रश्नोत्तरी तैयार कर क्विज प्रतियोगिता कराना।	• 1870 से स्वतंत्रता प्राप्ति तक भारत के राष्ट्रीय आन्दोलनों को रेखांकित करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		जी की दाण्डी यात्रा की संक्षिप्त कहानी सुनाना। •दाण्डी यात्रा के कारण एवं परिणाम पर आलेख तैयार कर प्रस्तुतिकरण कराना। •भारत छोडो आन्दोलन के प्रमुख कार्यक्रमों व गतिविधियों पर छात्रों से कहानी विकसित कराना	
• राष्ट्रीय एकीकरण के सहायक तत्व •राष्ट्रीय एकीकरण के बाधक तत्व	पाठ – 4 राष्ट्रीय एकीकरण I	प्रस्तावना– राष्ट्रीय एकीकरण राष्ट्रीय अस्तित्व का आधार है। राष्ट्रीय एकीकरण का तात्पर्य है राष्ट्र में रहने वाले निवासियों के बीच जाति,पंथ,क्षेत्र और भाषा का भेदभाव किये बिना उनमें परस्पर अनुभूतियों और सुख दुख की भावना का होना। राष्ट्रीय एकीकरण मूलतः राष्ट्र में भावात्मक एकीकरण है। जैसे परिवार के विकास के लिये शांति व सहयोग जरूरी होता है उसी प्रकार देश के विकास के लिये राष्ट्रीय एकीकरण की भावना आवश्यक होती। •विभिन्न समाज सुधारकों के प्रेरक प्रसंग अथवा उनसे संबंधित कोई घटना को हाव–भाव के साथ कहानी के रूप में सुनाना। •देश–भक्ति आधारित गीत, फिल्म, वीडियो यू – ट्यूब की क्लिपिंग दिखाना/सुनाना। •राष्ट्रीय नारों, स्लोगन, प्रतीक चिन्हों का	• देश–भक्ति आधारित गीत, फिल्म, ऑडियो/ वीडियो द्वारा सुनाना/ दिखाना •राष्ट्रीय एकता संबंधी नारे तैयार करना।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 कालखण्ड (90 मिनिट प्रति कालखण्ड)	• भारतीय संस्कृति की विशेषताओं को जानना। •अनेकता में एकता से आशय को समझना। •राष्ट्रीय एकीकरण में सहायक तत्वों को जानना। •राष्ट्रीय एकीकरण में बाधक तत्वों को समझना।	• अनेकता में एकता के आशय को बताईये? •समान मौलिक अधिकार राष्ट्रीय एकीकरण में किस प्रकार सहायक हैं? •सांप्रदायिकता राष्ट्रीय एकीकरण में किस प्रकार बाधक हैं? •जातिवाद राष्ट्रीय एकीकरण में किस प्रकार बाधक हैं?	• प्रोजेक्ट कार्य – समाचार पत्रों, पत्रिकाओं में प्रकाशित राष्ट्रभक्ति से जुड़े समाचार, छायाचित्रों की कटिंग संग्रह कर एलबम तैयार करना। •राष्ट्रीय प्रतीक चिन्हों को संकलित कर एलबम तैयार करना।	• राष्ट्रीय एकीकरण को सुदृढ़ करने वाले कारकों व अवरोधों को चिन्हित करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		संकलन कर कक्षा में प्रस्तुत करना। •भारत में अनेकता में एकता के उदाहरण प्रस्तुत करना। •राष्ट्रीय एकीकरण के सहायक एवं बाधक तत्वों पर चार्ट तैयार कर चर्चा करें।	
•लोकतंत्र क्या है? •अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सहयोग •वयस्क मताधिकार •मतदान और उसका महत्व •लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक स्थितियाँ	पाठ – 5 हमारे राष्ट्रीय लक्ष्य	प्रस्तावना– शिक्षक विद्यार्थियों से प्रश्न करें कि आप स्कूल क्यों आते हैं? बच्चों के द्वारा अपने अलग-अलग तर्क दिये जावेगें। कोई कहेगा अच्छी बातें सीखाने/डाक्टर/इंजीनियर/पुलिस /शिक्षक बनने/पढ़ने के लिए। तब शिक्षक बताएं कि जो बनने के लिए तुम अभी से जो सपने देख रहे हो वही तुम्हारे लक्ष्य हैं। जिनकी प्राप्ति के लिए तुम स्कूल आते हो और अन्य प्रयास भी करते हो। • इसी प्रकार हमारे राष्ट्र के भी कुछ लक्ष्य हैं जिन्हें पूरा करने के लिए तरह-तरह के प्रयास किये जाते हैं। इन्हें पूरा करके राष्ट्र प्रगति और समृद्धि को प्राप्त कर सकता है। • राष्ट्रीय लक्ष्यों को चार्ट/माइण्ड मेप द्वारा समझाना। • लोकतंत्र की समझ हेतु शाला स्तर पर कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव करवाना। • मौलिक अधिकारों की जानकारी चार्ट द्वारा प्रदान करना। • मानव अधिकारों के विषय में शिक्षक अन्तर्राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक स्तर से संबंधी जानकारी पर चर्चा करना। • लोकतंत्र की सफलता की शर्तों को चार्ट द्वारा स्पष्ट करना।	• राष्ट्रीय लक्ष्यों का चार्ट/ माइण्ड मेप •मौलिक अधिकारों का चार्ट •लोकतंत्र की सफलता की शर्तों का चार्ट

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• लोकतंत्र की अवधारणा को जानना। • अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सहयोग की आवश्यकता को जानना। • वयस्क मताधिकार की अवधारणा जानना। • मतदान और उसका महत्व समझना। • लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक स्थितियाँ को जानना।	• हमारे राष्ट्रीय लक्ष्य कौन-कौन से हैं? • लोकतंत्र क्या है? • अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सहयोग क्यों आवश्यक है? • वयस्क मताधिकार की भारत में निर्धारित आयु क्या है? • हमारे देश में प्रजातंत्र की सफलता के लिए क्या आवश्यक है?	• प्रजातंत्र में मतदान के महत्व को दर्शाने हेतु चुनाव संबंधी चित्र संकलित कर एलबम बनाना।	• लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक स्थितियों की व्याख्या करते है। • लोकतंत्र में समानता के महत्व को समझते हैं। • राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक समानता के बीच अन्तर करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• समाज की आवश्यकता •शिक्षा और लोकतंत्र •सामाजिक, समस्याएँ • अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़े वर्ग के उत्थान के प्रयास की व्यवस्था	पाठ – 10 हमारा समाज	प्रस्तावना– व्यक्ति एक सामाजिक प्राणी है। वह समाज में रह कर अनेक संबंध बनाता है। व्यक्तियों के आपसी संबंधों से ही समाज बनता है। समाज की सबसे छोटी इकाई परिवार है। परिवार में रह कर व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं को पूरा करता है। समाज एक व्यवस्था है। जहां पारस्परिक निर्भरता के कारण सामाजिकता का गुण मनुष्य में स्वभाव से है। समाज के अपने संस्कार एवं शिक्षा होती है जो परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तनशील है। हमारे समाज में अभी भी सामाजिक समस्याएं है जैसे– जातिवाद, बाल–विवाह, मृत्युभोज, भिक्षावृति, दहेज–प्रथा, नशीले पदार्थों का सेवन आदि। •शिक्षक 6 से 14 वर्ष तक के सभी बच्चों के लिए नि:शुल्क और अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा पर चर्चा करें। •समाज में व्याप्त सामाजिक समस्याओं के बारे में समूह चर्चा कराना। •बालश्रम, नशा विरोधी पोस्टर्स, संकेतों को संकलित कर कक्षा में प्रस्तुत करवाना। •संविधान में उल्लेखित कल्याणकारी दिशा – निर्देशों के संबंध में चार्ट तैयार करवाकर प्रस्तुतिकरण कराना।	• बालश्रम, नशा विरोधी पोस्टर्स •नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के प्रावधानों का माइण्ड मेप •संविधान में उल्लेखित कल्याणकारी दिशा – निर्देशों के संबंध में चार्ट
• आर्थिक विकास से आशय • कृषि एवं औद्योगिक	पाठ – 11 आर्थिक विकास	प्रस्तावना– हम दैनिक जीवन में व्यक्ति को किसी न किसी काम पर जाते देखते है। हम अपने परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये आय प्राप्त करने हेतु अनेक कार्य करते है। जैसे– कृषि,	• कृषि एवं खनिज आधारित उद्योगों का चार्ट। •स्थानीय कृषि उपजों/ फसलों के

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 कालखण्ड (90 मिनिट प्रति कालखण्ड)	• समाज में व्याप्त सामाजिक समस्याओं को जानना। •पिछडे वर्गों के उत्थान हेतु संविधान में किए गए प्रावधानों को जानना।	• शिक्षा लोकतंत्र के विकास में किस प्रकार सहायक है? •हमारे समाज में व्याप्त कोई दो सामाजिक समस्याएं बताइए। •सामाजिक समस्याओं के निदान हेतु सुझाव दीजिए? •पिछडे वर्गों के उत्थान हेतु संविधान में किए गए प्रावधानों को बताईये? •भारत में स्त्री व पुरूष के विवाह की न्यूनतम आयु क्या है?	• अपने वार्ड/मोहल्ले के कम से कम 10 परिवारों में पता लगावें कि 6 से 14 आयु वर्ग के कितने बच्चे हैं, उनमें से कितने शाला नहीं जाते। उनके नाम व शाला नहीं जाने का कारणों की सूची बनाए।	• समाज के विभिन्न वर्गों की महिलाओं द्वारा जिन सामाजिक प्रतिकूलता की स्थिति का सामना करना पड़ता है उसके कारण और प्रभावों का विश्लेषण करते हैं।
2 कालखण्ड (90 मिनिट	• प्रमुख आर्थिक समस्यों को समझना। •प्रति व्यक्ति	•प्रति व्यक्ति आय तथा राष्ट्रीय आय के आशय को बताईय। •लघु एवं कुटीर उद्योगों के लाभ बताइए।	• भारत के मानचित्र में लोह इस्पात व सूती वस्त्रोद्योगों को दर्शाए।	• राष्ट्र निर्माण के लिए विकास महत्वपूर्ण है कि प्रक्रिया

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
विकास व आर्थिक समस्याएँ		कारखाने में काम, शिक्षा, स्वास्थ्य, साफ-सफाई, यातायात, सुरक्षा आदि सेवाओं का कार्य करते है। इन सब कार्यों से व्यक्ति को आय प्राप्त होती है तथा अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु वस्तुऐं खरीदते है। देश के सभी व्यक्तियों की आय को जोड़ कर हम राष्ट्रीय आय का पता लगाते है। हम कृषि उत्पादों में वृद्धि करके, औद्यौगिक उत्पादन में वृद्धि एवं आत्मनिर्भरता प्राप्त कर आर्थिक विकास कर सकते हैं परन्तु आर्थिक विकास की कुछ समस्याएं हैं जैसे जनसंख्या वृद्धि, बेरोजगारी, निर्धनता, मूल्य वृद्धि आदि। •स्थानीय कृषि उपजों/फसलों के नाम तथा उन पर आधारित उद्योगों की सूची तैयार करवाकर कक्षा में प्रस्तुत करना। •विभिन्न प्रकार के उद्योगों, लघु एवं कुटीर उद्योगों यथा संभव प्रत्यक्ष भ्रमण व अवलोकन। •प्रमुख आर्थिक समस्याओं पर समूह में वाद-विवाद अथवा क्विज कराना।	नाम तथा उन पर आधारित उद्योगों की सूची
• भारतीय रक्षा सेनाओं का संगठन • शांतिकाल में रक्षा सेनाओं का योगदान • रक्षा सामग्री का उत्पादन	पाठ – 12 भारत की रक्षा व्यवस्था	प्रस्तावना – भारत का विश्व की शांति और सुरक्षा में दृढ़ विश्वास है। भारत राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय विवादों को पारस्परिक विचार-विमर्श तथा शांतिपूर्ण तरीकों से सुलझाने का सदैव प्रयास करता रहा है। भारत को अपनी सुरक्षा की चिन्ता है अतः भारत ने अपनी रक्षा व्यवस्था एवं सेनाओं को सुदृढ किया। भारत के राष्ट्रपति तीनों	• भारतीय रक्षा सेनाओं की पदक्रम तालिका

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
प्रति कालखण्ड)	आय तथा राष्ट्रीय आय से आशय को जानना। •कृषि आधारित उद्योगों एवं उनके उत्पादों को जानना। •खनिज आधारित उद्योगों एवं उनके उत्पादों को जानना।	•देश के आर्थिक विकास में कृषि किस प्रकार सहयोगी है? •किसी एक आर्थिक समस्या व उसके समाधान बताइये। •भारत में मुख्य रूप से किस तरह की खेती की जाती है? •अहमदाबाद को भारत का मानचेस्टर क्यों कहा जाता है?		को रेखांकित करते हैं। • कच्चे माल आकार और स्वामित्व के आधार पर विभिन्न प्रकार के उद्योगों के वर्गीकृत करते हैं।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• सशस्त्र सेनाओं के गठन को जानना। • तीनों सेनाओं के सैनिक व अधिकारी वर्ग के पदक्रम जानना।	• सेना क्यों आवश्यक है? • वायु सेना के अधिकारी वर्ग के पदक्रम को बताईये? • शांतिकाल में सेना कौन-कौन से कार्य करती है? • भारत के प्रमुख प्रक्षेपास्त्रों के नाम	• वर्तमान में भारत की जल सेना, थल सेना तथा वायु सेना के प्रमुख अधिकारियों के नाम लिखिए। •सेना के कुछ प्रमुख शस्त्रों के	•यदि सेना न होती तो क्या स्थिति निर्मित होती इस पर उत्तर दे पाता है। •सशस्त्र सेनाओं के गठन की

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		सेनाओं के प्रमुख सेनापति होते है। भारत के रक्षा सेना के तीन अंग है– 1. थलसेना 2. नौ सेना 3. वायुसेना •सेना की आवश्यकता एवं महत्व पर कक्षा में चर्चा करना। •भारतीय रक्षा सेनाओं के पदक्रम तालिका तैयार कराकर प्रस्तुतिकरण कराना। •समाज सेवा(राहत कार्य) के क्षेत्र में सेना अपना योगदान कैसे देती हैं? चर्चा द्वारा स्पष्ट करना। •भारतीय सेनाओं के पास उपलब्ध संसाधनों पर चर्चा करें।	
• भारत की विदेश नीति के लक्ष्य एवं उद्देश्य • विदेश नीति के निर्धारक तत्व • विदेश नीति के प्रमुख सिद्धान्त • भारत के पड़ोसी देशों के साथ संबंध	पाठ – 20 भारत की विदेश नीति एवं पड़ोसी देशों से संबंध	प्रस्तावना– आज विश्व के सभी राष्ट्र एक दूसरे से भौगोलिक दूरी होने के बाद भी संचार के आधुनिक साधनों के माध्यम से निकट आ गये। साथ ही सभी राष्ट्र एक दूसरे पर आश्रित है। विश्व के किसी भी भाग में घटने वाली घटना दूसरे राष्ट्र पर आवश्यक प्रभाव डालती है। यही कारण है कि आज अंतराष्ट्रीय संबंधों के विकास तथा निर्माण का महत्व बढ़ गया है। हमारे प्रधानमंत्री व हमारी सरकार राष्ट्रीय हितों को प्राप्त करने के लिये विदेशों से स्थिर संबंधों के क्रियान्वयन पर जोर देते है। भारत की विदेश नीति एक स्थायी नीति होती है जो राष्ट्रीय जीवन मूल्यों से निर्मित	• विदेश नीति निर्धारण के प्रमुख तत्वों की तालिका •विदेश नीति के सिद्धान्तों का मानस चित्रांकन •भारत का मानचित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	• शांतिकाल में सेनाओं के योगदान/कार्य को जानना।	बताइए। • संयुक्त राष्ट्र द्वारा विभिन्न राष्ट्रों में शांति स्थापित करने में भारतीय सेना द्वारा सहायता की गई उनमें से किन्ही 2 देशों के नाम बताइए।	चित्र एकत्रित कर एलबम बनाइए।	आवश्यकता को बताते हैं।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• विदेश नीति (लक्ष्य एवं उद्देश्य) से क्या आशय है यह जानना। •गुट निरपेक्षता के महत्व को जानना। •पंचशील के नियमों को जानना। •नि:शस्त्रीकरण से क्या आशय है यह जानना।	• विदेश नीति से आशय बताइए? • गुट निरपेक्षता का अर्थ बताइए। • पंचशील के नियम बताईये? • नि:शस्त्रीकरण से क्या आशय है? • भारत के सबसे ज्यादा कटु संबंध किस पड़ोसी देश से हैं?	• भारत के पड़ोसी देशों को एशिया के मानचित्र में दर्शाइए।	• भारत की विदेश नीति के प्रमुख सिद्धान्तों की समीक्षा करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		होती है। •विदेश नीति से क्या आशय है यह समूह में चर्चा करना। •विदेश नीति निर्धारण के प्रमुख तत्वों की तालिका बनवाकर उसका कक्षा में प्रस्तुतीकरण कराना। •विदेश नीति के सिद्धान्तों पर मानस चित्रांकन तैयार कराना तत्पश्चात छोटे समूह में चर्चा कराना। •पंचशील के नियमों को समझाना। •भारत के पड़ोसी देशों को मानचित्र की सहायता से उनकी स्थिति बताते हुए पड़ोसी देशों के साथ संबंध पर चर्चा।	
• संयुक्त राष्ट्र की स्थापना •संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंग •संयुक्त राष्ट्र की संस्थाएँ •संयुक्त राष्ट्र में भारत की भूमिका	पाठ – 21 भारत और संयुक्त राष्ट्र	प्रस्तावना– हमारे देश राज्य या नगर में कुछ ऐसे संगठन या संस्थाएं स्थापित की गई है जो समाज में होने वाले अवैधानिक या हिंसात्मक कार्यो पर अंकुश लगाती है या रोकने का प्रयास करती है। जैसे– मानवाधिकार आयोग, महिला आयोग, बाल अधिकार आयोग आदि। इसी तर्ज पर द्वितीय विश्व युद्ध के भयंकर एवं विनाशकारी परिणाम को देखते हुये साम्राज्यवादी देश कुछ देशों की मनमानी पर अंकुश लगाने के लिये एवं विश्व शांति स्थापित करने के उद्देश्य को पूरा करने के लिये संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के लिए संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की गई। •संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर कहानी	• संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख उद्देश्य का चार्ट •संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंगों का चार्ट

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 कालखण्ड (90 मिनिट प्रति कालखण्ड)	• संयुक्त राष्ट्र के गठन की आवश्यकता को जानना। • संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यों को जानना। • संयुक्त राष्ट्र के अंगों के बारे में जानना। • संयुक्त राष्ट्र की संस्थाओं के कार्यों को जानना। • संयुक्त राष्ट्र	• संयुक्त राष्ट्र की स्थापना क्यों हुई? •संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंगों के नाम बताईये? •शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने हेतु संयुक्त राष्ट्र की कौन सी संस्था कार्य करती है? • संयुक्त राष्ट्र में भारत के योगदान पर अपने विचार व्यक्त कीजिये। • क्या भारत सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य है?	• संयुक्त राष्ट्र के कोई 10 सदस्य राष्ट्रों के राष्ट्र ध्वज के चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में चस्पा करें। • भारत की विदेश नीति के प्रमुख सिद्धान्तों की समीक्षा कर सकती है।	• संयुक्त राष्ट्र में भारत के योगदान की समीक्षा करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		सुनाना। •संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख उद्देश्य चार्ट द्वारा बताना। •विश्व के रेखा मानचित्र में संयुक्त राष्ट्र के अंगों के मुख्यालयों को अंकित कराना। •संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंगों को चार्ट द्वारा बताना। •संयुक्त राष्ट्र की विशेष संस्थाओं के कार्यों पर समूह में चर्चा करना। •संयुक्त राष्ट्र की उपलब्धियों पर चर्चा। •भारत की संयुक्त राष्ट्र में भूमिका पर चर्चा।	
• पर्यावरण क्या है? •पर्यावरण प्रदूषण •वैश्वीकरण एवं इसके दुष्प्रभाव •आतंकवाद	पाठ – 22 विश्व के सम्मुख प्रमुख चुनौतियाँ	प्रस्तावना– वर्तमान समय में एक राष्ट्र अपनी समस्त आवश्यकताएं स्वयं पूर्ण नही कर सकता। सभी एक दूसरे पर निर्भर है। एक राष्ट्र की नीति दूसरे राष्ट्र को प्रभावित करती है। सभी राष्ट्र अपना विकास तीव्रगति से करना चाहते है, अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते है। परन्तु आज विश्व में कुछ ऐसी समस्याऐं हैं जो चुनौती के रूप में हमारे सामने खड़ी है जिनका समाधान सभी को एक साथ मिल कर करने की आवश्यकता है। जैसे- पर्यावरण प्रदूषण, वैश्वीकरण, आतंकवाद आदि। •पर्यावरण प्रदूषण के कारण, प्रभाव तथा रोकने के उपायों आदि से संबंधित चार्ट तैयार कर चर्चा। • पर्यावरण प्रदूषण पर पोस्टर/चित्र	• पर्यावरण प्रदूषण के कारण, प्रभाव तथा रोकने के उपायों से संबंधित एलबम •पर्यावरण प्रदूषण के कारणों और प्रभावों का चार्ट।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	में भारत के योगदान को समझना।			
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• पर्यावरण प्रदूषण के कारण व उसके दुष्परिणामों को जानना। •प्रदूषण प्रदूषण के रोकथाम के तरीके जानना। •वैश्वीकरण से लाभ व उसके प्रतिकूल प्रभावों को जानना। •आतंकवाद से क्या आशय है	• पर्यावरण प्रदूषण पर अपने विचार व्यक्त कीजिए? •पर्यावरण प्रदूषण के प्रभाव से उत्पन्न होने वाली बीमारियों के उदाहरण दीजिए? •वैश्वीकरण से लाभ व उसके प्रतिकूल प्रभाव को बताईये? •आतंकवाद के दुष्परिणामों को बताईये?	• पर्यावरण प्रदूषण से संबंधित चित्र प्रतियोगिता। •दैनिक समाचार पत्रों से आतंकवाद की खबरों, चित्रों को संकलित कर उत्तर पुस्तिका में चस्पा करना।	• वैश्वीकरण से लाभ व उसके प्रतिकूल प्रभाव का विश्लेषण करते हैं। • किसी देश की शांति व विकास मे आतंकवाद सबसे बड़ा खतरा है इसकी समीक्षा करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		निर्माण की प्रतियोगिता कराना। •वैश्वीकरण से क्या आशय है यह स्पष्ट करना। •आतंकवाद के दुष्परिणामों की समूह में समीक्षा कराना व किसी क्षेत्र में घटित	
•स्थलमण्डल क्या है? •पृथ्वी की संरचना, शैल या चट्टान, स्थलाकृतियों के मुख्य स्वरूप।	पाठ – 6 स्थल-मण्डल स्थल एवं स्थला-कृतियाँ	प्रस्तावना- हम सभी पृथ्वी के बारे में बचपन से ही जानते आ रहे है कि पृथ्वी का ऊपरी भाग समान नही है। यहां पर बड़े-बड़े ऊंचे पर्वत शिखर बड़ी-बड़ी नदियां और घाटियाँ पाई जाती है। कहीं कहीं विशाल पठार और विस्तृत मैदान पाये जाते है। पृथ्वी के धरातल पर निरंतर परिवर्तन होते रहते है। यह परिवर्तन समान रूप से नहीं होते। अचानक होने वाले परिवर्तनों को आकस्मिक परिवर्तन तथा धीरे- धीरे होने वाले परिवर्तन का धीमी गति वाले परिवर्तन कहते है। •विद्यार्थियों से पृथ्वी की आंतरिक संरचना का चित्र बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना। • शिक्षण सहायक सामग्री के रूप में आसपास उपलब्ध चट्टानों का प्रयोग कक्षा में विद्यार्थियों के बीच करके आग्नेय, अवसादी व कायान्तरित शैल की विशेषताओं के आधार पर पहचानने की गतिविधि कराना। • भू-संचलन की गतिविधि द्वारा वलन व भ्रशन की स्थिती तथा उनसे निर्मित स्थलाकृति पर चार्ट तैयार कर बताना।	• ग्लोब, मानचित्र, चट्टानें, ज्वालामुखी का चित्र और पृथ्वी की आंतरिक संरचना का चित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	जानना। •आतंकवाद के दुष्परिणामों को जानना।			
2 कालखण्ड (90 मिनिट प्रति कालखण्ड)	• पृथ्वी की आंतरिक संरचना को जानना। • चट्टानों के विभिन्न रूपों को जानना। • विभिन्न धरातलीय स्वरूप – पर्वत, पठार, मैदान के निर्माण की प्रक्रिया को जानना। • ज्वालामुखी के उद्भेदन के कारण व प्रभाव को जानना। • भूकम्प के कारण व दुष्परिणाम को जानना।	• पृथ्वी की आंतरिक संरचना को कितने भागों में बांटा गया है? •आग्नेय चट्टानों की विशेषताएं एवं उदाहरण बताइए। • पर्वत किसे कहते हैं? • शैलों में जब लहरनुमा मोड़ पड़ जाते हैं तो उन्हें क्या कहते हैं? • ज्वालामुखी मानव जीवन को किस प्रकार प्रभावित करता है? • भूकंप मानवीय जीवन को लाभान्वित कर सकता है? इस संबंध में अपने मत रखिए।	• पिछले दो दशकों में भारत में आए भूकम्पों की जानकारी निम्न बिन्दुओं पर संकलित करें– 1. वर्ष 2. विस्तार क्षेत्र/स्थल 3. जन-धन की हानि 4. रिएक्टर स्केल पर तीव्रता	• विभिन्न कारकों के द्वारा निर्मित होने वाले भू-रूपों का वर्णन करते हैं। • पृथ्वी की मुख्य आंतरिक परतों, चट्टान के प्रकारों और वायुमण्डल की परतों को चित्र में पहचानते हैं। • आपदाओं जैसे- भूकम्प, बाढ़ सूखा से बचाव के लिए की जाने वाली कार्रवाईयों की समीक्षा

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		• ज्वालामुखी उद्भेदन की प्रक्रिया का चित्र बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना।	
• परिवर्तनकारी बाह्य शक्तियाँ – अपक्षय, अपरदन चक्र • नदी, हिमानी, भूमिगत जल • पवन व समुद्री जल के कार्य स्थलाकृतियाँ, मृदा निर्माण, मृदा अपरदन संरक्षण के उपाय	पाठ – 7 परिवर्तन कारी बाह्य शक्तियाँ	प्रस्तावना– हम यह जान चुके हैं कि पृथ्वी के धरातल पर सदैव परिवर्तन होते रहते हैं। धरातल का स्वरूप हमेशा एक जैसा स्थायी नही रहता है। इसके स्वरूप को बदलने में कुछ शक्तियां क्रियाशील रहती है। यह शक्तियां दो प्रकार की रहती है – आंतरिक शक्ति और बाह्य शक्ति। आंतरिक शक्तियां धरातल पर कोई न कोई नई स्थल आकृतियों का निर्माण करती है। जबकि बाह्य शक्तियां उन स्थल आकृतियों में परिवर्तन करने में जुट जाती है। बाह्य शक्तियां दो प्रकार की होती है। प्रथम वह जो चट्टानों को कमजोर कर तोड़फोड़ करती है, तथा दूसरी वे जो उन टूटे फूटे चट्टानों के टुकड़ों व कणों को उनके मूल स्थान से हटा कर निचले भू–भाग में जमा करती है। नदियां, पवनें, भूमिगत जल, हिमानी और समुद्री लहरें दूसरे, प्रकार की शक्तियां है जो स्थल आकृतियों के स्वरूप में परिवर्तन करने में मुख्य भूमिका निभाती है। इनमें प्रथम क्रिया अपक्षय एंव द्वितीय क्रिया का अपरदन चक्र कहते है। • अपक्षय, अपरदन, परिवहन, निक्षेपण, निम्नीकरण व अधिवृद्विकरण जैसे शब्दों के अर्थ सामान्य बोलचाल की भाषा में बताकर आसपास पाए जाने वाली चट्टानों में होने वाले परिवर्तन बताना।	• अपरदन चक्र का चित्र • नदी, हिमानी, पवन, भूमिगत जल व समुद्री लहरों द्वारा अपरदन, परिवहन और निक्षेपण से बनने वाली स्थलाकृतियों के चित्र • मृदा परिच्छेदिका का चित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
				करते हैं।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• अपक्षय, अपरदन, परिवहन, निक्षेपण, निम्नीकरण व अधिवृद्विकरण से आशय को जानना। • नदी, हिमानी, पवन व समुद्री लहरों द्वारा निर्मित स्थलाकृतियों को जानना। • मृदा संरक्षण की विधियों को जानना।	• अपक्षय कितने प्रकार का होता है? • चूना, जिप्सम, सेंधा नमक की चट्टानें जल में घुल जाती हैं और अपना मूल रूप परिवर्तित कर देती हैं। यह क्रिया किस प्रकार के अपक्षय का उदाहरण है? •अपरदन, परिवहन व निक्षेपण से आशय बताईये? • नदी व पवन के अपरदन द्वारा निर्मित स्थलाकृतियों के नाम बताईये? • मिट्टी को सर्वाधिक क्षति किन कारणों से होती है? • वर्तमान समय में मृदा संरक्षण किन तरीकों से कर सकते हैं।	• प्रत्येक विद्यार्थी से शाला परिसर, घर के आस-पास, खेत की मेड़ पर वृक्षारोपण करावें तथा उसके संरक्षण की जिम्मेदारी दें। • वृक्षारोपण एवं मृदा संरक्षण संबंधी चार्ट, मॉडल, पोस्टर, नारे तैयार करावें।	• विभिन्न कारकों के द्वारा निर्मित होने वाले भू-रूपों का वर्णन करते हैं।

<table>
<tr><th>अवधारणा क्षेत्र</th><th>पाठ का नाम और क्रमांक</th><th>पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना</th><th>सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td>• नदी, हिमानी, पवन व समुद्री लहरों द्वारा निर्मित आकृतियों की तालिका बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना –
<table><tr><th>विवरण</th><th>निर्मित स्थलाकृति का नाम</th><th>कोई एक उदाहरण</th><th>कार्य</th></tr><tr><td>नदी</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>हिमानी</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>पवन</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>समुद्री लहरें</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>भूमिगतजल</td><td></td><td></td><td></td></tr></table></td><td></td></tr>
<tr><td>• स्थिति विस्तार, धरातलीय संरचना,
• जलवायु दशाएँ, वनस्पति व वन्य जीव</td><td>पाठ – 13 उत्तरी अमेरिका का भोगौलिक स्वरूप</td><td>प्रस्तावना – उत्तर अमेरिका महाद्वीप क्षेत्रफल की दृष्टि से संसार का सबसे बड़ा तीसरा महाद्वीप है। यह महाद्वीप उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है। यह पूरा महाद्वीप त्रिभुज के आकार का दिखाई देता है। कोलम्बस नामक यूरोपीय नाविक अपने साथियों के साथ भारत की खोज पश्चिमी समृद्री मार्ग करना चाहता था। कई दिनों की समुद्री यात्रा के बाद वह जिस भू–भाग पर पहुंचा वह भारत भूमि नही थी वे समुद्री द्वीप थे। और आगे चलकर जिस भू–भाग पर 1492 में पहुंचा वह भू–भाग एकदम नया था। कोलम्बस ने इसे नई दुनिया कहा जो उत्तर अमेरिका के नाम से जाना जाने लगा।
• विद्यार्थियों को विश्व का मानचित्र दिखाते हुए उत्तरी अमेरिका महाद्वीप की स्थिति व विस्तार पर चर्चा करना।</td><td>• विश्व मानचित्र एवं उत्तर अमेरिका का भौतिक स्वरूप का मानचित्र
• उत्तर अमेरिका का प्राकृतिक वनस्पतियों का मानचित्र</td></tr>
</table>

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• उत्तर अमेरिका की अक्षांशीय व देशान्तरीय स्थिति को जानना। •महाद्वीप के धरातलीय स्वरूप को जानना। •महाद्वीप की जलवायु दशाओं को जानना। •महाद्वीप में पाई जाने वाली वनस्पति के बारे में जानना।	• उत्तर अमेरिका की अक्षांशीय व देशान्तरीय स्थिति को बताईये? •उत्तर अमेरिका महाद्वीप के धरातलीय स्वरूप को बताईये? •उत्तर अमेरिका की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक बताइये। •उत्तर अमेरिका में वनस्पति में विविधता के कारण बताइए। •उत्तर अमेरिका में पाये जाने वाले किन्ही पाँच वन्य प्राणियों के नाम लिखें।	• उत्तर अमेरिका के मानचित्र में अप्लेशियन पर्वत, रॉकी पर्वत, मिसीसिपी, सेंटलारेंस नदियाँ, गल्फस्ट्रीम, लेब्रेडोर जलधारा, न्यूफाउण्डलैण्ड को दर्शाइए।	• भारत और विश्व के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और उनके जीवन के बीच अंतर्संबंध पता लगाते हैं। • वनस्पति व जीव-जंतुओं की विविधता को निर्धारित करने वाले कारणों और कारकों को बताते हैं।

<table>
<tr><th>अवधारणा क्षेत्र</th><th>पाठ का नाम और क्रमांक</th><th>पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना</th><th>सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td>• मानचित्र के माध्यम से महाद्वीप की अंक्षाशीय व देशान्तरीय विस्तार, महाद्वीप की गोलार्द्धीय स्थिति को बताना।
• महाद्वीप की धरातलीय संरचना पर मानस चित्रांकन तैयार कराना।
• उतर अमेरिका महाद्वीप की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारकों एवं वनस्पतियों के प्रकार पर चर्चा करना।
• निम्नलिखित तालिका को पूर्ण कराना तालिका में वनस्पति एवं वन्य प्राणी के नाम लिखवाना –
<table>
<tr><th>महाद्वीप केभाग</th><th>वनस्पति</th><th>वन्यजीव</th></tr>
<tr><td>पूर्वी भाग</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>मध्यवर्ती</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>सुदूरउत्तरी भाग</td><td></td><td></td></tr>
</table>
</td><td></td></tr>
<tr><td>• कृषि खनिज, ऊर्जा, उद्योग, परिवहन, जनसंख्या।</td><td>पाठ – 14 उत्तर अमेरिका आर्थिक स्वरूप</td><td>प्रस्तावना– उत्तर अमेरिका वर्तमान समय में संसार का सबसे अधिक सम्पन्न महाद्वीप है। विश्व के अधिकांश देशों से इसके आर्थिक संबंध है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के कारण यहां सर्वाधिक औद्योगिक विकास हुआ है। जिसका प्रमुख कारण प्राकृतिक संसाधनों प्रचुरता है। साथ ही उच्च तकनीकी ज्ञान ने इस महाद्वीप को सम्पन्न बना दिया है। संयुक्त राज्य अमेरिका तथा कनाडा, मैक्सिको उत्तर अमेरिका के महत्वपूर्ण देश है।</td><td>• उत्तर अमेरिका की प्रमुख फसलों की तालिका/ चार्ट।
•उत्तर अमेरिका रेखा मानचित्र।</td></tr>
</table>

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• उत्तर अमेरिका में कृषि के विकास को जानना। • महाद्वीप किन कारणों से औद्योगिक रूप से अधिक विकसित है यह जानना।	• उत्तर अमेरिका में कृषि की उन्नति के क्या कारण हैं? •उत्तर अमेरिका के पूर्वी भाग में जनसंख्या अधिक होने का कारण बताइए। •उत्तर अमेरिका के 5 प्रमुख औद्योगिक केन्द्रों के नाम बताइए। •वाशिंगटन डी.सी. क्यों प्रसिद्ध है?	• उत्तर अमेरिका के रेखा मानचित्र में दर्शाएं – पनामा नहर, ओटावा, न्यू फाउन्डलैण्ड, सुपीरियर झील, सेनफ्रान्सिको।	• कृषि, खनिज व उद्योग किसी क्षेत्र/देश के विकास में किस प्रकार सहायक है विश्लेषण करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		•उत्तर अमेरिका संसार का सबसे सम्पन्न महाद्वीप है। इसका प्रमुख कारण यहाँ के प्राकृतिक संसाधन है। अतः प्राकृतिक संसाधनों की तालिका बनाकर चर्चा करे। •उत्तर अमेरिका की प्रमुख फसलों की तालिका बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराएँ। •उत्तरी अमेरिका के प्रेयरी के मैदानों को संसार की रोटी की डलिया क्यों कहा जाता है इस पर परिचर्चा कराएँ। •क्यूबा को "शक्कर का घर" कहा जाता है इस पर क्विज कराएँ।	
• स्थिति, विस्तार, धरातलीय बनावट • जलवायु, वनस्पति जीव – जन्तु।	पाठ – 15 दक्षिण अमेरिका का भौगोलिक स्वरूप	प्रस्तावना– दक्षिण अमेरिका महाद्वीप उत्तर अमेरिका महाद्वीप के दक्षिण से जुड़ा हुआ है। क्षेत्रफल की दृष्टि से दक्षिण अमेरिका संसार का चौथा बड़ा महाद्वीप है। इस महाद्वीप के पश्चिम में प्रशांत महासागर, पूर्व में अटलांटिक महासागर, व उत्तर में कैरेबियन सागर है। इस महाद्वीप का अधिकांश भाग विषुवत रेखा के दक्षिण में फैला है। •दक्षिण अमेरिका के रेखा मानचित्र में अंकित करवाएं – अक्षांशीय व देशान्तरीय विस्तार, एण्डीज पर्वतमाला, पेटेगोनिया मरूस्थल, अमेजन व पराग्वे नदी। •दक्षिण अमेरिका के धरातलीय स्वरूप को मानचित्र में दर्शाने की गतिविधि	• दक्षिण अमेरिका का रेखा मानचित्र • दक्षिण अमेरिका के धरातलीय स्वरूप का मानचित्र •वनस्पतियों का चार्ट

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	• उत्तर अमेरिका में परिवहन के विकास को जानना।			
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• दक्षिण अमेरिका की अक्षांशीय व देशान्तरीय स्थिति को जानना। • महाद्वीप के धरातलीय स्वरूप को जानना। • दक्षिण अमेरिका की जलवायु दशाओं को जानना।	• दक्षिण अमेरिका की अक्षांशीय व देशान्तरीय स्थिति को बताईये? • दक्षिण अमेरिका की जलवायु दशाओं को बताईये? • महाद्वीप के वनों की विशेषताएँ बताईये। • पैटेगोनिया मरूस्थल बनने के कारण बताइए। • धरातलीय बनावट के आधार पर दक्षिण अमेरिका को कितने भौतिक विभागों में बांटा गया है।	• भारत एवं दक्षिण अमेरिका में समान रूप से पाए जाने वाले वन्य जीवों के नामों की सूची तैयार करें।	• भारत और विश्व के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों मे रहने वाले लोगों और उनके जीवन के बीच अर्न्तसंबंध पता लगाते हैं।

<table>
<tr><th>अवधारणा क्षेत्र</th><th>पाठ का नाम और क्रमांक</th><th>पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना</th><th>सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td>कराएँ।
•दक्षिण अमेरिका महाद्वीप की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारकों एवं वनस्पतियों के प्रकार को चार्ट बनाकर चर्चा करना।</td><td></td></tr>
<tr><td>• प्रमुख फसलें, पशुपालन, वनोद्योग, खनिज, ऊर्जा जीवन।</td><td>पाठ – 16 दक्षिण अमेरिका का आर्थिक स्वरूप</td><td>प्रस्तावना– यह महाद्वीप उपजाऊ भूमि, घास के मैदान तथा वन संपदा से संपन्न है। साथ ही इस महाद्वीप में खनिजों के भण्डार है। इस महाद्वीप में कृषि, पशुपालन, उद्योग, वनोद्योग, खनिज एवं ऊर्जा, यातायात, व्यापार का यहां तेजी से विकास हुआ है। इसके अलावा ब्राजील में सबसे ज्यादा कहवा उत्पन्न होता है। इसलिये ब्राजील को कहवा का घर भी कहा जाता है।
• दक्षिण अमेरिका की प्रमुख फसलों व पशुपालन की स्थिति को मानचित्र पर दर्शाकर प्रस्तुतिकरण कराना।
• ब्राजील को कहवा का घर क्यों कहा जाता है, पर चर्चा कराना।
• दक्षिण अमेरिका से आयात – निर्यात की जाने वाली वस्तुओं की तालिका तैयार करें –
<table><tr><th>आयात</th><th>निर्यात</th></tr><tr><td></td><td></td></tr><tr><td></td><td></td></tr></table>• दक्षिण अमेरिका में यातायात के सीमित विकास के कारणों को वहां की भौतिक स्थितियों को आधार बनाकर मानचित्र के माध्यम से बताएं।</td><td>• दक्षिण अमेरिका के प्रमुख खनिजों का चार्ट।
• दक्षिण अमेरिका की प्रमुख फसलों का मानचित्र।</td></tr>
</table>

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• दक्षिण अमेरिका की फसलों को जानना। • महाद्वीप में पाए जाने वाले खनिज पदार्थो के बारे में जानना। • दक्षिण अमेरिका के आयात निर्यात की जाने वाली वस्तुओं को जानना। • महाद्वीप के वनोद्योगों को जानना।	• दक्षिण अमेरिका की 5 फसलों के नाम बताइए। •महाद्वीप में पाए जाने वाले खनिज पदार्थों एवं उनके उत्पादन क्षेत्रों (स्थान) के नाम बताइए। •महाद्वीप के वनोद्योगों के विकास पर अपने विचार व्यक्त कीजिए? •दक्षिण अमेरिका के मत्स्य उद्योग की प्रमुख विशेषताएं बताइए। •कौन सी चार भाषाएं हैं जो दक्षिण अमेरिका में अधिकांश लोगों के द्वारा बोली जाती हैं?	• दक्षिण अमेरिका से आयात – निर्यात की जाने वाली वस्तुओं की तालिका तैयार करें – आयात | निर्यात |	• कृषि, खनिज व उद्योग किसी क्षेत्र/देश के विकास में किस प्रकार सहायक है का विश्लेषण करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• आस्ट्रेलिया महाद्वीप की स्थिति विस्तार • धरातलीय स्वरूप, जलवायु, वनस्पति जीव जन्तु ।	पाठ – 23 आस्ट्रेलिया महाद्वीप का भौगोलिक रूवरूप	प्रस्तावना– विश्व मानचित्र में दक्षिण गोलार्द्ध में आस्ट्रेलिया महाद्वीप क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का सबसे छोटा महाद्वीप है जो कि हिन्द महासागर एवं प्रशांत महासागर में स्थित है। मकर रेखा इस महाद्वीप के बीचों बीच से गुजरती है। इस महाद्वीप का प्रतीक चिन्ह कंगारू है। • आस्ट्रेलिया के रेखा मानचित्र में निम्न स्थानों को दर्शाने की गतिविधि कराए – तस्मानिया, न्यूजीलैण्ड द्वीप, मरे – डार्लिंग नदी, ग्रेट डिवाइडिंग रेंज, मकर रेखा, सोने की खानें, प्रमुख रेलमार्ग, प्रमुख शहर । • आस्ट्रेलिया के धरातलीय स्वरूप की प्रमुख विशेषताओं पर आधारित चार्ट तैयार करवाकर कक्षा में चर्चा करना। • महाद्वीप की जलवायु दशाओं को स्थानीय जलवायु को आधार बनाकर चर्चा करना।	• आस्ट्रेलिया के रेखा मानचित्र • आस्ट्रेलिया के पशुपालन का मानचित्र।
• आस्ट्रेलिया महाद्वीप की कृषि, पशुपालन, खनिज ऊर्जा, उद्योग धन्धे, यातायात	पाठ – 24 आस्ट्रेलिया महाद्वीप का आर्थिक	प्रस्तावना– आस्ट्रेलिया महाद्वीप में विशाल मरूस्थल और विस्तृत पठार पाये जाते हैं। खनिज संपदा से सम्पन्न इस महाद्वीप में अधिकांश क्षेत्र पर कम वर्षा के बावजूद खेती होती है। यह कृषि प्रधान महाद्वीप कहलाता है। गेंहू यहां की मुख्य फसल है साथ ही गेंहू का यहां से निर्यात भी	• आस्ट्रेलिया का रेखा मानचित्र। •आस्ट्रेलिया कृषि तथा पशुपालन का मानचित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्याकंन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• विश्व में आस्ट्रेलिया महाद्वीप के विस्तार की स्थिति को जानना। • मानचित्र में आस्ट्रेलिया महाद्वीप के धरातलीय स्वरूप को समझना। • महाद्वीप की जलवायु दशाओं व वनस्पति को जानना।	• आस्ट्रेलिया महाद्वीप की स्थिति एवं विस्तार को बताईये? •आस्ट्रेलिया के धरातलीय स्वरूप की प्रमुख विशेषताओं को बताईये? •आस्ट्रेलिया के पश्चिमी भाग में विशाल मरूस्थल क्यों पाया जाता है? •आस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले प्रमुख वृक्ष एवं जीव-जन्तुओं के नाम लिखिए।	• विद्यार्थियों से तालिका पूर्ण कराएँ - महाद्वीप का सबसे बड़ा रेलमार्ग: ___ मूल निवासी का नाम: ___ शिकार करने के औजार का नाम: ___ मूल निवासियों का पूजा स्थल: ___ सबसे बड़ा नगर: ___	• आस्ट्रेलिया के धरातलीय स्वरूप व जलवायु को निर्धारित करने वाले कारणों व कारकों को बताते हैं।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल	• आस्ट्रेलिया की प्रमुख फसलों के बारे में जानना। • आस्ट्रेलिया में भेडपालन	• आस्ट्रेलिया की प्रमुख फसलों के नाम बताईये? • आस्ट्रेलिया महाद्वीप में भेड़पालन उद्योग क्यों उन्नत है? • आस्ट्रेलिया महाद्वीप में	• आस्ट्रेलिया के रेखा मानचित्र में अंकित कराना यथा - न्यूजीलैंड, तस्मानिया द्वीप, कालगूर्ली, सिडनी, मैलबोर्न,	• कृषि, खनिज व यातायात के साधन किसी क्षेत्र/देश के विकास में किस प्रकार

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
	विकास	किया जाता है। आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों से संसाधनों का उपयोग कर पशुपालन भी किया जाता है। पशुपालन के लिये यह महाद्वीप विश्व प्रसिद्ध है। • मानचित्र के आधार पर आस्ट्रेलिया में पशुपालन के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ व विस्तार के क्षेत्र पर पर चर्चा करना। • आस्ट्रेलिया में भेड़पालन विषय पर भाषण प्रतियोगिता कराना। • महाद्वीप में पाई जाने वाले खनिज पदार्थो व उनके उत्पादन क्षेत्रों की तालिका बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना। • आस्ट्रेलिया के यातायात के साधनों पर चर्चा करना।	
•अंटार्कटिका– भौतिक संरचना •श्वेत महाद्वीप क्यों कहते हैं? •वनस्पति, जीव जन्तु, खनिज संसाधन	पाठ – 25 अंटार्कटिका	प्रस्तावना– विश्व मानचित्र में सबसे नीचे अर्थात दक्षिणी गोलार्द्ध या ग्लोब में दक्षिणी ध्रुव के समीप स्थित स्वेत महाद्वीप के बारे में हम जानेंगे। जो क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का पांचवाँ बड़ा महाद्वीप है। जो लगभग पूरी तरह से बर्फ से ढका है इस कारण यह सबसे ठंडा और वीरान महाद्वीप है। इस महाद्वीप की खोज 1820 में कैप्टन कुक ने की थी। •संसार के मानचित्र में अन्टार्कटिका महाद्वीप की स्थिति के बारे में बताना। •अन्टार्कटिका को श्वेत महाद्वीप क्यों कहते है। इस विषय पर समूह चर्चा कराना।	• संसार का मानचित्र। • अन्टार्कटिका महाद्वीप का मानचित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
खण्ड)	केन्द्रों के विकास को जानना। • आस्ट्रेलिया में प्रमुख उद्योग धन्धों व यातायात के विकास को जानना।	वायु परिवहन क्यों महत्वपूर्ण है? • आस्ट्रेलिया महाद्वीप में किन क्षेत्रों में सघन जनसंख्या पाई जाती है? • आस्ट्रेलिया महाद्वीप के प्रमुख खनिजों के नाम लिखिए।	मर्रे डार्लिंग नदी, केनबरा, पर्थ व ब्रिस्बेन नगर, कोई एक गेहूँ उत्पादक क्षेत्र।	सहायक है। का विश्लेषण करते हैं।
2 काल खण्ड (90 मिनिट प्रति काल खण्ड)	• अन्टार्कटिका महाद्वीप की स्थिति व विस्तार को जानना। • अटार्कटिका को श्वेत महाद्वीप क्यों कहते है यह जानना। • अन्टार्कटिका के जीव जन्तु वनस्पति, संसाधनों के बारे में	• अन्टार्कटिका महाद्वीप की स्थिति व विस्तार को बताईये? • अन्टार्कटिका को श्वेत महाद्वीप क्यों कहते हैं? • अन्टार्कटिका के प्रमुख जीव-जन्तु बताईये? • आस्ट्रेलिया महाद्वीप में वनस्पति नहीं के बराबर हैं। क्यों? • आस्ट्रेलिया महाद्वीप में जिन माहों में सूर्योदय नहीं होता है, उनके नाम बताइए। • अन्टार्कटिका में मनुष्य	• अन्टार्कटिका में भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा किये गये प्रयासों पर आलेख तैयार करें।	• अन्टार्कटिका के भौतिक स्वरूप व वनस्पति के बारे में वर्णन करते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		•कक्षा में तीन समूह बनाकर मानस चित्रांकन कराकर प्रस्तुतिकरण करना। 1. वनस्पति एवं जीव जन्तु – प्रथम समूह 2. संसाधन – द्वितीय समूह 3. अन्टार्कटिका में भारतीय वैज्ञानिक दलों की यात्रा– तृतीय समूह	
• स्थानीय मानचित्र का अध्ययन – उपयोगिता, सम्मोच्च रेखाएँ •मानचित्र के आधार पर भौतिक स्वरूप व वनस्पति को जानना।	पाठ – 26 स्थानीय मानचित्र का अध्ययन	प्रस्तावना– क्षेत्र विशेष के भौगोलिक ज्ञान के लिये मानचित्र का उपयोग करना जरूरी है। पृथ्वी या उसके किसी भाग की समतल सतह कागज आदि पर पैमाने के आधार पर रूढ़ चिन्हों का चित्रण मानचित्र कहलाता है। धरातल और मानचित्र के बीच में आनुपातिक संबंध पैमाना या मापक कहलाता है। मानचित्र का शीर्ष उत्तर दिशा को दर्शाता है। •किसी प्रदेश, जिला अथवा शहर का मानचित्र दिखाकर चर्चा करना। जैसे – दिशा ज्ञान, रूढ़ चिन्ह, रंगों का प्रयोग आदि। •गतिविधि द्वारा स्थल रूपों को रंगों द्वारा मानचित्र में अंकन कराना। •मानचित्र के रंगों का उपयोग करके जैसे – पर्वत, सागर, नदी, पठार दर्शाने की गतिविधि कराना। •धरातल की विभिन्न आकृतियों को जैसे शंक्वावार, पहाड़ी, पठार, वी आकार की घाटी को समोच्च रेखाओं द्वारा दर्शाना। के चित्र बनवाकर प्रस्तुतिकरण कराना।	• स्थानीय मानचित्र का चित्र। •शंक्वाकार पहाड़ी तथा पठार का चित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	जानना।	का स्थाई निवास संभव नहीं है? क्यों?		
2 कालखण्ड (90 मिनिट प्रति कालखण्ड)	• मानचित्र में मापक, दिशा, रूढ चिन्हों व रंगों के महत्व को जानना। • समोच्च रेखा से क्या आशय है यह जानना। • समोच्च रेखा के आधार पर विभिन्न भू आकृतियों का निर्माण कर सकना।	• मानचित्र क्यों उपयोगी है? • समोच्च रेखाओं द्वारा पठार को दर्शाइए। • मानचित्र में रंग का गहरा या हल्का होना किस बात को प्रदर्शित करता है? • यदि समोच्च रेखाएं पास-पास हों तो इसका तात्पर्य क्या है?	• अपने गांव/शहर का मानचित्र बनाने के लिए दे जिसमें मंदिर, मस्जिद, स्कूल . अस्पताल अंकित करने को दें।	• किसी स्थान विशेष का मानचित्र बनाने की प्रक्रिया बताते हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• कृषि पशुपालन का पर्यावरण पर प्रभाव •उद्योगों के प्रमुख अवयव, अपशिष्ट, •पर्यावरण सहयोगी प्रौद्योगिकी राष्ट्रीय व क्षेत्रीय पर्यावरणीय मुद्दे	पाठ –27 हमारा जीवन और पर्यावरण	प्रस्तावना– प्रारंभ से मनुष्य और प्रकृति का अटूट रिश्ता रहा है। प्रारंभ में मनुष्य की आवश्यकताएं सीमित थी। वे प्रकृति द्वारा दिये गये उपहारों (जल,भूमि,वायु और पौधों) का उचित प्रयोग करता था। वर्तमान में औद्योगिकीकरण एवं मनुष्य की जीवन शैली में परिवर्तन के कारण प्रकृति का अंधाधुंध दोहन शुरू कर दिया जिसके कारण पर्यावरण में असंतुलन पैदा हो गया। इस अंसतुलन के कारण मानव जीवन ही नही बल्कि समस्त जीवधारियों का जीवन संकट में पड़ गया। मनुष्य अपनी आवश्यकताओं को सीमित करके विकास के उचित तरीके अपना कर पर्यावरण असंतुलन एवं प्रदूषण को कम कर सकता है। • कृषि व पशुपालन का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ता है? विद्यार्थियों से चर्चा करें। • पर्यावरण प्रदूषण के कारणों पर प्रत्येक विद्यार्थी से मानस चित्रांकन कराकर उसका प्रस्तुतिकरण कराना। • शिक्षक चार्ट/माइण्ड मेप के माध्यम से उद्योगों के प्रमुख अवयव एवं वस्तु निर्माण की प्रक्रिया पर चर्चा करें। • विभिन्न उद्योगों से निकलने वाले प्रमुख अपशिष्ट और उनके निपटारे पर चर्चा स्थानीय परिस्थियों को जोड़ते हुए करें। • पर्यावरण सहयोगी प्रौद्योगिकी जो वर्तमान में प्रचलन में है से विद्यार्थियों को अवगत करावें। • राष्ट्रीय पर्यावरण मुद्दे पर भाषण प्रतियोगिता/क्विज कराना।	• स्थानीय मानचित्र का चित्र। •शंक्वाकार पहाड़ी तथा पठार का चित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
2 कालखण्ड (90 मिनिट प्रति कालखण्ड)	• कृषि व पशुपालन पर्यावरण को कैसे प्रभावित करते यह जानना। • विभिन्न अपशिष्टों को जानना। • पर्यावरण प्रदूषण के कारणों को जानना। • आदर्श पर्यावरण की कल्पना को समझना। • पर्यावरण सहयोगी प्रौद्योगिकी को जानना।	• विभिन्न अपशिष्टों को बताईये? •पर्यावरण प्रदूषण के कारणों को बताईये। •पर्यावरण सहयोगी प्रौद्योगिकी के तीन उदाहरण दें। • आप अपने आसपास के वातावरण को प्रदूषित होने से बचाने में क्या-क्या सहयोग कर सकते हैं।	• शाला को पालिथीन मुक्त बनाने के लिए क्या प्रयास किये जा सकते हैं। वैकल्पिक साधन सुझाएं। •अपने शाला ग्राम में पाये जाने वाले ठोस अपशिष्टों के प्रबंधन हेतु योजना बनाइए।	• पर्यावरण के विभिन्न घटकों और उनके मध्य अर्न्तसंबंधों का वर्णन करते हैं। • अपने चारों ओर के प्रदूषण को बढ़ाने वाले कारकों का विश्लेषण करते हैं। • प्राकृतिक संसाधन जैसे - वायु जल, ऊर्जा के संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता दर्शाते हैं।

सामाजिक विज्ञान (कक्षा- 8)
सीखने की संप्राप्तियाँ (Learning Outcomes)

बच्चे –

- पृथ्वी की मुख्य आंतरिक परतों और चट्टानों के प्रकारों को चित्र में पहचानते हैं।
- विभिन्न कारकों के द्वारा निर्मित होने वाले भू-रूपों का वर्णन करते है।
- भारत और विश्व के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और उनके जीवन के बीच अंतर्संबंध का पता लगाते हैं।
- वनस्पति व जीव जन्तुओं की विविधता को निर्धारित करने वाले कारणों और कारको को बताते हैं। जैसे – जलवायु, भू-भाग आदि।
- कृषि, खनिज व उद्योग किसी क्षेत्र/देश के विकास में किस प्रकार सहयोगी है का विश्लेषण करते हैं।
- प्राकृतिक संसाधनों जैसे जल, भूमि, जंगल इत्यादि के विवेकपूर्ण उपयोग और सभी क्षेत्रों में विकास / रखरखाव बनाए रखने का औचित्य बताते हैं।
- उन कारकों का विश्लेषण करते है जिसके कारण कुछ देश मुख्य फसलों के उत्पादक के रूप में जाने जाते है। जैसे – गेहूँ, चावल, कपास इत्यादि और विश्व मानचित्र पर उन देशों को चिन्हित करते हैं।
- आपदाओं एवं दुर्घटनाओं के कारकों पर प्रतिक्रिया देते हैं।
- आपदाओं जैसे भूकंप से बचाव के लिए की जाने वाली कार्यवाहियों की व्याख्या करते हैं।
- विश्व मानचित्र पर महत्वपूर्ण खनिजों के वितरण को चिन्हित करते हैं। जैसे – कोयला व खनिज तेल इत्यादि।
- पर्यावरण के विभिन्न घटकों और उनके मध्य अर्न्तःसंबंधों का वर्णन करते हैं।
- अपने चारों ओर के प्रदूषण को बढ़ाने वाले कारकों का विश्लेषण करते है और इन्हें रोकने वाले उपायों को सूचीबद्ध करते है।
- किसी देश की शांति व विकास में आंतकवाद सबसे बड़ा खतरा है की समीक्षा करते है।
- यह स्पष्ट करते है कि ब्रिट्रिश ईस्ट इंडिया कंपनी सशक्त व प्रभावशाली कैसे बनी।
- देश के विभिन्न भागों में औपनिवेशिक कृषि संबंधी नीतियों जैसे 'नील विद्रोह' के अलग – अलग प्रभावों को स्पष्ट करते हैं।
- 19 वीं सदी में विभिन्न जनजातीय समुदायों का वर्णन और उनके पर्यावरण के साथ संबंधों का वर्णन करते हैं।
- जनजातीय समुदायों के लिए औपनिवेशिक प्रशासन की नीतियों को स्पष्ट करते हैं।

- 1857 की क्रांति के उद्भव, प्रकृति और विस्तार एवं इससे क्या सीख प्राप्त हुई, इन्हें स्पष्ट करते हैं।
- औपनिवेशिक काल के दौरान भारत में पूर्व प्रचलित नगरीय केन्द्रों और हस्तशिल्प उद्योगों की स्थिति में गिरावट और नए नगरीय केन्द्रों व उद्योगों के विकास का विश्लेषण करते हैं।
- भारत की नवीन शिक्षा नीति के संस्थानीकरण को स्पष्ट करते हैं।
- जाति, महिला, विधवा पुर्नविवाह, बाल विवाह व सामाजिक सुधार और कानूनों जैसे मुद्दों तथा इससे संबंधित उपनिवेशवादी प्रशासन की नीति और नियमों का विश्लेषण करते हैं।
- आधुनिक काल में कला के क्षेत्र में हुए विकास को रेखांकित करते हैं।
- 1870 से स्वतंत्रता प्राप्ति तक भारत के राष्ट्रीय आंदोलनों को रेखांकित करते हैं।
- राष्ट्रीय आंदोलन में क्रांतिकारियों के योगदान की समीक्षा करते हैं।
- राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया के अन्तर्गत महत्वपूर्ण घटनाओं का विश्लेषण करते हैं।
- लोकतंत्र में समानता के महत्व को समझते हैं।
- राजनीतिक समानता, आर्थिक समानता और सामाजिक समानता के बीच अंतर करते हैं।
- स्वयं के क्षेत्र के संबंध में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों को समानता के अधिकार के संदर्भ में व्याख्या करते हैं।
- राष्ट्रीय एकीकरण को सुदृढ़ करने वाले कारकों व अवरोधों को चिन्हित करते हैं।
- अपनी आसपास की मानवीय विविधताओं का वर्णन करते है।
- विभिन्न रूपों में समानता एवं असमानता के बीच अंतर करते है एवं स्वस्थ तरीके से उनके प्रति व्यवहार करते है।
- समाज के विभिन्न वर्गों की महिलाओं द्वारा जिन सामाजिक प्रतिकूलता की स्थिति का सामना करना पड़ता है, उसके कारण और प्रभावों का विश्लेषण करते हैं।
- क्षेत्र के वंचित समूहों के हाशिये पर होने के कारणों और प्रभावों का विश्लेषण करते है।
- कच्चे माल, आकार और स्वामित्व के आधार पर विभिन्न प्रकार के उद्योगों को वर्गीकृत करते हैं।
- अपने क्षेत्र व राज्य की मुख्य फसलों, खेती के प्रकार और प्रचलित कृषि पद्धति का वर्णन करते हैं।
- देश की सुरक्षा में रक्षा सेनाओं की भूमिकाओं को समझते है।
- भारत की विदेश नीति के सिद्धान्तों की समीक्षा करते हैं।
- संयुक्त राष्ट्र में भारत की भूमिका का विश्लेषण करते हैं।
- भारत और उसके पड़ोसी देशों से संबंधों की समीक्षा करते हैं।
- समोच्च रेखाओं के माध्यम से विभिन्न स्थल रूपों को दर्शाते है।

(10)

स्व.मूल्यांकन

पाठ – 1

भारत में ब्रिट्रिश सत्ता की स्थापना और विस्तार

❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/गतिविधियाँ–

1. ....

2. ....

❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–

1. ....

2. ....

❖ पाठ पढ़ाने की दिनांक ....

❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐

❖ जन शिक्षक की टीप ....

हस्ताक्षर हस्ताक्षर

पाठ – 2

ब्रिटिश प्रशासन नीतियाँ एवं प्रभाव

❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/गतिविधियाँ–

1. ....

2. ....

❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–

1. ....

2. ....

❖ पाठ पढ़ाने की दिनांक ....

❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐

❖ जन शिक्षक की टीप ....

हस्ताक्षर हस्ताक्षर

शिक्षिका / शिक्षक का नाम .... जन शिक्षक का नाम ....

पाठ – 3

ब्रिटिश शासन के विरूद्ध संघर्ष

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 8

1858 ई. के बाद ब्रिटिश प्रशासन और नीतियाँ

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 9

धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आंदोलन एवं साँस्कृतिक चेतना का विकास

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 17

राष्ट्रीय आन्दोलन 1885 – 1918

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 18
भारत में क्रांतिकारी आंदोलन

❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/गतिविधियाँ–

1. ....

2. ....

❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–

1. ....

2. ....

❖ पाठ पढ़ाने की दिनांक ....

❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐

❖ जन शिक्षक की टीप ....

हस्ताक्षर	हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम	जन शिक्षक का नाम ....

पाठ – 19
राष्ट्रीय आन्दोलन एवं स्वतंत्रता प्राप्ति

❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/गतिविधियाँ–

1. ....

2. ....

❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–

1. ....

2. ....

❖ पाठ पढ़ाने की दिनांक ....

❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐

❖ जन शिक्षक की टीप ....

हस्ताक्षर	हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम	जन शिक्षक का नाम ....

पाठ – 4

राष्ट्रीय एकीकरण

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 5

हमारे राष्ट्रीय लक्ष्य

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 10

हमारा समाज

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 11

आर्थिक विकास

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 12
भारत की रक्षा व्यवस्था

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 20
भारत की विदेश नीति एवं पड़ोसी देशों से संबंध

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 21

भारत और संयुक्त राष्ट्र

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 22

विश्व के सम्मुख प्रमुख चुनौतियाँ

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 6

स्थलमण्डल –स्थल एवं स्थलाकृतियाँ

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 7

परिवर्तनकारी बाह्य शक्तियाँ

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पेडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 13

उत्तरी अमेरिका का भोगौलिक स्वरूप

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 14

उत्तर अमेरिका आर्थिक स्वरूप

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 15
दक्षिण अमेरिका का भौगोलिक स्वरूप

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 16
दक्षिण अमेरिका का आर्थिक स्वरूप

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 23

आस्ट्रेलिया महाद्वीप का भौगोलिक रूवरूप

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 24

आस्ट्रेलिया महाद्वीप का आर्थिक

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 25
अंटार्कटिका

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 26
स्थानीय मानचित्र का अध्ययन

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पाठ – 27
हमारा जीवन और पर्यावरण

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

(11)

कक्षा अवलोकन हेतु मॉनीटरिंग (ALM आधारित)

कक्षा शिक्षण प्रक्रिया का अवलोकन अकादमिक मानीटरिंग का केन्द्र बिन्दु है। विद्यालय में पहुँचकर कम से कम एक सत्र का पूर्ण अवलोकन करना अकादमिक मानीटरिंग को महत्वपूर्ण बना सकता है।

मॉनीटर स्वयं को सक्रिय अधिगम प्रविधि शिक्षक के रूप में परिकल्पित करते हुए स्वयं को सक्षम बनाने उपरांत कक्षा अवलोकन करने की ओर कदम बढ़ाए तो अपेक्षित परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

सक्रिय अधिगम प्रविधि से संबंधित अभिलेख जैसे समय विभाजन चक्र, पाठ योजनाओं की उपलब्धता, दैनिक पाठयोजना की तैयारी, दैनिक डायरी, विद्यार्थियों के गृहकार्य की जाँच, अन्य उपयोगी दस्तावेजों का प्रारम्भिक परीक्षण कर मॉनीटरकर्ता विद्यालयीन कक्षा कार्यो के बारे में प्रारंभिक दृष्टि तैयार कर सकते है।

कक्षा के अवलोकन के दौरान मॉनीटर शिक्षक एवं विद्यार्थियों की भूमिका को शांतिपूर्वक समझें और निर्धारित प्रारूप में अपनी टीप अंकित करते जायें। अतः अवलोकन के समय अवलोकन प्रपत्र साथ रखना चाहिए। चूँकि इस प्रपत्र की एक प्रति विद्यालय में भी रखी जानी है अतः इसे दो प्रतियों मे तैयार करें। प्रपत्र की पूर्ति एक रस्म नहीं, मॉनिटरिंग का मुख्य कार्य है जो मॉनीटरकर्ता और शिक्षक के मध्य संवाद से ही बनता है।

इन विद्यालयों में सभी शिक्षक निरंतर अपनी कक्षा में कार्यरत रहते हैं। इस परिस्थिति में यदि संभव नहीं कि कक्षा कार्य के दौरान शिक्षक चर्चा के लिए समय निकाल सकें। मॉनीटर अवलोकन के निष्कर्ष अवलोकन पंजी में भी दर्ज करें।

कक्षा समय उपरान्त विद्यालय स्टाफ की एक बैठक लेकर शिक्षकों की अकादमिक कठिनाईयों का निवारण किया जाना भी आकादमिक सहयोग दृष्टि से उचित होगा।

माध्यमिक शाला कक्षा अवलोकन – प्रपत्र

विद्यालय का नाम.....

विद्यालय का डाइस कोड.....

विकासखण्ड .....

जिला.....

कक्षा..... समय .....से .....

शिक्षक का नाम .....

कालखण्ड.....

शिक्षक का यूनिक आई.डी.....दिनांक .....

कक्षा में विद्यार्थियों की संख्या (अ) दर्ज.....(ब) उपस्थित.....

अवलोकन के बिन्दु		प्रभावी A	सामान्य B	अप्रभावी C	अपने उत्तर का आधार लिखें
01	शिक्षक द्वारा प्रस्तुत की गयी प्रस्तावना				
02	शिक्षक द्वारा सभी विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे जा रहें है				
03	शिक्षक द्वारा श्यामपट पर चित्र बनाया जा रहा है				
04	शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों का मिश्रित समूह बनाया गया है				
05	विद्यार्थियों द्वारा वाचन के पश्चात् नवीन शब्दो के अर्थ जानने के लिये शब्दकोश का उपयोग किया जा रहा है				
06	विद्यार्थियों की कापी देखकर अंकित करे कि माइण्ड मेप एवं सारांशीकरण बनाए गए है				
07	विद्यार्थियों द्वारा माइंडमेप एवं सरांशीकरण का प्रस्तुतीकरण किया जा रहा है।				
08	कक्षा के सभी विद्यार्थियों द्वारा सक्रिय सहभागिता की जा रही है।				
09	कक्षा के सभी विद्यार्थियों को समान अवसर दिये जा रहे हैं।				
10	शिक्षक द्वारा विषयवस्तु का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है।				

11	शिक्षक द्वारा विषयवस्तु का पुनर्बलन किया जा रहा है।				
12	शिक्षक द्वारा आवश्यक टी.एल.एम एवं आई. सी.टी का उपयोग किया जा रहा है।				
13	शिक्षक द्वारा विषय वस्तु से संबंधित सभी सीखने के संकेतों को समावेश पुनर्वलन में किया गया।				
14	विद्यार्थियों ने विषय वस्तु से संबंधित सीखने की संप्राप्तियों को प्राप्त कर लिया है।				
15	शिक्षक द्वारा सतत आकलन किया जा रहा है।				
16	कक्षा में विशेष शिक्षण किया जा रहा है।				
17	शिक्षक द्वारा प्रस्तावना एवं अन्य चरणों में विषयवस्तु अनुरूप गतिविधियाँ/प्रयोग/चार्ट /माडल/क्विज अदि का उपयोग किया जा रहा है।				
18	विद्यार्थियों को गृहकार्य दिया जा रहा है				
19	गृह कार्य की नियमित जाँच की जा रही है।				
20	कक्षा में पर्याप्त संख्या में टी.एल.एम एवं शब्दकोश उपलब्ध है				
21	विद्यालय को शासन स्तर से उपलब्ध कराई गई राशि से शब्दकोश एवं शैक्षणिक सामग्री क्रय की गई है				
22	शिक्षक द्वारा निर्धारित समय सीमा (90 मीनिट) में निर्धारित विषयवस्तु पूर्ण की गई				

विद्यालय में अन्य शिक्षकों द्वारा ALM अनुसार अध्यापन किया जा रहा है। हॉ/नहीं

नोट – अवलोकन प्रपत्र में दिए गये बिन्दुओं के समक्ष प्रभावी, सामान्य या अप्रभावी के कालम में सही का निशान (✓) लागावें तथा साथ के कालम में अपने उत्तर का संक्षेप आधार अंकित करें।

संबंधित शिक्षक के हस्ताक्षर

नाम.....

अवलोकनकर्ता के हस्ताक्षर

नाम.....

पद.....

टिप्पणी